अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन
म्हारो लक्ष्य - राष्ट्र री प्रगति
स्थापित 1935

समाज विकास

एक समाज - अग्रणी समाज

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन का मुखपत्र

• अगस्त २०२५ • वर्ष ७६ • अंक ०८
मूल्य : ₹ १० प्रति, वार्षिक ₹ १००

७८वें स्वतंत्रता दिवस की वर्षगाँठ के अवसर पर केंद्रीय कार्यालय के प्रांगण में ध्वजारोहण करते हुए नव निर्वाचित राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री पवन कुमार गोयनका, पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री संतोष सराफ। चित्र में परिलक्षित हैं- राष्ट्रीय महामंत्री कैलाशपति तोदी, राष्ट्रीय संयुक्त मंत्री श्री पवन जालान, राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष श्री केदारनाथ गुप्ता, सम्मेलन के वरिष्ठ सदस्य श्री आत्माराम सोंथलिया, पश्चिम बंग प्रांत के अध्यक्ष श्री नंदकिशोर अग्रवाल, सर्वश्री अनिल मलावत, प्रदीप जीवराजका, अरुण मल्लावत, शंकर कारीवाल, राजेश कुमार सोंथलिया, अशोक संचेती, राज कुमार अग्रवाल, पवन कुमार अग्रवाल, शौभित छावछरिया, श्रीमती सरिता लोहिया, राजेन्द्र राजा एवं अन्य उपस्थित थे।

इस अंक में

संपादकीय
- आइये, हम हमारे इतिहास से प्रेरणा लें

आपणी बात
- सत्र २०२३-२५: एक अंतर्यात्रा

आलेख
- आधुनिक राजस्थानी साहित्य के जनक: शिव चंद्र भरतिया

विशेष पेज-३२

संस्कार-संस्कृति चेतना

रपट
- स्वतंत्रता दिवस समारोह
- वार्षिक साधारण सभा
- पुरस्कार चयन उपसमिति की बैठक
- महामंत्री का प्रतिवेदन (२०२३-२५)

प्रांतीय समाचार
- बिहार, पश्चिम बंग, मध्य प्रदेश गुजरात, उत्कल, झारखंड, दिल्ली

सीताराम रुँगटा मारवाड़ी सम्मेलन भवन के बिल्डिंग प्लान की मंजुरी

२८वाँ राष्ट्रीय अधिवेशन, नई दिल्ली ६-७ सितंबर २०२५

CENTURYPLY®

CENTURYPLY®

CENTURYLAMINATES®

CENTURYVENEERS®

CENTURYDOORS®

CENTURYEXTERIA®
Decorative Exterior Laminates

CENTURYPVC®

CENTURYPARTICLEBOARD®
The Eco-friendly and Economical Board

CENTURYPROWUD®
*MDF-The **wood** of the future*

zykron®
FIBRE CEMENT BOARDS & PLANKS

SAINIK 710
WATERPROOF PLY

SAINIK LAMINATES™
BOLD & BEAUTIFUL

CENTURY PLYBOARDS (INDIA) LTD.

Century House, P-15/1, Taratala Road, Kolkata - 700 088

For any queries, SMS 'CPIL' to 56070 or call us on **1800 5722 122**

घणै मान आभार

शिव कुमार लोहिया
राष्ट्रीय अध्यक्ष

सत्र
2023-25

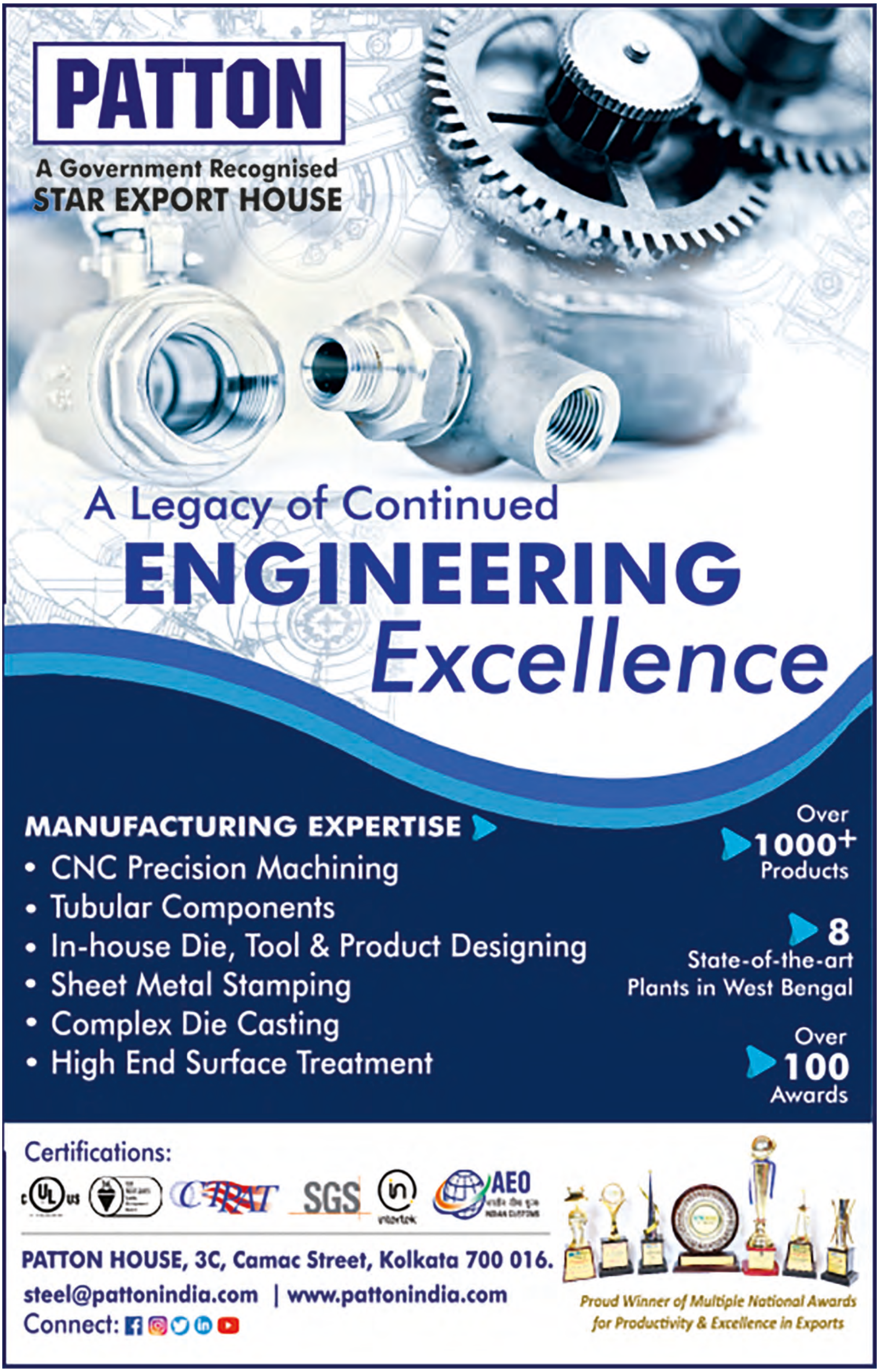

PATTON
A Government Recognised
STAR EXPORT HOUSE
A Legacy of Continued
ENGINEERING
Excellence
MANUFACTURING EXPERTISE
• CNC Precision Machining
• Tubular Components
• In-house Die, Tool & Product Designing
• Sheet Metal Stamping
• Complex Die Casting
• High End Surface Treatment
Over 1000+ Products
8 State-of-the-art Plants in West Bengal
Over 100 Awards
Certifications:
SGS
AEO
PATTON HOUSE, 3C, Camac Street, Kolkata 700 016.
steel@pattonindia.com | www.pattonindia.com
Connect:
Proud Winner of Multiple National Awards for Productivity & Excellence in Exports

समाज विकास

◆ अगस्त २०२५ ◆ वर्ष ७६ ◆ अंक ८

◆ एक प्रति - ₹१० ◆ वार्षिक - ₹१००

अनुक्रमणिका

शीर्षक | पृष्ठ संख्या

- **चिट्ठी आई है** ५
- **सम्मेलन के महाप्राण स्वर्गीय ईश्वर दास जालान** ६-७
- **संपादकीय :** ९
  आइये, हम हमारे इतिहास से प्रेरणा लें
- **आपणी बात : शिव कुमार लोहिया** ११-१२
  सत्र २०२३-२५ : एक अंर्तयात्रा
- **अतीत की बातें** १५
  अतीत के महा अधिवेशन - झलकियाँ
  आपणो समाज - एक समाज - श्रेष्ठ समाज
- **रपट**
  स्वतंत्रता दिवस समारोह १६
  वार्षिक साधारण सभा १९-२०
  पुरस्कार चयन उपसमिति की बैठक २०
  महामंत्री का प्रतिवेदन २३-३०, ३५-३८
  (सत्र २०२३-२५)
  सीताराम रूंगटा मारवाड़ी सम्मेलन भवन
  के बिल्डिंग प्लान की मंजुरी ३१

विशेष **संस्कार-संस्कृति चेतना**

  रक्षा बंधन ३२
  हाथ जोड़कर प्रार्थना क्यों करते हैं?
  कृतज्ञता का उजास
  अंतिम सत्य ३३
- **प्रांतीय समाचार**
  बिहार, पश्चिम बंग, मध्य प्रदेश, गुजरात, ३९-४५
  उत्कल, झारखंड, दिल्ली
- **सम्मेलन मंच** ४९-५०
- **आलेख**
  आधुनिक राजस्थानी साहित्य के जनक : ५२-५३
  शिव चंद्र भरतिया - केशव कुमार भट्टड़
  लघुकथा ५५
- नए सदस्यों का स्वागत ५६-६०

स्वत्वाधिकारी

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन
All India Marwari Federation

प्रशासनिक एवं संपर्क कार्यालय : ४बी, डकबैक हाउस, ४१, शेक्सपीयर सरणी, कोलकाता - ७०००१७
फोन : ०३३-४००४ ४०८९

◆ email: aimf1935@gmail.com
◆ Website : www.marwarisammelan.com

स्वत्वाधिकारी ऑल इंडिया मारवाड़ी फेडरेशन के लिए **भानीराम सुरेका** द्वारा ऑल इंडिया मारवाड़ी फेडरेशन, ४बी, डकबैक हाउस (४ तल्ला), कोलकाता-१७ से प्रकाशित तथा सी.डी.सी. प्रिंटर्स प्रा. लि., ४५, राधानाथ चौधरी रोड, कोलकाता - ७०००१५ से मुद्रित।

◆ प्रेरक संपादक : सीताराम शर्मा ◆ संपादक : शिव कुमार लोहिया

प्रकाशित रचनाओं से संपादकीय सहमति अनिवार्य नहीं है।

चिट्ठी आई है

आदरणीय शिवकुमार जी लोहिया,
सादर प्रणाम।

"समाज विकास" पत्रिका के जुलाई अंक में प्रकाशित आपकी **"आपणी बात"** पढ़ी – और सच कहूँ तो दिल को बहुत गहराई से छू गई।

आपके शब्दों में अनुभव की परिपक्वता, संवेदनशीलता, और समाज के प्रति आपकी निःस्वार्थ प्रतिबद्धता बहुत सहजता से झलकती हैं। आपने स्मृतियों की गलियों से गुज़रते हुए जिस तरह भावनाओं को शब्दों का रूप दिया है, वह न केवल प्रेरणादायक है, बल्कि आज के समय में नई पीढ़ी को समाज और संस्कृति से जोड़ने का भी सुंदर प्रयास है।

आपने भाषा, परंपरा, एकता और समर्पण जैसे मूल्यों को जिस गरिमा और गंभीरता से प्रस्तुत किया – वह वास्तव में सराहनीय है। आपकी लेखनी समाज के लिए दिशा देने वाली दीपशिखा के समान है।

आपने जिस सहजता से समाज की चुनौतियाँ को भी सकारात्मक स्वर में प्रस्तुत किया, वह आपके व्यक्तित्व की विशालता दर्शाता है।

आपका संदेश पढ़कर आत्मावलोकन की प्रेरणा मिली और समाज के प्रति अपने उत्तरदायित्व को और गंभीरता से समझने का अवसर भी।

आपका मार्गदर्शन हम सभी के लिए दीपस्तंभ के समान है।

आपका स्नेह और आशीर्वाद यूँ ही बना रहे–
इन्हीं मंगलकामनाओं के साथ...

मनीष बाजोरिया, इंदौर

कविता

पूरा भारत में सम्मेलन छायो है

तर्ज : (सावन का महिना पवन करें शोर)

पूरा भारत में (राष्ट्र में) सम्मेलन छायो है।
समाज सुधार को जो बीड़ो उठायो है।

जा टाबरिया न ऊंची शिक्षा की दरकार
मिलकर लेव बांकी पढ़ाई को भार।
रोजगार देने में भी हाथ बढ़ायो है।
(काम लगावन को भी एक लक्ष्य बनायो है।)
पूरा भारत में (राष्ट्र में) सम्मेलन छायो है।

बहू बेटियां न समाज में आग है ल्याव।
बान भी खुद की एक पहचान दिलाव
चारों दिशा में ओ परचम फहरायो है।
पूरा भारत में (राष्ट्र में) सम्मेलन छायो है।

संस्कारा को ओ राख्यो घनो है ध्यान
मायड़ भाषा न खूब दिशा है मान।
नई पीढ़ी न जड़ से मजबूत बनायो है।
पूरा भारत में (राष्ट्र में) सम्मेलन छायो है।

मजबूत कर संगठन न लाया है आगे
भाईचारा को भाव जगायो है सागे
नया जोश का साग बड़ा नाम कमायो है।
पूरा भारत में (राष्ट्र में) सम्मेलन छायो है।

– शशि लाहोटी

सम्मेलन के महाप्राण
स्वर्गीय ईश्वर दास जालान

महात्मा गांधी के आंदोलन के फलस्वरूप सन १९३५ का भारत विधायक आया। उसके संबंध में ब्रिटिश सरकार ने जो ह्वाइट पेपर प्रकाशित किया था उसके बारे मे स्वर्गीय जालान ने लिखा – "नवीन विधान की रूपरेखा में ऐसा संकेत किया गया था कि देशी राज्यों की प्रजा है उसे ब्रिटिश राज्य की प्रजा के नागरिक अधिकार नहीं दिए जाएंगे। जब मैं उसे पढ़ा तो मुझे यह आशंका हुई कि मारवाड़ी समाज के व्यक्ति जो विभिन्न प्रदेशों में बसे हुए हैं उन्हें देसी राज्य की प्रजा मानकर यदि नागरिक अधिकार नहीं प्राप्त हुए तो देश भर में विदेशियों की तरह समझ जाएंगे। ऐसा होने से ना तो उनको वोट का अधिकार होगा ना ही कोई नागरिक अधिकार। समाज की अपार क्षति होगी। मन में ऐसी शंका जागृत हुई कि यदि यह प्रांतीयता का विष देश में फैल गया तो समाज की अवस्था और भी नाजुक हो जाएगी। मैंने इसके संबंध में स्व० काली प्रसाद खेतान से बात की और वह मेरी इस बात से सहमत हुए कि इसका संशोधन आवश्यक है। फिर हमने बद्री दास जी गोयनका से इस संबंध में बातें की और वह भी हम लोगों के विचारों से सहमत हुए। श्री घनश्याम दास जी बिरला से भी मैं मिला और उनका ध्यान भी इस ओर आकृष्ट किया। स्वर्गीय देवी प्रसाद जी खेतान भी वहीं मौजूद थे। उन्होंने भी जब उसे पढ़ा तो वे सहमत हुए कि इस संबंध में आवश्यक कार्रवाई की जाए। इसके बाद हम लोगों ने यह निश्चय किया कि अंग्रेजो के संगठन एसोसिएशन चेंबर ऑफ कॉमर्स, भारतीयों के फेडरेशन ऑफ इंडियन चेम्बर कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के द्वारा भी ब्रिटिश सरकार को यह अधिकार प्रदान करने के लिए लिखवाया जाए। इसी बीच ब्रिटिश पार्लियामेंट ने कमेटी बनाई थी जिसमें नए संविधान के संबंध में लोगों से विचार विमर्श किया जा रहा था। हम लोगों ने ऐसा विचार किया इस कमेटी के समक्ष अपनी ओर से भी किसी व्यक्ति को भेजना चाहिए। अंत में हम लोगों ने मारवाड़ी ट्रेड एसोसिएशन की ओर से ब्रिटिश सरकार को पत्र दिया कि वह हम लोगों के प्रतिनिधि को विलायत आने की अनुमति दें हम लोगों की जो मांग है उसे उपस्थित करने का। ब्रिटिश सरकार ने अनुमति दे दी। परंतु ऐसा कोई योग्य व्यक्ति नहीं प्राप्त हो सका जिसे वहां भेजा जा सके। हम लोग चाहते थे कि स्वर्गीय देवी प्रसाद जी खेतान इसके लिए उपयुक्त होंगे परंतु इंडियन चैंबर ऑफ कॉमर्स ने इस कमेटी का बायकाट कर रखा था। अतएव उनके लिए वहां आना संभव नहीं था। अंत में मैं और श्री रामदेव जी चोखानी मुंबई गए और सर मन्नु भाई मेहता, जो बीकानेर के दीवान थे, उनसे मिले और उनका ध्यान इस ओर आकृष्ट किया और कहा कि वह इस काम को अपने हाथों में ले। परंतु उनकी बातों से हम लोगों को कोई आशाजनक उत्तर प्राप्त नहीं हुआ। फिर हम लोग पंडित मदन मोहन मालवीय जी से मिले। उन्होंने भी ह्वाइट पेपर को पढ़कर उचित समझा कि इस दिशा में आवश्यक कार्रवाई की जाए। कोलकाता वापस आकर हम लोगों ने सर एन एम सरकार, जो उस समय के सुप्रसिद्ध बैरिस्टर थे

और जो इस काम के लिए विलायत जाने वाले थे उनसे मिले और उनसे अनुरोध किया कि वे इस विषय को अपने हाथों में ले और ब्रिटिश सरकार से इसे स्वीकृति कराने का प्रयत्न करें। सौभाग्य वश वे राजी हो गए। प्रांतीयता का विष तब तक इतना नहीं फैला था। उन्होंने बिलायत जाकर भारत के सेक्रटरी आफ स्टेट से बातें की और सेक्रेटरी साहब इस आवश्यक सुधार के लिए राजी हो गए। आवश्यक संशोधन करने का प्रस्ताव करते समय बोले मारवाड़ी समाज की कठिनाइयों को दूर करने के लिए यह संशोधन किया जा रहा है। परंतु संशोधन करते समय उन्होंने यह अधिकार प्रांतीय सरकारों को दे दिया। "तब तक अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन की भी स्थापना हो चुकी थी। उसने यह प्रयत्न किया कि भारतवर्ष की जो प्रांतीय सरकार हैं वे इस अधिकार को प्रदान करें। केवल एक दो राज्यों में कुछ असुविधा हुई और उसे सुधरवाने के लिए सेठ जमुनालाल जी बजाज की मार्फत सम्मेलन ने कांग्रेस द्वारा प्रयत्न किया। कांग्रेस की वर्किंग कमेटी ने इसे स्वीकार किया और अंत में सभी प्रदेशों में यह अधिकार प्राप्त हो गया।

१९३८ में आयोजित द्वितीय महाधिवेशन में सभापति स्वर्गीय पदम पत सिंघानिया ने अपने भाषण में कहा था "अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की वर्किंग कमेटी ने भी हमारे साथ बड़ा उदारता पूर्ण व्यवहार किया। कोलकाता में ३ अप्रैल १९३८ को उसकी एक बैठक हुई थी। उस अवसर पर सम्मेलन की ओर से उसकी सेवा में देशी ब्रिटिश प्रजा नीति के विरूद्ध निवेदन किया गया था। उसने हमारी शिकायतों को ध्यानपूर्वक सुना और यह फैसला किया कि ऐसा कोई भेदभाव अनुचित है। अब किसी भी देशी राज्य के बाशिन्दे चाहे वह प्रांत की सीमा के बाहर के ही हो जहां पर बसे होंगे वहां के समुचित नागरिक और राजनीतिक अधिकारों को भोग सकेंगे।"

सन १९४२ से १९४५ के लगभग अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन सामाजिक विषयों को छोड़कर मारवाड़ी समाज के उत्थान के लिए काफी प्रयत्नशील था। उस समय मारवाड़ी छात्र निवास और मारवाड़ी छात्र संघ ने समाज के शिक्षा क्षेत्र में काफी जागृति पैदा कर दी थी और उसके कर्णधार थे स्व० ईश्वर दास जी जालान। रामदेव जी चोखानी और ईश्वर दास जी जालान को समाज का बहुत बड़ा भविष्य नजर आता था और उसकी मुख्य भूमिका थी सारे समाज की एकता। स्व० ईश्वरदास जालान समाज के पढ़े लिखे लोगों के आदमी थे और सारे समाज की दृष्टि से वे समाज के भविष्य के विषय में काफी अच्छा सोचते थे।

सम्मेलन का सप्तम महाअधिवेशन कोलकाता के मोहम्मद अली पार्क में ३१ दिसंबर १९५३ से २ जनवरी १९५४ तक हुआ। इसके स्वागताध्यक्ष सम्मेलन के महाप्राण स्वर्गीय ईश्वर दास जालान थे। अपने वक्तव्य में स्व० जालान ने कहा कि "पिछले अधिवेशन के बाद हमारा देश विदेशी सिकंजे से मुक्त हुआ है। देश का नया संविधान बना है। वयस्क मताधिकार के आधार पर इस देश के शासन का जो सूत्रपात हुआ है वह आज सारे संसार को चकित कर रहा है। भारत के ७०० देसी राज्य लुप्त हो गए और समस्त भारत में अभूतपूर्व राजनीतिक एकता विद्यमान है। मुंबई अधिवेशन में जिस राजस्थान प्रांत की कल्पना सम्मेलन ने की थी वह भी बना है। हमारा हित देश के हित से भिन्न नहीं है।"

सन १९७३ के रांची अधिवेशन तक ईश्वर दास जी शारीरिक रूप से अक्षम हो चुके थे। वह बीमार चल रहे थे। ऐसी स्थिति में उनसे सम्मेलन के लिए अर्थ संग्रह अथवा अन्य किसी सक्रिय कार्य की अपेक्षा करना सर्वथा असंभव था, तथापि अपनी उस हालत में भी रांची अधिवेशन के लिए आवश्यक अर्थ का संग्रह उन्होंने किया था। और बिहार प्रांतीय सम्मेलन के साथ केंद्रीय सम्मेलन करने का प्रबंध भी उन्होंने ही करवाया था। उस अधिवेशन में अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन की अखिल भारतीय समिति ने श्री भवरमल सिंघी जी को रांची में होने वाले दसवें अधिवेशन का सभापति चुन लिया। जब यह समाचार सैया पर पड़े हुए ईश्वर दास जी जालान के पास पहुंचा तो वे बड़े प्रसन्न हुए उन्होंने श्री सिंघी के सिर पर हाथ रखकर हार्दिक आशीर्वाद दिया।

सम्मेलन के प्राण स्वर्गीय ईश्वर दास जालान का, जो काफी अस्वस्थ चल रहे थे और ८३ वर्ष के हो गए थे, अभिनंदन करने के लिए एक अलग समिति का गठन किया गया। श्री राधा कृष्ण कनोडिया इस समिति के अध्यक्ष हुए। अभिनंदन ग्रंथ के संपादन का कार्य श्री नंद किशोर जालान ने किया। मोहनलाल चोखानी एवं रतन शाह समिति के मंत्री बनाए गए। २९ अगस्त १९७७ को यह अभिनंदन समारोह भव्य रूप में संपन्न हुआ। तत्कालीन प्रतिरक्षा मंत्री श्री जगजीवन राम प्रधान अतिथि थे और सभा की अध्यक्षता कर रहे थे पश्चिम बंगाल के भूतपूर्व मुख्यमंत्री एवं गांधी जी की विचारधारा के प्रतीक श्री प्रफुल्ल चंद्र सेन। श्री सेन ने ईश्वर दास जी के सादगीपूर्ण एवं निष्कलंक चरित्र का बखान किया तो भंवरमल सिंघी ने ईश्वर दास जी को एक व्यक्ति नहीं बल्कि एक संस्था बताया, जिन्होंने देश के कोने-कोने में कार्यकर्ता तैयार किया।

स्वर्गीय नंदकिशोर जी जालान ने अपने संस्मरण में लिखा है कि काफी वर्षों तक मिन्नते करने के बावजूद भी स्वर्गीय ईश्वरदास जी जालान ने सम्मेलन का अध्यक्ष पद स्वीकार नहीं किया।

(सम्मेलन के प्रकाशन से उद्धृत)

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन

4बी, डकबैक हाउस (चौथा तल्ला)
41, शेक्सपियर सारणी, कोलकाता-700 017

समाज से सादर निवेदन

वैवाहिक अवसर पर मद्यपान करना - कराना धार्मिक एवं सामाजिक दोनों रूप से उचित नहीं है।

प्री-वेडिंग शूट

हमारी सभ्यता एवं संस्कृति के खिलाफ है।

समाजहित में इनसे परहेज करें।

निमंत्रण में ई-कार्ड को बढ़ावा दें।

With Best Compliments From:

M/S. SINGHANIA & SONS PVT. LTD.

3D, Duckback House
41, Shakespeare Sarani
Kolkata – 700017
Tele: 033-22830300

आइये, हम हमारे इतिहास से प्रेरणा लें

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन की स्थापना के समय सामाजिक विषयों को सम्मेलन के कार्य क्षेत्र से पृथक रखा गया था। सम्मेलन का **छठा अधिवेशन** मुंबई में आयोजित हुआ। इस अधिवेशन में पहले पहल सम्मेलन ने अपने उद्देश्यों में संशोधन किया और समाज सुधार के प्रस्ताव भी गृहित किये। इस समाज सुधार के प्रस्तावों में पर्दा प्रथा निवारण प्रस्ताव सर्वाधिक महत्वपूर्ण था, जो सर्व सम्मति से स्वीकृत हुआ। सभापति स्वर्गीय बृजलाल वियानी ने पहले आवाहन किया" समाज की प्रगति और विकास पर भी हमें ध्यान देना चाहिए। मारवाड़ी सम्मेलन आज तक सामाजिक सुधार के क्षेत्र में कुछ अंश तक अलिप्त रहता आया है, पर अब समय आ गया है कि हमारा यह सम्मेलन अपनी इस अलिप्तता या उपेक्षा को त्याग कर सामाजिक सुधार के काम में तत्परता से लग जाए।" उसके बाद तो पर्दा प्रथा पर सम्मेलन में मानो धावा ही बोल दिया और जगह-जगह दौरे करके सम्मेलन में कार्यकर्ताओं ने पर्दा प्रथा के विरुद्ध काफी प्रचार किया। यहाँ तक कि कोलकाता में तरुण संघ के सहयोग से सम्मेलन ने पर्दा में होने वाले विवाहों पर प्रदर्शन और सत्याग्रह तक किए, जिनमें नवयुवतियों और नवयुवकों पर उपालम्भ के साथ उन पर थूका भी गया, बहनों की साड़ियां फाड़ी गई, दरवानो के द्वारा लाठियो से प्रहार भी करवाया गया।

सन १९६१ में **रजत जयंती महाधिवेशन** के तीसरे दिन स्व. रामकृष्ण सरावगी ने एक प्रस्ताव रखा और पर्दा प्रथा के मूलोच्छेदन की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा "सम्मेलन अपने पदाधिकारी एवं अपनी अखिल भारतीय समिति के सदस्यों को यह संदेश दे कि वे घूंघट वाले विवाह में सम्मिलित न हो।" महाधिवेशन के स्वागताध्यक्ष स्वर्गीय साहू शांति प्रसाद जैन ने इस प्रस्ताव का विरोध किया। इस प्रस्ताव के दूसरे खंड पर काफी वाद विवाद हुआ। सम्मेलन के प्रधानमंत्री स्वर्गीय नंदकिशोर जालान ने कहा की "सम्मेलन के पदाधिकारी पर पर्दा वाले विवाहों में सम्मिलित न होने का निर्देश बिल्कुल उचित है।" कुछ प्रतिष्ठित लोगों ने इसका विरोध किया किंतु जब स्वर्गीय भंवरमल सिंघी जी ने इस बात पर ओजस्वी भाषण दिया तो सारा पंडाल बार-बार उनके भाषण की हर पंक्ति पर करतल ध्वनि से स्वागत करता रहा। मत विभाजन पर प्रस्ताव बड़े बहुमत स्वीकृत हुआ।

तत्पश्चात सन १९८२ में सम्मेलन में दहेज के मुद्दे एवं विवाह समारोह के लिए कुछ नियम निर्धारित किए गये। जमशेदपुर में आयोजित महा अधिवेशन में स्वर्गीय नंद किशोर जालान के सभापतित्व में निम्नलिखित प्रस्ताव स्वीकृत किए गए: "सम्मेलन का यह अधिवेशन यह भी निर्देश देता है कि सम्मेलन के सदस्य एवं पदाधिकारी कम से कम अपने लड़कों की शादी में सम्मेलन द्वारा निर्धारित नियमों का पालन करें। इसका उल्लंघन करने वाले सम्मेलन के पदाधिकारियों एवं सक्रिय सदस्य नहीं माना जाए। इसके उल्लंघन की सप्रमाण सूचना मिलने पर उपयुक्त जांच के पश्चात संबंधित समिति द्वारा उनका बहिष्कार किया जाए।" सन १९७३ के राष्ट्रीय अधिवेशन में वैवाहिक सुधारो के संबंध में क्रांतिकारी प्रस्ताव स्वीकृत किए गए। उन प्रस्ताव को लागू करने के संबंध में यह निर्देश दिए गए- "विवाहों में दिखावा और आडंबर आदि अविलंब बंद होने चाहिए। विवाह में ज्यादा से ज्यादा सादगी बरती जाए। यदि प्रचार द्वारा इस कार्य में सफलता नहीं मिली तो विवाहों के अवसर पर इस विनाशकारी प्रवृत्ति के विरुद्ध प्रदर्शन और सत्याग्रह आदि की योजना बनाकर उसको कार्यान्वित किया जाए।"

सन २०१७ में रांची में आयोजित अखिल भारतीय समिति ने वैवाहिक अवसरों पर मद्यपान की प्रचलन पर रोष व्यक्त करते हुए यह प्रस्ताव स्वीकृत किया था - "अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन एवं उसके सभी प्रांतीय/जिला/नगर/ग्राम, हर स्तर के सदस्य ऐसे किसी वैवाहिक समारोह में शामिल नहीं होंगे जहाँ कॉकटेल (मद्यपान) की व्यवस्था रहेगी। निमंत्रण प्राप्त होने पर वर-वधू को आर्शीवाद का पत्र लिखकर उक्त कारण से समारोह में उपस्थित नहीं होने के लिये क्षमायाचना करेंगे। विवाह-स्थल पहुँचने पर ज्ञात होने पर वे शांति एवं शालीनतापूर्वक बाहर निकल जायें। वापसी पर चाहें तो निकल आने के कारण बताते हुए अपनी असमर्थता की चर्चा करते हुए क्षमायाचना कर लें।"

इस प्रकार हम पाते है कि सम्मेलन ने समाज सुधार के क्षेत्र में क्रांतिकारी कदम उठाते हुए समाज में आमूलचूल परिवर्तन लाने मे अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई हैं। यह सब संभव हो सका अदम्य ईच्छा शक्ति, विश्वास, समर्पित संकल्प एवं उसे कार्य रूप में परिणित करने के उद्यम के कारण।

आज समाज में नई-नई विकृतियाँ पनप रही है। कुछ हलकों में यह सुना जाता है कि कुछ नहीं किया जा सकता। हम तभी सफल हो सकते हैं जब हम इस पर विश्वास करें कि हम कर सकते हैं। विश्वास की शक्ति से हम सब परिचित हैं। विश्वास लक्ष्य को देखता है और लक्ष्य प्राप्ति के आवश्यक पथ को भी देखता है। विश्वास दृष्टि, इच्छा शक्ति, लचीलापन पैदा करता है एवं जोश प्रज्वलित करता है। हाल ही में भारत इंग्लैंड क्रिकेट टेस्ट मैच के पांचवें दिन भारत को ३७ रन के अंदर इंग्लैंड के चार विकेट गिराने थे। अधिकांशतः लोगों ने यह नहीं सोचा होगा जो भारत के तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज ने सोचा। उन्होंने बताया कि आज मैं सुबह उठा तो मैं खुद से कहा कि मैं खेल बदल दूंगा। मैं गूगल खोला और विश्वास वाली तस्वीर डाउनलोड की। मोहम्मद सिराज उस विश्वास के साथ उस दिन मैदान में उतरे। वह कर दिखाया जो उसने करने की ठानी थी। यही संकल्प, यही संदेश हमें हमारे समाज के कार्यकर्ताओं में देना है ताकि हम नये इतिहास को रचने की ओर अग्रसर हो।

गीता (3.21) में कहा गया है:

यद्यदाचरति श्रेष्ठस्तत्तदेवेतरो जनः।
स यत्प्रमाणं कुरुते लोकस्तदनुवर्तते।।

भावार्थ : श्रेष्ठ पुरुष जो-जो आचरण करता है, अन्य पुरुष भी वैसा-वैसा ही आचरण करते हैं। वह जो कुछ प्रमाण कर देता है, समस्त मनुष्य-समुदाय उसी के अनुसार बरतने लग जाता है।

आवश्यकता इस बात की है कि हम समाज में पनपते नई विसंगतियों पर गहन मंथन करें। समाज सम्मेलन से अपेक्षा रखता है कि इन बातों पर ध्यान देकर हम स्वयं उदाहरण प्रस्तुत करें। विश्वास से भरा हुआ संकल्प ही हमें सफलता तक ले जाएगा।

हार हो जाती है जब मान लिया जाता है
जीत तब होती है जब ठान लिया जाता है?

आवश्यकता इस बात की है कि हम समाज में पनपते नई विसंगतियों पर गहन मंथन करें। समाज सम्मेलन से अपेक्षा रखता है कि इन बसो पर ध्यान देकर हम उदाहरण प्रस्तुत करें।

श्रद्धांजलि

सम्मेलन के प्रवीण शभचिंतक, निवर्तमान राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, पूर्व राष्ट्रीय महामंत्री आँदरणीय श्री भानी राम सरेका का परलोकगमन समाज एवं सम्मेलन के लिए एक अपूरँणीय क्षति है। व्यक्तिगत रूप से मेरा उनसे ४० वर्षो से परिचय रहा। सम्मेलन से उनका जड़ाव सर्व विदित है। २००४ से २००६ तक हए राष्ट्रीय महामँत्री के रूप में उन्होने अपनी सेवाएं प्रदान की एवं सँत्र २०२०-२३ में राष्ट्रीय उपाध्यक्ष का गरिमामय पद सफलता के साथ निर्वहन किया। वे अत्यंत ही मिलनसार व्यक्ति थे एवं सदैव उनके चेहरे पर मुस्कान रहता था। मुझे भी सदैव प्रोत्साहित करते थे एवं अपना आशीर्वाद बनाए रखते थे। किसी पद पर न रहने पर भी वे सम्मेलन की गतिविधियों में रूचि रखते थे एवं कार्यक्रमों में उपस्थित रहकर सभी का उत्साहवर्धन करते थे।

कहा गया है कि यदि तम अमर होना चाहते हो तौ कछ ऐसा करो कि तम्हारेँ जाने के बाद भी कँायम रहे। उनके लिए संत कबीर का दोहा स्मरण हो रहा है कि:

कबीरा जब पैदा हुए जग हंसा तुम रोये
करनी ऐसी कर चलो तुम हंसो जग रोया।

भानीराम जी अनेको सामाजिक संस्थाओं एवं कार्यकलापों से जड़कर समाज में अपनी अमिट छाप छोड़ गए हैं। दीर्घ ६० वर्षो तक उन्होंने समाज सेवा की एक मिसाल कायम की। पिछले वर्षो में सम्मेलन कार्यालय में दीपावली पूजन का कार्य उनकी देखरेख में ही संपन्न होता था।पूजन के बाद मैं जब उनके धोक खाता था, बड़े भाई के रूप में वे मझ पर अपना स्नेह लूटाते थे। उनका निश्छल प्रेम, उनकी मस्कॉन, समाज के प्रति उनका समर्पण एवं समाज को आगे ले जाँने की उनकी बौद्धिक सोच उनकी पहचान बनकर सदैव हमें आगे का मार्ग दिखायेंगे। ऐसे लोग सदैव हमारे जेहन में एक सकून का आभास देते हैं। उनकी कमी तो सदैव के लिए खेलेगी फिर भी दिल यही कहता है कि:

हमारे लिए कोई अलविदा नहीं
अब जहां भी हो हमेशा दिल में रहेंगे।

परिवार जिनका मंदिर था,स्नेह जिनकी शक्ति थी, परिश्रम जिनका कर्तव्य था,परमार्थ जिनकी भक्ति थी, ऐसी आत्मा को ईश्वर शांति प्रदान करें। **ओम शांति शांति शांति**।

शोक समाचार

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के पूर्व राष्ट्रीय महामंत्री एवं निवर्तमान राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं वरिष्ठ समाजसेवी, श्री शिव शक्ति सेवा समिति, श्री शिव शक्ति सेवा ट्रस्ट, श्री हनुमान परिषद सहित अनेक संस्थाओं से जुड़े उद्योगपति एवं समाजसेवी श्री भानीराम सुरेका (८४) का निधन, दिनांक: २४ अगस्त २०२५ को उनके निवास स्थान राजहंस, ६, हेस्टिंग पार्क रोड, अलीपुर, कोलकाता में हुआ। उन्होंने अपने प्रत्येक दायित्वों का निर्वहन सफलता पूर्वक किया। सम्मेलन परिवार की ओर से भावभीनी श्रद्धांजलि।

श्रद्धांजलि

मृदुभाषी, हँसमुख व्यक्तित्व के धनी, कर्मठ समाज सेवी आदरणीय भानीराम जी सुरेका की पवित्र आत्मा अपने नश्वर शरीर का परित्याग अनंत अंतरिक्ष के गहराइयों में विलीन हो गई है पर उनके सदकर्म हमें हमेशा प्रेरित करते रहेंगे।

पुण्य आत्मा को मेरी विनम्र श्रद्धांजलि।

गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया
निवर्तमान राष्ट्रीय अध्यक्ष

आभार

सम्मेलन के रिकॉर्ड के अनुसार मैंने २२ अगस्त २०१८ को समाज विकास के संपादन का भार संभाला था। अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के मुखपत्र के संपादन की एक स्वस्थ एवं विशिष्ट परंपरा रही हैं। जिस पत्रिका के संपादक के रूप में सम्मेलन के पुरोधा पुरुष स्वर्गीय नंदकिशोर जालान एवं श्री सीताराम शर्मा रहे हो उसका संपादन कार्य को संभालना अपने आप में एक चुनौती भरा अवसर था। मैं अपनी क्षमताओं की सीमाओं से अनभिज्ञ नहीं था। प्रारंभ मैंने समाज विकास के पुराने अंको का अध्ययन किया और एक-एक कदम आगे बढ़ता गया। अन्य प्रतिष्ठित संस्थानों के मुखपत्रों के संपादन का अनुभव मेरे लिए संबल का काम किया। एक ऐसे युग में जब पढ़ने की रुचि में लगातार ह्रास हो रहा हो, पत्रिका को पठनीय बनाए रखना अपने आप में एक दुष्कर कार्य है। फिर भी मुझे इस बात का संतोष है कि लगभग ७ वर्षों तक महीने दर महीने पत्रिका का प्रकाशन आबाध गति से चलता रहा, विशेष कर कोविड के समय भी प्रारंभिक असुविधाओं के बावजूद सभी प्रकार के व्यवधानों से ऊपर उठकर प्रकाशन की निरंतरता बनाए रखने में सफलता मिली। जैसे-जैसे मैं आगे बढ़ता गया वैसे-वैसे अनुभव का धनी होता गया और इन अनुभवो ने हीं मुझे एक-एक कदम आगे बढ़ने में मदद की। यह एक ऐसी यात्रा रही है जिसमें मैंने बहुत कुछ सीखा है। मैं समझता हूँ कि इन अनुभवों से मेरे जीवन का मान उन्नत हुआ है। इन दीर्घ ७ वर्षों में आप सबों से मिले मार्गदर्शन, सहयोग एवं स्नेह के प्रति मैं हृदय से आभार व्यक्त करता हूँ। मैंने पूरी निष्ठा के साथ अपनी भूमिका निभाने का प्रयास किया है, फिर भी जाने अनजाने में मेरी जो भी कमियां और त्रुटियाँ रही हो उनके लिए मैं क्षमा प्रार्थी हूँ।

— संपादक

सत्र २०२३-२५ : एक अंर्तयात्रा

आपणी बात

सत्र २०२३-२५ समाप्ति पर, विगत २ वर्षों में सभी पूर्व एवं वर्तमान राष्ट्रीय एवं प्रांतीय पदाधिकारीगण, कार्यकर्ताओं एवं असंख्य सदस्यों के स्नेह भजन होने का गौरवानुभूति एवं उनके प्रेम से सिक्त अनुग्रहों से मैं स्वयं को आप्लावित महसूस कर रहा हूँ। किसी भी शिखर की ऊंचाइयों को प्राप्त करने की तुलना में इस तरह के अनुभवों से जीवन की गुणवत्ता में जो गांभीर्य, गरलता एवं प्रचुरता का भाव बढ़ता है वह जीवन की थाती बन जाती है एवं अन्य उपलब्धियाँ को गौण बना देती हैं। इन दो वर्षों में असंख्य समाज बंधुओ से रूबरू होने, उनसे विचार विमर्श करने, उनको संबोधित करने, उनके अतिथ्य के सुवास से सुभाषित होने का अनुभव यूं कहूँ कि पूरी प्रक्रिया को व्यक्त करने के लिए उपर्युक्त शब्दों का संधान करने में मैं स्वयं का असफल पाता हूँ। मन की भावनाओं को व्यक्त करने के लिए शब्द तो एक अधूरे साधन है। कुछ पंक्तियां याद आ रही है कि :

आभार कैसे व्यक्त करूं
अपने जज्बात कैसे व्यक्त करूं
मुझ जैसे तुच्छ को सीने से लगाया
यह प्यारा सा एहसास कैसे व्यक्त करूं

संसार एक पहाड़ है; आपके शब्द ही प्रतिध्वनि बनकर आपके पास लौट आते हैं। मेरा बचपन एक सुप्रतिष्ठित, सर्मपित, सरलमना, जुझारू सामाजिक कार्यकर्ता के आत्मज के रूप में बीता। निष्ठा एवं समाज सेवा तो मानो मेरे रगों में ही दौड़ रहा है। परमपिता परमेश्वर ने मुझ जैसे आकिंचन को अपने संयोजन में एक अति क्षुद्र भूमिका देते हुए विभिन्न सामाजिक कार्य में योगदान देने के लायक बनाया। साथ ही मुझे यथायोग्य अवसर भी प्रदान किया। मैं अपना आभार उम्र परम सत्ता से प्रारंभ करता हूँ :

खाक मुझ में कमाल रखा है
मेरे दाता तूने संभाल रखा है।
मेरे एबों पर पर्दा डालकर
मुझे अच्छो में डाल रखा है।

इन दो वर्षों के अनुभवों पर जब नेपथ्य से नजर डालता हूँ तो यह अनुभूति होती है कि 'सबसे ऊंची प्रेम सगाई....' अपने लोगों के साथ निरंतर संपर्क एवं 'जो कल तक थे अनजाने आज मेरे अपने हो गए' की भावना जीवंत होते हुए महसूस करता हूँ। इन अनुभूतियो ने मेरे जीवन में एक गहन समझ की सृष्टि की हैं जिसका अभाव मैंने कभी महसूस नहीं किया था। लखीमपुर में रात के ११.०० बजे रात्रि तक सभा में सैकड़ों लोगों का उपस्थित रहना, डिब्रूगढ़ आदि में एक घंटा से भी अधिक धुआंधार वक्तव्य के उपरांत कई स्थानों पर स्टैंडिग ओवेशन प्राप्त करना, मेरे विचारों की एक विराट कैनवस का लोगों से स्वीकृति प्राप्त करना, मारवाड़ी एवं मारवाड़ी के पूरे नॅरेटिव को नया परिप्रेक्ष्य देना, 'राम-राम' का महत्व समझना एवं समझाना, पूरे सत्र में बैठकों एवं सभाओं में मायड़ भाषा में संबोधित करना, भिन्न परिस्थिति में आवास आदि की व्यवस्था में समान सुख का अनुभव करना, एक गरिमामय प्रवीण समाज के प्रतिनिधि के रूप में स्वयं को नियोजित करना एवं अपने समझ एवं सामर्थ्य के अनुसार इसे गतिशील करना आदि ऐसे अनेक अनुभव हैं जिनके महत्व का अभी तक पूर्ण अहसास नहीं कर पा रहा हूँ। शनैः शनैः मैं अपने जीवन में इन्हे उतार पाऊंगा, बस इतना कह सकता हूँ। स्मृति पटल पर उभर रहे है कोलकाता में स्थापना दिवस में मेरे वक्तव्य पर एक अत्यंत ही प्रवीण सुप्रतिष्ठित समाजसेवी एवं उद्योगपति के उद्‌गार "बहुत ही प्रेरक भाषण, जिसमें सभी प्रासंगिक और मार्मिक बातें शामिल थीं। लोग बहुत प्रभावित हुए। धन्यवाद"

या एक प्रादेशिक अध्यक्ष से प्राप्त विचार : "आपके प्रयासों से कई लोगों के जीवन में बदलाव आया है। आपके दृष्टिकोण में उदारता और समाज के प्रति आपकी जिम्मेदारी की भावना शब्दों में व्यक्ति करना प्रेरणादायक है"। बंधुओ इन शब्दों को मैं आत्म श्लाघा के रूप में नहीं लेता हूँ, ना ही व्यक्ति करना चाहता हूँ। इन शब्द में निहित भावनाएँ मुझे सदैव प्रेरणा देती रहेगी। परमपिता परमेश्वर के सिवा कोई भी व्यक्ति दोष रहित या पूर्ण नहीं हैं। फिर भी ये शब्द हमें यह बताते हैं कि हम सही मार्ग एवं सही दिशा पर चल रहे हैं एवं लक्ष्य की ओर अग्रसर होने में हमें गति एवं ऊर्जा प्रदान करते है। मैं तो सिर्फ इतना जानता हूँ :

ना कुछ किया न कर सका न करने योग शरीर
जो कुछ किया तो हरी किया भया कबीर कबीर।

इस यात्रा के दौरान मैंने कई बार प्रत्यक्ष अनुभव किया कि मनुष्य को मुश्किल समय के लिए शुक्रगुजार होना चाहिए क्योंकि यह आपको सुधार का मौका देते हैं। हर चुनौती से हममे ताकत एवं चरित्र का निर्माण होता है।

पथ की पथिक कुशलता क्या
पथ पर बिखरे शूल न हो
नाविक की धैर्य परीक्षा क्या
जब धाराएँ प्रतिकूल न हो।

इस पूरी यात्रा में पूरी टीम जिसमें सभी राष्ट्रीय एवं प्रांतीय पदाधिकारी सम्मिलित हैं, ने मुझे अपना संपूर्ण सहयोग दिया। इस महान संस्था के पूर्वजों एवं सभी पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्षों के प्रति मैं कृतज्ञता ज्ञापन करता हूँ, जिन्होंने अपनी दूर दृष्टि एवं अप्रतिम योगदान से इस महान परंपरा को स्थापित एवं पुष्पित पल्लवित किया। हम जानते हैं किपत्थर कभी भी सिर्फ हथौड़ी के आखिरी वार के कारण नहीं टूटता। उसमें प्रथम वार से ही शुरू होते सभी प्रयासों की भूमिका होती हैं। भिन्न-भिन्न परिस्थितियों से गुजरते हुए सम्मेलन आज एक सशक्त पायदान पर स्थित है। अकसर हम यह तो जानते हैं कि हम क्या हैं पर हम यह नहीं जानते कि हम क्या बन सकते हैं। मेरा अनुभव मुझे यह कहता है कि हमारे पास असीम संभावनाएँ हैं। ऐसे बहुत से उदाहरण स्वरूप सामाजिक

संस्थाएँ हैं जिन्होंने एक अत्यंत लघु शुरुआत करते हुए विश्व पटल तक पर आज अपनी सशक्त भूमिका निभा रहे हैं। आज आवश्यकता है कि हमारे सोच के दायरे को विस्तृत करने की। हम हमारे सोच से अधिक हासिल नहीं कर सकते।

आज सत्र २०३०-२५ से प्राप्त अनुभवों पर गहरी अनुभूति के साथ जब नजर डालता हूँ तो बरबस संत कबीर की वाणी याद आ जाती है।

जिन खोजा तीन पाईया गहरे पानी पैठ
मैं बपुरा वुडन डरा रहे किनारे बैठ।

समुद्र में गोताखोर गहरे पानी में गोता लगाते हैं उन्हें वह प्राप्त होता है जिसकी खोज में वह रहते हैं। पर जो डूबने से डरते हैं वह किनारे पर ही बैठे रहते हैं। समुद्र सबके लिए एक ही हैं। कुछ उसमें मोती ढूंढते हैं, कुछ उसमे मछली ढूंढते हैं और कुछ सिर्फ अपने पैर गीले कर लेते हैं। जिंदगी भी इस समुद्र की भांति हैं। यह हम पर निर्भर करता है इस जीवन रूपी समुद्र से हम क्या पाना चाहते हैं। कहने का तात्पर्य है कि जीवन में आप कोई भी कार्य करते हैं उसमें फल की प्राप्ति आपके लक्ष्य एवं प्रयासों पर निर्भर करता है। अपने उद्देश्यों एवं लक्ष्यो के प्रति आप कितने समर्पित हैं उसी के अनुसार आपको सफलता मिलेगी।

बच्चन जी ने आत्यंतिक सुंदर ढंग से सारगर्भित पंक्तियों में इसका वर्णन किया है:

जितनी दिल की गहराई हो उतना गहरा है प्याला
जितनी मन की मादकता हो उतनी मादक है हाला
जितनी उर की भावुकता हो उतना सुन्दर साकी है
जितना ही जो रसिक, उसे है उतनी रसमय मधुशाला।।

आगे बढ़ने से भी महत्वपूर्ण है गहराई में उतरना। इन दो वर्षो में गहराई में उतरने का मुझे प्रयाप्त अवसर मिला। सम्मेलन के गौरवपूर्ण इतिहास – कार्यकलाप उपलब्धि के विषय में जानकर सम्मेलन के असली क्षमता एवं संभावनाओं का आभास होता है।

जुनून आपसे वह करवाता है जो आप नहीं कर सकते, हौसला आपसे वह करवाता है जो आप करना चाहते हैं और अनुभव आपसे वह करवाता है जो आपको करना चाहिए। हमनें जुनून हौसला एवं अनुभव का संतुलन कर आगे बढ़ना ही श्रेयस्कर समझा। मेरी इस यात्रा में सभी साथियों के प्रति मैं अपनी कृतज्ञता ज्ञापन करता हूँ। कविवर शिवमंगल सिंह सुमन की पंक्तियाँ कहती हैं कि

जिस जिससे पथ पर स्नेह मिला
उस राही को धन्यवाद
आभारी हूँ मैं उन सब का
दे गए साथ का जो प्रसाद।

मेरे व्यक्तित्व एवं चरित्र का निर्माण एवं विकास मेरे प्रातः स्मरणीय पिताश्री स्वर्गीय विश्वनाथ लोहिया के अनुसरण से हुआ है। आज भी वे मेरे प्रेरणा पुरुष है। अगर मैं इन २ वर्षों में किंचित भी अपना योगदान देने में समर्थ हुआ हूँ तो वह उनको समर्पित है।

शिव कुमार लोहिया

सम्मेलन का जन संपर्क प्रयास

सम्मेलन एवं सम्मेलन के उद्देश्यों के विषय में जन-जन तक जानकारी पहुँचाने के लिए इस सत्र में निरंतर व्यापक प्रयास किए गए। कुछ ऐसे पहल भी किए गए जिनका लाभ सम्मेलन को सदैव मिलता रहेगा। विवरण निम्नवत है:

राष्ट्रीय पदाधिकारियों ने ६५ से अधिक छोटे-बड़े मिलाकर शहरों का दौरा किया। उन शहरों में आयोजित सभाओं मे १०० से लेकर ४००० तक समाज बंधुओ की उपस्थिति रही। सभी सभाओं में सम्मेलन एवं समाज हित के उद्देश्यों के विषय में विस्तार से जानकारी दी गई एवं सीधा संवाद स्थापित किया गया।

एसएमएस के द्वारा ५०००० समाज बंधुओ को प्रत्येक माह समाज विकास का लिंक भेजा जाना प्रारंभ किया गया।

सभी सदस्यो को उनके जन्मदिन पर शुभकामना संदेश प्रेषित करने का काम हाथ में लिया गया एवं अभी तक सफलतापूर्वक चल रहा है।

गूगल प्ले स्टोर में सम्मेलन का ऐप लॉन्च किया गया।

बारह हजार सदस्यों का व्हाट्सएप ग्रुप बनाया गया।

सत्र के प्रथम में ही १०० नई शाखाएं खोलने का लक्ष्य लिया गया था। इस सत्र में लगभग ८० से अधिक शाखाओं की बढ़ोतरी हुई है, जो कि २०% आती हैं।

मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़, आंध्र प्रदेश प्रांत में पांच-पाच शाखा खोलने में सफलता मिली।

२०२४ के लोकसभा चुनाव के समय राजनीतिक चेतना के अंतर्गत व्यापक अभियान चलाया गया। मतदान सेल्फी। योजना के तहत ६० शहरों से १७६ सेल्फी प्रविष्टि मिली।

सम्मेलन मंच के अंतर्गत सदस्यगण विभिन्न समसामयिक विषयों पर अपने विचार एवं सुझाव साझा किये।

फेसबुक एवं इंस्टाग्राम में सम्मेलन का अकाउंट खोला गया।

सभी प्रांतो से निरंतर पत्राचार एवं अन्य संपर्क माध्यमो द्वारा सूचनाएं प्रेषित की गई।

कोलकाता में एक मारवाड़ी गेम चेंजर कार्यक्रम के तहत डॉ. उज्ज्वल पाटनी का कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम के सभी निमंत्रण पत्र दर्शकों ने स्वयं सम्मेलन कार्यालय से एकत्रित किये। प्रथम बार कार्यक्रम के तीन दिन पहले ही हाउसफुल होने के कारण आमंत्रण पत्र वितरण रोक दिया गया।

सम्मेलन एवं सम्मेलन के उद्देश्यों की जानकारी देने के लिए कार्यक्रमों में नया बुकलेट छपवाकर वितरित किया गया। साथ ही कार स्टीकर एवं मोबाइल स्टीकर भी शाखाओं में वितरित किया गया।

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन
ALL INDIA MARWARI FEDERATION

४बी, डकबैक हाउस (४ तल्ला), ४१, शेक्सपीयर सरणी, कोलकाता - ७०० ०१७
4B, Duckback House (4th Floor), 41, Shakespeare Sarani, Kolkata-700 017
Email : aimf1935@gmail.com Phone : +91-33-4004 4089

28वाँ राष्ट्रीय अधिवेशन-2025

आतिथ्य: **दिल्ली प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन**

शनिवार-रविवार, ६-७ सितंबर २०२५

अधिवेशन स्थल : **आध्यात्म साधना केंद्र** छतरपुर मंदिर रोड (नई दिल्ली)

--: कार्यक्रम :--

शनिवार, ६ सितंबर २०२५

सुबह ९.०० बजे : **झंडोत्तोलन**

सुबह ९.०० बजे : **पंजीकरण एवं कलेवा**

सुबह १०.०० बजे से ११.०० बजे : **विषय निर्वाचनी समिति की बैठक**

(सिर्फ प्रतिनिधि सदस्यों के लिए)

११.०० बजे से १.०० बजे : **सम्मान समारोह**

(अध्यक्षीय पुरस्कार वितरण, राष्ट्रीय महामंत्री एवं राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष का प्रतिवेदन)

दोपहर १.०० बजे से २.०० बजे : मध्याह्न भोज

अपराह्न २.०० बजे से ५.०० बजे : **उद्घाटन सत्र**

(भंवरमल सिंघी समाज सेवा सम्मान, नंदकिशोर जालान संगठन समर्पण सम्मान)

शाम ५.०० बजे से ७.०० बजे : **विचार गोष्ठी**

रात्रि ७.०० बजे : **सांस्कृतिक कार्यक्रम**

रात्रि भोज एवं विश्राम

--: कार्यक्रम :--

रविवार, ७ सितंबर २०२५

पंजीकरण जारी

सुबह १०.०० बजे से २.०० बजे : **खुला सत्र एवं समापन समारोह**

दोपहर २.०० बजे : **मध्याह्न भोज एवं प्रस्थान**

विशेष : दिल्ली प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन की ओर से बाहर से आने वाले सदस्यों के लिए आवास आदि की व्यवस्था शनिवार, ६ सितंबर २०२५ को प्रांत: से रविवार, ७ सितंबर २०२५ तक आध्यात्म साधना केंद्र में ही की गई है, जहाँ वातानुकूलित कमरे, संलग्न अंग्रेजी शौचालय तथा लिफ्ट की व्यवस्था है। जो सदस्य होटल में ठहरना चाहते हों उनसे निवेदन है कि वे इसकी सूचना पूर्व में ही देने की कृपा करें, ताकि उनको आतिथ्य प्रांत द्वारा अधिवेशन के लिए रियायती दर पर निर्धारित होटल की सूची भेजी जा सके।

प्रांत द्वारा प्रतिनिधि शुल्क ११००/- रुपये प्रति व्यक्ति निश्चित किया गया है, जो कि पंजीकरण के दौरान लिया जायेगा। आवास-आतिथ्य सत्कार की सुविधा हेतु ३० अगस्त २०२५ तक सम्मेलन कार्यालय (मोबाईल: 8697317557, Email : aimf1935@gmail.com) को सूचना अवश्य देने का सादर अनुरोध है।

स्थानीय जानकारी के लिए कृपया दिल्ली प्रांत के स्वागताध्यक्ष **डॉ. श्याम सुंदर अग्रवाल** (मोबाईल : 9999283555) एवं संयोजक, **श्री राज कुमार मिश्रा** (मोबाईल : 9313994500) से सम्पर्क करने का निवेदन है।

शिष्टाचार भेंट

३१ जुलाई २०२५ को 'महामहिम राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी देवी मुर्मू जी' के राँची आगमन पर झारखंड के राज्यपाल भवन में अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के निवर्तमान राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया से शिष्टाचार भेंट।

छतीसगढ़ के महामहिम राज्यपाल से शिष्टाचार भेंट

२० जुलाई २०२५ को छतीसगढ़ में आयोजित सम्मेलन की द्वय राष्ट्रीय बैठक के उपरांत छतीसगढ़ के महामहिम राज्यपाल श्री रामेन डेका से राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री शिवकुमार लोहिया की अगुवाई में सम्मेलन का एक प्रतिनिधिमंडल उनसे मिला। उनको सम्मेलन द्वारा किए जा रहे सामाजिक कार्यों, सहयोग एवं उद्देश्यों से अवगत कराया।

दिल्ली की मुख्यमंत्री जी से शिष्टाचार भेंट

दिल्ली प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन का एक प्रतिनिधिमंडल ने कल दिनांक ८ अगस्त २०२५ को दिल्ली की मुख्यमंत्री श्रीमती रेखा गुप्ता जी से शिष्टाचार मुलाकात की। उनको अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के उद्देश्यों व देशहित व समाजहित में किये गये कार्यों के बारे में बताया एवं दिल्ली में होने वाले अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के २८वें राष्ट्रीय अधिवेशन में विशिष्ट अतिथि के रूप में आमन्त्रित किया। प्रतिनिधि मंडल में नवनिर्वाचित राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री पवन गोयनका, प्रांतीय अध्यक्ष श्री राजेश सिंघल, निवर्तमान प्रांतीय अध्यक्ष श्री लक्ष्मीपत भूतोड़िया, पूर्व प्रांतीय अध्यक्ष एवं अधिवेशन संयोजक श्री राम कुमार मिश्रा, महामंत्री श्री बसंत पोद्दार, प्रांतीय उपाध्यक्ष श्री सज्जन शर्मा, चेयरमैन-प्रांतीय राजनैतिक चेतना समिति श्री सुरेश पोद्दार, प्रां. उपाध्यक्ष श्री रमेश बजाज, प्रां. संयुक्त मंत्री डॉ. रिंकी कंसल शामिल थे। मुख्यमंत्री महोदय से मुलाकात करवाने में विशेष प्रयास श्री सुरेश पोद्दार जी का रहा।

उपलब्धियाँ

श्री सुशील पोद्दार लगातार पांचवीं बार CWBTA के अध्यक्ष निर्वाचित। हार्दिक बधाई।

आदरणीय सीए सतीश गोलछा जी, आईपीएस, दिल्ली पुलिस आयुक्त नियुक्त होने पर हार्दिक बधाई।

गौहाटी हाई कोर्ट का नया भवन (Itanagar permanent Bench) के उद्घाटन समारोह में नाहरलगन-ईटानगर शाखा के अध्यक्ष श्री कमल जी बजाज का सुप्रीम कोर्ट ऑफ इंडीया के मुख्य न्यायाधीश माननीय श्री भूषण रामकृष्णा गवई साहब के द्वारा कल रविवार दिनांक १० अगस्त (रविवार) को अभिनंदन किया गया।

यह सम्मान उन्हें इस प्रतिष्ठित परियोजना के निर्माण कार्य में उनके उत्कृष्ट पेशेवराना दृष्टिकोण, इंजीनियरिंग में अद्वितीय सटीकता, और अटूट समर्पण के लिए प्रदान किया गया।

हार्दिक बधाई।

सबा स निवेदन है आपणां घरां में टाबरां सागै अर आपसरी में मायड भासा मारवाड़ी में ही बोल बतलावण करो।

शिवकुमार लोहिया
राष्ट्रीय अध्यक्ष, अ.भा.मा.स.

#मारवाड़ी_भासा_रो_हेलो

अतीत के महा अधिवेशन - झलकियाँ

सम्मेलन के **प्रथम अधिवेशन में** ही असम बिहार बंगाल राजपूताना पंजाब संयुक्त प्रांत मध्य प्रांत और मद्रास सभी स्थानों के प्रतिनिधि थे। इस सम्मेलन की सफलता चारों तरफ गुंज उठी।

मारवाड़ी सम्मेलन का **दूसरा अधिवेशन** कोलकाता में संपन्न हुआ। जब दुसरे अधिवेशन के सभापति एक स्पेशल ट्रेन द्वारा लगभग ८० प्रतिनिधियो के साथ १३ मई १९३८ को प्रातः ९.३० बजे कोलकाता पधारे, हावड़ा स्टेशन उस समय समाज के बंधुओ से खचाखच भरा हुआ था। चारों तरफ रंग बिरंगी पगड़िया दिखाई दे रही थी। समाज के प्रायः सभी प्रतिष्ठित सज्जन स्टेशन पर उपस्थित थे। कोलकाता के मारवाड़ी समाज के इतिहास में शायद यह पहला ही अवसर था कि सभी जातियों और विचारों के इतने भाई इकट्ठे हो।

स्वर्गीय पदम पद सिंघानिया की सभापतित्व में अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के कार्यकारिणी समिति की प्रथम बैठक ८ रॉयल एक्सचेंज प्लेस बिरला ब्रदर्स कार्यालय कोलकाता में हुई जिसमें स्वर्गीय घनश्याम दास जी बिरला भी उपस्थित थे।

सम्मेलन का **तीसरा अधिवेशन** संयुक्त प्रांत की मुख्य व्यापारिक नगरी कानपुर में हुई जिसके स्वागताध्यक्ष दीपक सिंघानिया थे। सभापति बद्रीदास गोयनका जब कानपुर स्टेशन पहुंचे तो कानपुर का स्टेशन मारवाड़ी बंधुओ से भरा हुआ था। केसरिया पगड़िया बांधे सबके मुंह दमक रहे थे। अपूर्व उत्साह लहरें ले रहा था। एक बड़े जुलूस में जो आधा मील लंबा होगा सभापति जी को फूलबाग ले जाया गया जहां अधिवेशन का पंडाल था। तोरण फाटक, वाद्य यंत्र नगर के मार्गो की शोभा बढ़ा रहे थे।

चतुर्थ सम्मेलन भागलपुर में संपन्न हुआ जहां बिहार में मारवाड़ी समाज की आबादी सबसे अधिक है और २५०० समाज के बंधु इस सम्मेलन के लिए पूरे बिहार से इकट्ठे हुए। एक के बाद दूसरी और दूसरी के बाद तीसरी करते-करते ५-५ बड़ी-बड़ी धर्मशालाएं और पाठशालाएं सार्वजनिक भवन आगत प्रतिनिधियों से खचाखच भर गए।

सम्मेलन का **सप्तम अधिवेशन** कोलकाता के मोहम्मद अली पार्क में ३१ दिसंबर १९५३ से २ जनवरी १९५४ तक हुआ। इसके स्वागताध्यक्ष सम्मेलन के महाप्राण स्वर्गीय ईश्वरदास जी जालान थे। जब सेठ गोविंद दास दिनांक ३० दिसंबर १९५३ को हावड़ा स्टेशन पर आए तो उनके स्वागत मे कलकत्ते की कई सार्वजनिक संस्थाओं के प्रतिनिधि सामाजिक एवं राजनीतिक कार्यकर्ता और कोलकाता के अन्य विशिष्ट एवं प्रभावशाली व्यक्ति उपस्थित थे। ज्यों ही वे स्टेशन पर उतरे उनको स्वयंसेवकों की टोली द्वारा गार्ड ऑफ हॉनर से सम्मानित किया गया। पूर्व निश्चय के अनुसार दिनांक ३१ दिसंबर १९५३ को मध्यान्ह ४.०० बजे अपार जन-समूह के बीच अधिवेशन का कार्य शुरु हुआ।

जमशेदपुर में आयोजित अधिवेशन में सभापति स्वर्गीय नंदकिशोर जालान के सम्मान में जुलूस निकाला गया जिसमें १०००० स्त्री पुरुष थे इसका छोर नहीं दिखाई दे रहा था।

(सम्मेलन के प्रकाशन से उद्धृत)

आपणो समाज - एक समाज - श्रेष्ठ समाज

समाज के सभी घटकों को एकबद्ध करना हमारे सभी पूर्वजों का महत्वपूर्ण उद्देश्य रहा है। प्रथम अधिवेशन से ही अध्यक्षों के भाषण के कुछ अंश दिए जा रहा हैं जो इस बात की पुष्टि करती है:-

सम्मेलन का **पहला अधिवेशन** दिसंबर सन १९३५ में कोलकाता के मोहम्मद अली पार्क में संपन्न हुआ। सम्मेलन का कार्यालय मारवाड़ी छात्र निवास के भवन १५० चितरंजन एवेन्यू कोलकाता-७ में रखा गया। सभापति की हैसियत से स्वर्गीय रायबहादुर रामदेव जी चोखानी ने अपने भाषण मे कहा कि "जिस महान एवं पवित्र उद्देश्य को लेकर हम लोग आज यहां उपस्थित हुए हैं वह उद्देश्य है संपूर्ण मारवाड़ी समाज का सामूहिक संगठन ऐसा संगठन जो जाति में नवजीवन का संचार करने वाला हो, उसके कार्यकर्ताओं में उल्लास, सजीवता और कर्मोद्यम का भाव भरने वाला हो और जिसमें समाज की विभिन्न शाखाएं संबद्ध हो, अपने जाति हित और उससे भी बेहतर संपूर्ण देश के स्वार्थ संबंध रखने वाले समस्त प्रश्नों पर विचार करें और अपना कर्त्तव्य स्तिर करें। अभी तक समाज की विभिन्न शाखाओं का जो संगठन हुआ है श्रृंखलित न होने के कारण उसके द्वारा हम देश के सार्वजनिक दैनिक जीवन पर अपना प्रभाव डालने में तथा उसके सभी क्षेत्रों में अन्य समाजों के साथ अपनी सत्ता स्थापित करने में समर्थ नहीं हुए हैं।"

इस प्रथम सम्मेलन के स्वागताध्यक्ष स्वर्गीय शिवकृष्ण भट्टड ने बहुत महत्वपूर्ण शब्दों में कहा "यह सम्मेलन हमारे इतिहास में एक खास स्थान रखता है। आज से पहले विभिन्न अंगों की जातीय सभाएं हुई है किंतु यह प्रथम अवसर है कि हमारे सब अंग एक स्थान में एकत्र होकर अपनी समस्याओं के हल करने के लिए चेष्टा कर रहे हैं। इसे देखकर किसे आनंद नहीं होगा कि इस समय क्या प्राचीन क्या नवीन क्या युवक क्या वृद्ध सभी एक सूत्र में आबद्ध होकर जातीय जीवन की विभिन्न गुत्थियो को सुलझा कर अपने गौरवपूर्ण ध्येय को प्राप्त करने के लिए अग्रसर हो रहे हैं।"

द्वितीय अधिवेशन में सभापति स्व. पदम पद सिंघानिया ने अपने भाषण में कहा कि "ब्राह्मण, ओसवाल, माहेश्वरी, अग्रवाल, खंडेलवाल इत्यादि सबको उपस्थित पाकर और उनके चेहरे पर अंकित देश तथा समाज के उद्धार की लगन देखकर मुझे जो प्रसन्नता होती है वह केवल अनुभव की ही वस्तु है।

सन १९४३ में दिल्ली में सम्मेलन का **पांचवा अधिवेशन** हुआ। सभापति बीकानेर के लब्ध प्रतिष्ठित स्वर्गीय रामगोपाल जी मेहता ने कहा कि "अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के मंच पर हम लोग सभी जाति उपजाति एवं फिरको के राजस्थान निवासी मारवाड़ी कहलाने वाले लोग बिना किसी भेदभाव के एकत्र होकर सामूहिक रूप से अपना संगठन करके अपना सर्वांगीण उन्नति करते हुए अपने उचित एवं स्वत्वों और अधिकारों की रक्षा करने के लिए कटिबद्ध हो रहे हैं। पृथक पृथक फिरको के जातीय समाजो के सम्मेलनो का जमाना अब खत्म हो चुका है।" उन्होंने धर्म की धीगामस्ती पर आक्रमण करते हुए कहा कि "आपस की हमारी फूट पर हमने धर्म की छाप लगा दी है और इस तरह के धार्मिक अंधविश्वासों ने हमको स्वतंत्रता से विचार करने योग्य नहीं रखा है।"

(सम्मेलन के प्रकाशन से उद्धृत)

देशी ब्रांड को बढ़ावा देना है ताकि देश को आर्थिक बल मिले - पवन कुमार गोयनका

देश के ७९वें स्वाधिनता दिवस के उपलक्ष्य में अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के केंद्रीय कार्यालय प्रांगण में राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री शिव कुमार लोहिया के परिवार में गमी के कारणवश उनकी अनुपस्थिति में सम्मेलन के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री संतोष सराफ एवं नवनिर्वाचित अध्यक्ष श्री पवन कुमार गोयनका द्वारा संयुक्त ध्वजारोहण किया गया। इस अवसर सभी ने अपने देश एवं राष्ट्रध्वज के सम्मान में राष्ट्रीय गान भी किया। इस अवसर पर एक संगोष्ठी आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता नवनिर्वाचित राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री पवन कुमार गोयनका ने की। उन्होंने सभी उपस्थित सदस्यों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं दी। श्री गोयनका ने कहा कि स्वतंत्रता आंदोलन में मारवाड़ी समाज का काफी योगदान रहा है चाहे वो आर्थिक हो या साहित्यिक। हम राजपुताना क्षेत्र से संबंधित प्रवासी है। हम आज आजाद हो गए है लेकिन आज भी हमारा समाज कई बेड़ियों में जकड़ा हुआ है। हमें उस बेड़ियों को तोड़कर निकलने की जरुरत है। अपने बच्चों को पाश्चात्य सभ्यता से बचाना है और अपनी संस्कार-संस्कृति से जोड़ना भी है। एक तरफ पाश्चात्य सभ्यता की पहचान वैलेंटाईन डे है, जिसका अपनी सभ्यता में कोई महत्व नहीं है। दूसरी तरफ अपनी सभ्यता जिसमें हर त्यौंहार एवं पूजा का अपना एक महत्व एवं मायने हैं। हमें अपनी मूल जड़ो को संभालना है, अपनी सभ्यता एवं संस्कृति को बढ़ावा देना है। अपने त्यौहारो को पारंपरिक ढंग से मनाना चाहिए। विदेशी ब्रांड के बजाय देशी ब्रांड को बढ़ावा देना है ताकि अपने देश को आर्थिक रूप से बल मिले।

पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष संतोष सराफ ने सभी को स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि आज स्वतंत्रता

दिवस एक अत्यंत गौरवपूर्ण दिवस है। सम्मेलन ९० वर्षों से निरंतर अपनी गति पर चल रहा है। समाज की कुरीतियों एवं संस्कार-संस्कृति पर काफी कार्य किए गए है एवं कर रहे हैं। हमलोग व्यवसायी वर्ग है। हमारे समाज के सेनानियों ने स्वतंत्रता आंदोलन में भाग लेने के साथ आर्थिक अनुदान देकर अपना योगदान दिया है। आज देश बहुत आगे बढ़ गया है। पूरे विश्व में बड़ी–बड़ी कंपनियों के सीइओ भारतीय है। हमने कई डॉ., साइंटिस्ट दिए। महिलाओं को शिक्षित किया। आज महिलाएं कंधे से कंधे मिलाकर पुरुषों के साथ कार्य करती हैं। हमने राजनीति में भी अपनी पकड़ बनाई हैं। समाज में कई बुराईयाँ जैसे मद्यपान, प्रि-वेडिंग शूट चल रही हैं। ऐसी कुरीतियों पर हमें अंकुश लगाना है। सम्मेलन उच्च शिक्षा कोष द्वारा साल में २५-३० बच्चों को दो लाख करके आर्थिक सहयोग भी प्रदान करता है। रोजगार में भी हमारे समाज द्वारा सहयोग किया जाता है। हमारे मनीषियों द्वारा दिया गया नारा **'म्हारो लक्ष्य राष्ट्र री प्रगति'** को लेकर समाज को हम आगे बढ़ा रहे हैं। हमें अपने राष्ट्र एवं समाज के प्रति अपनी

भागीदारी सुनिश्चित करनी होगी।

राष्ट्रीय महामंत्री श्री कैलाशपति तोदी ने स्वतंत्रता दिवस पर पधारने के लिए सभी का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि आज समाज में तलाक के प्रति सम्मेलन काफी सजग है। हमें अपने घरों से संस्कारो को देने का प्रयास करना चाहिए। अपना संगठन एक सुदृढ़ ढाँचा है। उसके अपने नियम एवं प्रावधान है। हमें अपने समाज एवं संगठन को संगठित करना है।

श्री नंदकिशोल अग्रवाल प्रांतीय अध्यक्ष, श्री आत्माराम सोंथलिया, श्री अनिल मल्लावत, श्री प्रदीप जीवराजका, श्री अरुण मल्लावत, श्री शंकर कारीवाल ने अपने ओजस्वी भाषण एवं कविताओं से सभी उपस्थित सदस्यों का उत्साह बढ़ाया।

कार्यक्रम में सर्वश्री पवन जालान राष्ट्रीय संयुक्त मंत्री, विजय वशिष्ठ, श्याम सुंदर अग्रवाल, राजेश कुमार सोंथलिया, बाबूलाल बंका, अशोक संचेती, श्रीमती सरोज संचेती, राज कुमार अग्रवाल, पवन कुमार अग्रवाल, शैभित छावछरिया, नंद कुमार लड्ढ़ा, महेश पटवारी, रामअवतार बृजराजका, तपन गाड़ोदिया, महेश शाह, अजय गुप्ता, अजय कसेरा, सज्जन बेरीवाल, श्रीमती शशि लाहोटी, श्रीमती सरिता लोहिया, राजेंद्र राजा एवं अन्य उपस्थित थें।

राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष श्री केदारनाथ गुप्ता ने बहुत ही सुंदरपूर्ण कविता द्वारा सभी को धन्यवाद ज्ञापन दिया।

With best complements from

PPPS GROUP

For 28th National Convention on 6th and 7th September'2025 of All India Marwari Fedaration

Address: DB-126, Sector-1, Salt Lake City, Kolkata-700064.

Business Activities: Generation of Solar Power Energy, Development of Solar Park, EPC Contractor, Module Manufacturing on OEM, Engineering Products and Steel, Polymers and plastic Products, Textiles and Garments, Gems and Jewellery, Infrastructure Development and International Trade.

Person in Contact: Mr. Rajesh Kumar Sonthalia.

Contact No.9831077130.

Email ID: ptpl1995@gmail.com.

Spurious meds worth over ₹1 crore
Drug raid
HOWRAH: The owne
জাল ওষুধের রমরমা বাড়ছে, মানছে ব্যবসায়ী সংগঠনই
Most Drugs Copies Of
नकली दवाएं बढ़ रही हैं!
बंगाल केमिस्ट्स एंड ड्रगिस्ट्स
drugs worth ₹17 lakh
state drug control offic
সাড়ে ছ'কোটি টাকার জাল ওষুধ বাজেয়াপ্ত
अपनी जान को जोखिम में न डालें।
में 17 लाख की नकली दवाएं
47% rise in fake meds in mkt post Covid
असली दवाएं
18% छूट*
अतिरिक्त 2% की छूट*
₹999 से ऊपर के सभी ऑर्डर्स पर
Use Code: EXTRA2
फ्री होम डिलिवरी
Scan QR Code to Download App
SastaSundar app
health & happiness
628 9090 000
फ्रैंचाइज़ी लेने के लिए कॉल करें: 7890 777 000
या मेल करें: hbenquiry@sastasundar.com

सम्मेलन के उद्देश्यों का बहुविध हुआ व्यापक प्रचार : शिवकुमार लोहिया

राष्ट्रीय अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन की साधारण वार्षिक सभा राष्ट्रीय अध्यक्ष शिव कुमार लोहिया की अध्यक्षता में सम्मेलन सभागार में संपन्न हुई। जूम द्वारा भी सदस्यों ने देश के अनेक भागो से जुड़कर बैठक में भागीदारी की। सभी सदस्यों का स्वागत करते हुए लोहिया ने कहा कि २०२३ - २५ का सत्र अत्यंत गतिशील रहा है। इस सत्र में ५५०० से अधिक नये सदस्य बने हैं एवं ७७ नई शाखाओं का गठन हुआ है, जो कि कुल शाखाओ का २०ऽ है। साथ ही साथ उन्होंने बताया कि पूरे सत्र में राष्ट्रीय पदाधिकारियो ने कम से कम छोटे बडे मिलाकर ६५ से अधिक शहरों का दौरा किया है एवं समाज बंधुओ से सीधा संवाद स्थापित किया है। अधिक से अधिक सदस्यों से सीधे संवाद स्थापित करने के लिए व्हाट्सएप ग्रुप, फेसबुक एवं इंस्टाग्राम प्रारंभ किये गए हैं, जिससे कि सम्मेलन के सभी भागो के कार्यक्रमों एवं समाचारों को सदस्यों तक अविलंब पहुंचाई जा सके। सम्मेलन की पत्रिका समाज विकास के लिंक को प्रत्येक माह एसएमएस के द्वारा ५०००० समाज बंधुओ खो भेजने का काम भी प्रारम्भ हुआ है। सम्मेलन के पंच सूत्री कार्यक्रमों की घोषणा की गई ताकि सभी प्रांत के कार्यकमो में एकरूपता रहे एवं सम्मेलन के उद्देश्यों को बल एवं सफलता मिले। इस प्रकार के अन्य पदक्षेप का भी शुभारंभ हुआ है जिसका लाभ सम्मेलन को भविष्य मे निरंतर मिलता रहेगा। सम्मेलन एक अद्वितीय सामाजिक संस्था है। उन्होंने संस्थापकों एवं पूर्वजों के प्रति आभार प्रकट किया जिन्होंने इस प्रकार की संस्था समाज को उपहार के रूप में सौपा है। हम यह तो जानते हैं कि हम क्या है लेकिन हमें यह नहीं मालूम कि हम क्या बन सकते हैं। सम्मेलन में अपार संभावनाएं हैं जिनको फलीभूत करना हम सब का कर्तव्य है। जितना हम सम्मेलन में गहरा उतरेंगे उतना ही सम्मेलन का हमें महत्व एवं गुरुत्व का आभास होता जाएगा। उन्होंने सभी सदस्यों, राष्ट्रीय एवं प्रांतीय पदाधिकारियो के प्रति आभार प्रकट किया जिन्होंने अपना सहयोग देकर सत्र को इतना सफल बनाने में मदद की है।

राष्ट्रीय महामंत्री कैलाशपति तोदी ने अपने रपट में सम्मेलन की गतिविधियों के बारे में विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इस सत्र में अनेको कार्यक्रमों का शुभारंभ किया गया है जिसमें पुस्तकालय, सीखो राजस्थानी कार्यक्रम, सम्मेलन मंच, संस्कार संस्कृति चेतना, डिजिटलीकारण, सिक्किम प्रांत का गठन आदि। उन्होंने बताया कि सत्र में संविधान संशोधन एवं भवन निर्माण के संबंध में अत्यंत ही उल्लेखनीय कार्य हुए हैं। कुछ प्रांतो में जहां शाखाएं कम थी वहां पर शाखाएं खुली है। उन्होने सदस्यों द्वारा मांगे गए जानकारियां प्रदान की। राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष केदारनाथ गुप्ता ने वित्तीय वर्ष २०२४ - २५ की वार्षिक वित्तीय हिसाब किताब

प्रस्तुत किया। कई सदस्यों ने इस विषय में अधिक जानकारियां मांगी एवं सुझाव दिए। तत्पश्चात सर्वसम्मति से वित्तीय लेखा-जोखा को स्वीकृत कर दिया गया। पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष नंदलाल रूंगटा ने कुछ सुझाव दिए। उन्होंने वर्तमान सत्र में किए गए कार्यो पर सराहना प्रस्ताव प्रस्तुत किया जिसे सर्वसम्मति से स्वीकृत किया गया। पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष संतोष सराफ ने सीताराम रुंगटा मारवाड़ी सम्मेलन भवन निर्माण के विषय में सदस्यों को विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि १५ वर्षों से रुका हुआ भवन निर्माण का कार्य इस सत्र में गतिशील हुआ है एवं अथक प्रयासों के बाद भवन का प्लान कॉरपोरेशन द्वारा स्वीकृत कर दिया गया है। अब भवन निर्माण में आने वाली बाधाओ का अतिक्रमण करके भवन निर्माण का कार्य जल्दी प्रारंभ हो जाएगा। पश्चिम बंगाल प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष नंदकिशोर अग्रवाल ने राष्ट्रीय पदाधिकारियो के प्रति आभार प्रकट किया जिन्होंने पश्चिम बंगाल के विभिन्न शाखाओ का दौरा कर शाखाओं में सदस्यों को प्रेरित एवं उत्साहित किया। उन्होने बताया की राष्ट्रीय पदाधिकारी के भ्रमण के बाद शाखों में गतिशीलता आई है। उन्होंने कहा कि प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के १४ शाखाओं द्वारा शीतल वाटर कूलर लगाने का काम चल रहा है। वित्तीय उप समिति के अध्यक्ष आत्माराम सोंथलिया ने कहा कि समाज को स्वास्थ्य संबंधी जानकारी देने की अत्यधिक आवश्यकता है। इस विषय में सम्मेलन को सोचना चाहिए। पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री गोवर्धन प्रसाद गाडोदिया, अरुण गाड़ोदिया, रामगढ़ से प्रकाश पटवारी, अरुण मलावत, आर पी मोदी ने भी अपने विचार रखें। राष्ट्रीय उपाध्यक्ष दिनेश जैन ने धन्यवाद ज्ञापन किया। बैठक में पवन कुमार गोयनका, नवनिर्वाचित राष्ट्रीय अध्यक्ष, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डॉ सुभाष अग्रवाल राष्ट्रीय संयुक्त मंत्री श्री पवन जालान, राष्ट्रीय संगठन मंत्री महेश जालान, पवन कुमार पटोदिया, पियूष केयाल, इन्द्रचंद महरिवाल, रवि लोहिया, अमित मंद्रा, जगदीश प्रसाद गाडोदिया, नथमल भीमराजका, दामोदर प्रसाद बिंदवातका, नविन कुमार जैन, राजेश कुमार सोंथलिया, सीताराम शर्मा, प्रदीप जीवराजका, गणेश अग्रवाल, प्रकाश चंद हरलालका, दिलीप कुमार चौधरी, अनिल कुमार मल्लावत, दीपक छापरिया, सज्जन बेरीवाल, गोपाल अग्रवाल, सुरेश अग्रवाल, पंकज भालोटिया, बिनोद बियानी, प्रकाश चन्द्र हरलालका, मृगांक कुमार, कृष्णा शर्मा, सुषमा अग्रवाल, चंडी प्रसाद डालमिया, श्री रमेश अग्रवाल (झारखण्ड), नीलम कुमार अग्रवाल, उर्मिला बांका, प्रमोद बजला, राजेश थरड, सज्जन खंडेलवाल, ओम प्रकाश अग्रवाल, भगवान दास अग्रवाल, अशोक डालमिया, अंकित केजरीवाल, मनोज कुमार टिबरेवाल (ओडिशा) आदि ने भाग लिया।

पुरस्कार चयन उपसमिति की बैठक

भंवरमल सिंघी समाजसेवा सम्मान एवं नंदकिशोर जालान संगठन समर्पण सम्मान की घोषणा

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन की पुरस्कार चयन उपसमिति की बैठक बुधवार, १३ अगस्त २०२५ को केंद्रीय कार्यालय सभागार, कोलकाता एवं जूम के (माध्यम) से हुई। पुरस्कार चयन उपसमिति के चेयरमैन एवं पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष पद्मश्री श्री प्रह्लाद राय अगरवाला ने बैठक की अध्यक्षता की एवं संचालन पुरस्कार चयन उपसमिति के संयोजक व निवर्तमान राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया ने किया।

बैठक में राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री शिव कुमार लोहिया, नवनिर्वाचित राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री पवन कुमार गोयनका, पूर्व अध्यक्षगण श्री सीताराम शर्मा, श्री नन्द लाल रुँगटा, श्री संतोष सराफ, राष्ट्रीय महामंत्री श्री कैलाशपति तोदी, निवर्तमान राष्ट्रीय महामंत्री श्री संजय हरलालका एवं इस उपसमिति के सदस्य श्री कमल केडिया उपस्थित रहें।

बैठक में विचार विमर्श के बाद **'भंवरमल सिंघी समाज सेवा सम्मान'** हेतु पूर्व अध्यक्ष श्री नन्दलाल रुँगटा द्वारा प्रस्तावित सामाजिक संस्था **'प्रेम मिलन (कोलकाता)'** का चयन किया गया।

कार्यकारिणी समिति के निर्णयानुसार इस बार से पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष आदरणीय स्मृति शेष नन्दकिशोर जी जालान की स्मृति में **'नन्दकिशोर जालान संगठन समर्पण सम्मान'** का शुभारम्भ करना है जो हर राष्ट्रीय अधिवेशन में संगठन हेतु समर्पित भाव से योगदान देने वाले व्यक्ति को दिया जाएगा। इस हेतु सम्मेलन के नवनिर्वाचित राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री पवन कुमार गोयनका ने वरिष्ठ समाजसेवी आदरणीय **श्री आत्माराम सोंथलिया** जी के नाम का प्रस्ताव दिया जिसे बैठक में उपस्थित सभी सदस्यों द्वारा सर्वसम्मति से पारित किया गया। यह भी निर्णय हुआ कि श्री नंदकिशोर जालान संगठन समर्पण सम्मान में कोई राशि न देकर सम्मेलन के प्रतीक चिह्न से युक्त रजत निर्मित स्मृति चिह्न (मोमेंटो) प्रदान जाएगा।

ये दोनो सम्मान प्रत्येक राष्ट्रीय अधिवेशन में दिए जायेंगे। इस बार ये सम्मान ६ एवं ७ सितंबर २०२५ को दिल्ली प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के आतिथ्य में आयोजित **२८वें राष्ट्रीय अधिवेशन** में प्रदान किए जायेंगे।

बैठक के अंत में राष्ट्रीय महामंत्री श्री कैलाशपति तोदी ने सभी महानुभाओं का धन्यवाद ज्ञापन किया।

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन
राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति (सत्र २०२३-२५)

पदाधिकारीगण

श्री शिव कुमार लोहिया	राष्ट्रीय अध्यक्ष	कोलकाता	डॉ. सुभाष अग्रवाल	राष्ट्रीय उपाध्यक्ष	कर्नाटक
श्री दिनेश कुमार जैन	राष्ट्रीय उपाध्यक्ष	कोलकाता	श्री कैलाशपति तोदी	राष्ट्रीय महामंत्री	हावड़ा, प.बं.
श्री रंजीत कुमार जालान	राष्ट्रीय उपाध्यक्ष	उत्तराखंड	श्री पवन कुमार जालान	राष्ट्रीय संयुक्त महामंत्री	कोलकाता
श्री मधुसूदन सीकरिया	राष्ट्रीय उपाध्यक्ष	असम	श्री संजय गोयनका	राष्ट्रीय संयुक्त महामंत्री	कोलकाता
श्री निर्मल कुमार झुनझुनवाला	राष्ट्रीय उपाध्यक्ष	बिहार	श्री महेश जालान	राष्ट्रीय संगठन मंत्री	पटना
श्री राज कुमार केडिया	राष्ट्रीय उपाध्यक्ष	झारखंड	श्री केदार नाथ गुप्ता	राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष	कोलकाता

पदेन सदस्य

श्री सीताराम शर्मा (कोलकाता), पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष
श्री नंद लाल रूँगटा (चाईबासा), पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष
डॉ. हरि प्रसाद कानोड़िया (कोलकाता), पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष
श्री राम अवतार पोद्दार (कोलकाता), पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष
पद्मश्री प्रह्लाद राय अगरवाला (कोलकाता), पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष
श्री संतोष सराफ (कोलकाता), पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष
श्री गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया (राँची), निवर्तमान राष्ट्रीय अध्यक्ष
श्री रतन लाल साह (कोलकाता), पूर्व राष्ट्रीय महामंत्री
श्री भानी राम सुरेका (कोलकाता), पूर्व राष्ट्रीय महामंत्री
श्री संजय कुमार हरलालका (कोलकाता), पूर्व राष्ट्रीय महामंत्री

सदस्यगण

श्री अखिलेश जैन (कोलकाता)
श्री अमित सारावगी (कोलकाता)
श्री आनंद कुमार अग्रवाल (कोलकाता)
श्री अनिल कुमार जाजोदिया (वाराणसी)
श्री अरुण चुड़ीवाल (कोलकाता)
श्री अरुण कुमार सुरेका (कोलकाता)
श्री अशोक धानुका (असम)
श्री आत्माराम सोंथलिया (कोलकाता)
श्री भगवानदास अग्रवाल (कोलकाता)
श्री विजय कुमार केडिया (ओड़िसा)
श्री बिमल कुमार केजरीवाल (कोलकाता)
श्री विनय सरावगी (झारखंड)
श्री विनोद तोदी (बिहार)
श्री बृज मोहन गाड़ोदिया (कोलकाता)
श्री दीपक पारिक (झारखंड)
श्री जुगल किशोर सर्राफ (कोलकाता)
श्री जुगल किशोर जाजोदिया (कोलकाता)
श्री कमलेश कुमार नाहटा (मध्य प्रदेश)
श्री कुंजबिहारी सोभासारिया (कोलकाता)
श्री मन्ना लाल बैद (दिल्ली)
श्री मनोज कुमार जैन (ओडिशा)
श्री नंद किशोर अग्रवाल (कोलकाता)
श्री नरेंद्र तुलस्यान (कोलकाता)
श्री निर्मल कुमार काबरा (झारखंड)
श्री ओम प्रकाश अग्रवाल (झारखंड)
श्री ओम प्रकाश खंडेलवाल (असम)
श्री पवन कुमार बंसल (कोलकाता)
श्री पवन कुमार गोयनका (दिल्ली)
श्री पवन सुरेका (बिहार)
श्री पवन टिबड़ेवाल (कोलकाता)
श्री प्रदीप जीवराजका (कोलकाता)
श्री रघुनाथ प्रसाद झुनझुनवाला (कोलकाता)
श्री राजेश कुमार पोद्दार (कोलकाता)
श्री रमेश कुमार बूबना (कोलकाता)
श्री सज्जन भजनका (कोलकाता)
श्री श्याम सुंदर धानुका (कोलकाता)
श्री सुरेश कुमार कमानी (ओडिशा)
श्री विवेक गुप्ता (कोलकाता)

स्थायी विशिष्ट आमंत्रित

श्री अजय अग्रवाल (कोलकाता)
श्री अशोक जालान (ओडिशा)
श्री बनवारीलाल शर्मा सोती (कोलकाता)
श्री विश्वनाथ भुवालका (कोलकाता)
श्री दिलीप कुमार चौधरी (कोलकाता)
श्री दिनेश कुमार अग्रवाल (ओडिशा)
श्री गोपाल अग्रवाल (कोलकाता)
श्री जितेंद्र गुप्ता (ओडिशा)
श्री कैलाश चंद्र लोहिया (असम)
श्री कमल नोपानी (बिहार)
श्रीमती ममता बिनानी (कोलकाता)
श्री मनीष सराफ (बिहार)
श्री नंद लाल सिंघानिया (कोलकाता)
श्री नारायण प्रसाद डालमिया (कोलकाता)
श्री निर्मल सराफ (कोलकाता)
श्री ओम प्रकाश गट्टानी (असम)
श्री राज कुमार मिश्रा (दिल्ली)
श्री राजेंद्र कुमार खंडेलवाल (कोलकाता)
श्री राजेश कुमार अग्रवाल (कोलकाता)
श्री रमेश चंद जी. बंग (महाराष्ट्र)
श्री शिव रतन फोगला (कोलकाता)
श्री सिताराम अग्रवाल (कर्नाटक)
श्री सुशील पोद्दार (कोलकाता)
श्रीमती सुषमा अग्रवाल (बिहार)
श्री विजय कुमार लोहिया (तामिलनाडु)

पदेन सदस्य

श्री ओम प्रकाश अग्रवाल (आंध्र प्रदेश)
श्री बालकिशन लोया (आंध्र प्रदेश)
श्री राकेश बंसल (बिहार)
श्री अंजनी सुरेका (बिहार)
श्री अमर बंसल (छत्तीसगढ़)
श्री गिरधर गोपाल अग्रवाल (छत्तीसगढ़)
श्री राजेश कुमार सिंघल (दिल्ली)
श्री बसंत पोद्दार (दिल्ली)
श्री गोकुल चंद बजाज (गुजरात)
श्री राहुल अग्रवाल (गुजरात)
श्री सुरेश चंद्र अग्रवाल (झारखंड)
श्री विनोद कुमार जैन (झारखंड)
श्री सीताराम अग्रवाल (कर्नाटक)
श्री शिव कुमार टेकरीवाल (कर्नाटक)
श्री शरद सरावगी (मध्य प्रदेश)
श्री श्याम सुंदर महेश्वरी (मध्य प्रदेश)
श्री निकेश गुप्ता (महाराष्ट्र)
श्री सुदेश करवा (महाराष्ट्र)
श्री कैलाश चंद्र काबरा (पुर्वोत्तर)
श्री रमेश चांडक (पुर्वोत्तर)
श्री अशोक केडिया (तमिलनाडु)
श्री मोहन लाल बजाज (तमिलनाडु)
श्री रामप्रकाश भंडारी (तेलंगाना)
श्री बद्रीविशाल मुँदड़ा (तेलंगाना)
श्री दिनेश कुमार अग्रवाल (उत्कल)
डॉ. सुभाष चंद अग्रवाल (उत्कल)
श्री श्रीगोपाल तुलस्यान (उत्तर प्रदेश)
श्री टीकम चन्द सेठिया (उत्तर प्रदेश)
श्री रंजीत कुमार टिबड़ेवाल (उत्तराखंड)
श्री आशीष वेद प्रकाश गुप्ता (उत्तराखंड)
श्री अक्षय अग्रवाल (केरल)
श्री विनय सिंघल (केरल)
श्री रमेश पेड़िवाल (सिक्किम)
श्री सुरेश कुमार अग्रवाल (सिक्किम)
श्रीमती अंजू सरावगी (ओडिशा) अ.भा.म.मा.स.
श्रीमती निशा मोदी (ओडिशा) अ.भा.म.मा.स.
श्री सुरेश एम. जैन (तेलंगाना) अ.भा.मा.यु.मं.
श्री मोहित नाहटा (असम) अ.भा.मा.यु.मं.

With Best Compliments From:

ATMARAM SONTHALIA

23/24, Radha Bazar Street,
3rd Floor,
Kolkata – 700 001.
Mobile – 98310 26652
Phone – 033-22425889
Email: jbccsonthalia@gmail.com

राष्ट्रीय महामंत्री का प्रतिवेदन
सत्र २०२३-२५ के कार्यों का संक्षिप्त विवरण

कैलाशपति तोदी
राष्ट्रीय महामंत्री

आदरणीय राष्ट्रीय अध्यक्ष महोदय, निर्वाचित राष्ट्रीय अध्यक्ष महोदय, पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्षगण, स्वागताध्यक्ष महोदय, सम्मानीय अतिथिगण, प्रांतों से आये पदाधिकारी एवं सदस्यगण, दिल्ली के प्रांतीय अध्यक्ष, उपस्थित बहनों, भाईयों एवं साथियों,

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के २८वें राष्ट्रीय अधिवेशन में मैं आप सबका हार्दिक स्वागत करता हूँ एवं आपकी गरिमामयी उपस्थिति हेतु आभार व्यक्त करता हूँ।

१३-१४ मई २०२३ को अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन का २७वाँ राष्ट्रीय अधिवेशन माँ कामाख्या की पावन धरा पर पूर्वोत्तर प्रदेशीय मारवाड़ी सम्मेलन के गुवाहाटी शाखा के आतिथ्य में गुवाहाटी में संपन्न हुआ था। इस अवसर पर राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री शिव कुमार लोहिया ने पदभार ग्रहण किया था। सत्र २०२३-२५ के लिए श्री लोहिया ने राष्ट्रीय महामंत्री के रूप में काम करने का अवसर देकर मुझ पर अपना विश्वास प्रकट किया, उसके लिए मैं उनका तहे दिल से आभारी हूँ। यह सत्र अत्यंत गतिशील रहा है। पुराने कार्यक्रमों का सुचारु रूप से संचालन करते हुए नये-नये योजनाओं एवं गतिविधियों का क्रियान्वयन किया गया। कार्यक्रम की गतिशीलता के फलस्वरूप समाज में सम्मेलन की छवि और भी पुष्ट हुई हैं।

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के गौरवशाली अतीत पर हमें गर्व है। किसी भी संस्था के लिए ९० वर्ष पूरे करना अत्यंत महत्वपूर्ण है। यह हमारे संस्थापकों की दूरदर्शिता ही थी कि उन्होंने समाज कि आवश्यकताओं को देखते हुए, राष्ट्र की प्रगति हेतु इस संस्था की स्थापना एवं लक्ष्य निर्धारित किया। संगठन, सुरक्षा एवं वैचारिक परिवर्तन के माध्यम से राजनीतिक चेतना, समरसता एवं समाज सुधार की त्रिधारा के संगम का नाम ही अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन है। सम्मेलन में नये विचारों का नया सूर्य उदय हुआ है। इसके आलोक से राष्ट्र एवं समाज आलोकित हो रहा है। जैसे सूर्य की रोजाना आवश्यकता होती है, ठीक वैसे ही सम्मेलन की प्रासंगिकता नित्य बनी रहेंगी।

२०२३-२५ का सत्र निरंतर गतिशीलता के मध्य कब संपन्न हो गया, इसका आभास ही नहीं हो पाया। इस सत्र की गतिविधियों को संक्षेप में आपके समक्ष प्रस्तुत कर रहा हूँ।

संगठन-विस्तार :

सदस्यता : १३-१४ मई २०२३ को आयोजित सम्मेलन के २७वें राष्ट्रीय अधिवेशन में **'आपणो समाज-एक-समाज-श्रेष्ठ समाज'** का नारा लिया गया और सत्र २०२३-२५ में सम्मेलन के सदस्यता-विस्तार हेतु हर स्तर से प्रयास किए गए। केंद्रीय कार्यालय एवं प्रादेशिक शाखाओं के सम्मिलित प्रयासों के सुफल के रूप में वर्तमान सत्र में कुल ५६८५ नये सदस्य बनें। इनमें ८३ विशिष्ट संरक्षक सदस्य, २४ विशिष्ट सदस्य एवं ५५७८ आजीवन सदस्य बने। सत्र के दौरान संगठन विस्तार के क्षेत्र में पूर्वोत्तर (१५३४), झारखंड (१५२६), बिहार (६३१), उत्कल (४२३), आंध्र प्रदेश (२३८), दिल्ली (२३४) ने अग्रणी भूमिका निभाई। मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र में सक्रियता बढ़ी।

शाखा : वर्तमान सत्र में कुल १०० एवं प्रत्येक प्रांतीय इकाईयों को पांच शाखाएं खोलने के लक्ष्य के मद्देनजर अभुतपूर्व ७९ से अधिक शाखाओं की बढ़ोत्तरी हुई है। जिन प्रांतों में एक भी शाखा नहीं थी वहाँ भी शाखाएँ खुली है जो निम्नलिखित है –

१) **बिहार** में गुलाबबाग, बाढ़, २) **छत्तीसगढ़** में नैला-जांजगीर, सक्ती, चांपा, विलासपुर, रायपुर ३) **आंध्र प्रदेश** में तिरुपति, विजयवाड़ा, विशाखापट्टनम, श्रीकाकुलम ४) **मध्य प्रदेश** में सतना, कटनी, इंदौर, शहडोल ५) **उत्तर प्रदेश** में कानपुर महिला शाखा, भदोही ६) **झारखंड** में खरसावां, सिनी, सरायकेला, हल्दीपोखर, आदित्यपुर, चांडिल, सुंदरनगर, बालीडीह ७) **गुजरात** में सूरत ८) **दिल्ली** में दिल्ली महिला शाखा ९) **उत्तराखंड** में रुड़की १०) **कर्नाटक** में बेंगलुरु, महिला परिधी, प्रोफेशनल शाखा ११) **उत्कल** में कलमपुर, जयपटना, गोलामुंडा, बेलपहाड़, राजगंगपुर, रंगली, टिटलागढ़ महिला शाखा, बरगढ़ महिला शाखा १२) **पूर्वोत्तर** में विश्वनाथ चरली महिला, फकीरग्राम महिला शाखा, रोहा, करीमगंज, नाहरलागुन-ईटानगर महिला शाखा, बोंगाईगांव महिला शाखा, जागरोड, सरुपाथर, उरियमघाट, तिताबर, गुवाहाटी ग्रेटर, गोसाईगांव, सिलचर महिला, गोहपुर, सापटग्राम, पासीघाट, डिब्रूगढ़ महिला शाखा, मोरीगांव, पाठशाला, विजयनगर, ग्वालपाड़ा, आलो, नगांव, कोकराझाड़ लुमडिंग, लखीपुर, बदरपुर, कठियाटोली, जोनाई, दापोरिजो, गोरेश्वर, मंगलदोई, होजाई महिला शाखा, बड़पथार, गुवाहाटी मेट्रो, डिफू, सिलोज़न, नुमालीगढ़ एवं पंजाब के अमृतसर अन्य कोई शाखाओं का प्रयास जारी हैं।

समितियों की बैठकें : सत्र २०२३-२५ में समयानुसार सर्वोच्च नीति निर्धारक अखिल भारतीय समिति की चार बैठकें, राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति की सात बैठकें, राष्ट्रीय स्थायी समिति की ३ बैठकें, एवं समयानुसार वार्षिक साधारण सभा की तीन बैठकें आयोजित की गई। इस सत्र में बिहार, कर्नाटक, उत्तर प्रदेश, छत्तीसगढ़, उत्तराखंड एवं गुजरात प्रांतीय सम्मेलन द्वारा राष्ट्रीय बैठकों का आतिथ्य करने से प्रांत की गतिविधियों में कार्यकर्ताओं में समाज के प्रति एक नई उर्जा का संचार प्रवाहित हुआ है।

उपसमितियों की बैठकें : सत्र २०२३-२५ में मायड़ भाषा उपसमिति के एक बैठक, आईटी एवं वेबसाईट उपसमिति की एक बैठक, समाज विकास उपसमिति की एक बैठक, संस्कार-संस्कृति-चेतना की दो बैठक, समाज सुधार एवं समरसता उपसमिति की दो बैठक, विधिक उपसमिति की एक बैठक, राजनीतिक चेतना उपसमिति की तीन बैठक, स्वास्थ्य उपसमिति की दो बैठक, संविधान उपसमिति की चार बैठक, भवन निर्माण उपसमिति की पांच बैठक, पुरस्कार चयन उपसमिति की चार बैठक एवं सलाहकार उपसमिति की एक बैठक आयोजित की गई। इन बैठकों में सम्मेलन के हित में कई ऐतिहासिक एवं महत्वपूर्ण निर्णय लिए गये।

अन्य बैठकें : संबंद्ध संस्थाओं के साथ दो बैठकें, मारवाड़ी व्यापार सहयोग की तीन बैठकें, अखिल भारतीय मारवाड़ी महिला सम्मेलन के साथ दो बैठकें एवं युवा अखिल भारतीय मारवाड़ी युवा मंच के साथ एक बैठक आयोजित की गई।

सिक्किम में सम्मेलन की प्रादेशिक शाखा का गठन : वर्तमान सत्र में राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री शिव कुमार लोहिया के नेतृत्व में राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री मधुसूदन सीकरिया एवं राष्ट्रीय संयुक्त महामंत्री श्री पवन कुमार जालान के प्रयासों से समन्वय कर स्थापना किया गया। इसके फलस्वरूप गत २० अक्टूबर २०२३ को गैंगटोक में एक सभा आयोजित कर, बड़ी संख्या में समाजबंधुओं की उपस्थिति में सिक्किम प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन का गठन किया गया। सुप्रसिद्ध उद्योगपति-समाजसेवी श्री रमेश कुमार पेड़ीवाल सिक्किम सम्मेलन के संस्थापक अध्यक्ष बने।

प्रादेशिक चुनाव एवं अधिवेशन :

पश्चिम बंग प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन : सम्मेलन की पश्चिम बंग प्रादेशिक शाखा के प्रांतीय अध्यक्ष के कार्यकाल समाप्ति के उपरांत अक्टूबर २०२२ से पश्चिम बंग प्रादेशिक शाखा के पुनर्गठन का प्रयास चल रहा था। १७ अगस्त २०२३ को पश्चिम बंग प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन में राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री शिव कुमार लोहिया के निर्देशन में एक तदर्थ समिति गठित हुई। जिसके चेयरमैन श्री गोपीराम धुवालिया एवं संयोजक श्री संजय भरतिया मनोनित हुए। २१ सितंबर २०२३ को तदर्थ समिति द्वारा आयोजित चुनाव में श्री नंदकिशोर अग्रवाल पुनः प्रांतीय अध्यक्ष निर्वाचित हुए। ५ नवंबर २०२३ को श्री नंदकिशोर अग्रवाल ने पश्चिम बंग प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन का पदभार संभाला।

उत्कल प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन : १७ मार्च २०२४ को उत्कल प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन की प्रांतीय कार्यकारिणी बैठक में निर्विरोध श्री दिनेश अग्रवाल प्रांतीय अध्यक्ष चुने गए। श्री दिनेश अग्रवाल ने अगले दो वर्ष के कार्यकाल हेतु पदभार ग्रहण किया।

गुजरात प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन : २१ अप्रैल २०२४ को आयोजित प्रांतीय सभा में सर्वसम्मति से श्री गोकुल चंद बजाज गुजरात प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के पुनः अध्यक्ष निर्वाचित हुए।

महाराष्ट्र प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन : २८ अप्रैल २०२४ को आयोजित प्रांतीय सभा में सर्वसम्मति से श्री निकेश गुप्ता महाराष्ट्र प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के निर्विरोध प्रांतीय अध्यक्ष निर्वाचित हुए।

आंध्र प्रदेश प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन : २८ मई २०२४ को आयोजित समारोह में सर्वसम्मति से श्री ओम प्रकाश अग्रवाल नवनिर्वाचित प्रांतीय अध्यक्ष निर्वाचित हुए।

कर्नाटक प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन : २५ जुन २०२३ में श्री रमाकांत सराफ प्रांतीय अध्यक्ष बने। ७ जुलाई २०२४ को आयोजित प्रांतीय सभा में श्री सीताराम अग्रवाल, कर्नाटक प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के निर्वाचित प्रांतीय अध्यक्ष बनें। सम्मेलन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं कर्नाटक प्रांत के प्रभारी डॉ. सुभाष अग्रवाल ने उन्हें पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलायी।

तेलंगाना प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन : १५ जुलाई २०२४ को आयोजित सभा में श्री रामप्रकाश भंडारी तेलंगाना प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष बनें।

तमिलनाडु प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन : ९ अक्टुबर २०२४ को आयोजित कार्यकारिणी सभा में श्री अशोक केडिया सर्वसम्मति से तमिलनाडु प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के प्रांतीय अध्यक्ष बनें।

केरल प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन : २५ दिसंबर २०२४ को सर्वसम्मति से श्री अक्षय अग्रवाल को केरल प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन का प्रांतीय अध्यक्ष चुना गया।

पूर्वोत्तर प्रदेशीय मारवाड़ी सम्मेलन : २३ मार्च २०२५ को १७वें प्रांतीय अधिवेशन में श्री कैलाश चंद काबरा पूर्वोत्तर प्रदेशीय मारवाड़ी सम्मेलन का निर्विरोध पुनः प्रांतीय अध्यक्ष का पदभार संभाला।

दिल्ली प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन : दिल्ली प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन की ९ मार्च २०२५ को प्रांतीय कार्यकारिणी की सभा आयोजित हुई। श्री राजेश सिंघल प्रांतीय अध्यक्ष निर्वाचित हुए। २० अप्रैल २०२५ को श्री राजेश सिंघल ने प्रांतीय अध्यक्ष का पदभार संभाला।

छत्तीसगढ़ प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन : २० अप्रैल २०२५ को छत्तीसगढ़ प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन की साधारण सभा में श्री अमर बंसल प्रांतीय अध्यक्ष निर्वाचित हुए।

उत्तराखंड प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन : ३० मई २०२५ को उत्तराखंड प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन को साधारण सभा में श्री रंजीत कुमार टिबड़ेवाल को प्रांतीय अध्यक्ष का कार्यभार सौंपा गया।

झारखंड प्रांतीय मारवाड़ी सम्मेलन : १३ अप्रैल २०२५ को झारखंड प्रांतीय मारवाड़ी सम्मेलन का प्रांतीय अध्यक्ष का चुनाव संपन्न हुआ। श्री सुरेश चंद्र अग्रवाल विजयी घोषित हुए। ६ जुलाई २०२५ को झारखंड प्रांतीय मारवाड़ी सम्मेलन के नवम प्रांतीय अधिवेशन में श्री सुरेश चंद्र अग्रवाल ने प्रांतीय अध्यक्ष का पदभार संभाला।

बिहार प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन : २८ अप्रैल २०२५ को बिहार प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन का चुनाव संपन्न हुआ। श्री राकेश कुमार बंसल निर्विरोध प्रांतीय अध्यक्ष निर्वाचित हुए। २-३ अगस्त २०२५ को बिहार प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के ३२वें प्रांतीय अधिवेशन में श्री राकेश कुमार बंसल ने प्रांतीय अध्यक्ष का पदभार ग्रहण किया।

मध्य प्रदेश प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन : १६ जून २०२५ को आयोजित एक साधारण सभा में श्री शरद सरावगी मध्य प्रदश प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के प्रातीय अध्यक्ष निर्वाचित हुए। १० अगस्त २०२५ को मध्य प्रदेश प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के एक समारोह में श्री सरावगी ने अपना पदभार ग्रहण किया।

राष्ट्रीय पदाधिकारीयों के दौरे तथा कार्यक्रमों में भागीदारी : संगठन-विस्तार और महत्वपूर्ण मुद्दों पर विचार-विमर्श हेतु इस सत्र में राष्ट्रीय पदाधिकारीयों ने निम्नवत दौरे किए :-

१३ जून २०२३ : श्री पवन कुमार जालान, राष्ट्रीय संयुक्त महामंत्री का सिक्किम प्रांत के संस्थापक अध्यक्ष के चयन हेतु गैंगटोक दौरा किया गया।

२० जून २०२३ : श्री शिव कुमार लोहिया राष्ट्रीय अध्यक्ष, श्री सुरेंद्र भट्टर, राष्ट्रीय अध्यक्ष युवा मंच, श्री दिनेश जोशी, अध्यक्ष, कटक शाखा, श्री सुभाष केडिया, महामंत्री, कटक शाखा, श्री सुरेश कमानी, पूर्व कटक शाखाध्यक्ष एवं अन्य पदाधिकारीगण के साथ कटक दो दिवसीय दौरे पर पूरी रथ यात्रा के लिए शिविर में भाग लिया।

१ अगस्त २०२३ : श्री कैलाशपति तोदी, राष्ट्रीय महामंत्री, श्री गोविंद अग्रवाल, प्रांतीय अध्यक्ष उत्कल प्रांत, श्री अशोक जालान, पूर्व राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं पूर्व प्रांतीय अध्यक्ष उत्कल प्रांत, श्री जयदयाल अग्रवाल, प्रांतीय महामंत्री, उत्कल एवं प्रांतीय/शाखा के पदाधिकदारीगण के साथ उत्कल प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के 'संबलपुर दिवस' के आयोजन में भाग लिया एवं कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई।

८ अगस्त २०२३ : श्री कैलाशपति तोदी, राष्ट्रीय महामंत्री श्री पवन जालान, राष्ट्रीय संयुक्त महामंत्री, श्रीनंद किशोर अग्रवाल, प्रांतीय अध्यक्ष एवं श्री विश्वनाथ भुवालका एवं शाखा के पदाधिकारीगण संग पश्चिम बंग प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के पश्चिम दुर्गापुर, आसनसोल एवं बांकुड़ा शाखाओं की संयुक्त बैठक में भाग लिया।

१९ अगस्त २०२३ : श्री मधुसूदन सीकरिया, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष की उपस्थिति से सिक्किम प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन का गठन हुआ एवं श्री रमेश पेड़िवाल प्रांतीय अध्यक्ष नियुक्त हुए।

२६-२७ अगस्त २०२३ : को श्री शिव कुमार लोहिया, राष्ट्रीय अध्यक्ष, श्री कैलाशपति तोदी, राष्ट्रीय महामंत्री, श्री महेश जालान, राष्ट्रीय संगठनमंत्री, श्री युगल किशोर अग्रवाल, प्रांतीय अध्यक्ष, बिहार प्रांत, श्री मुकेश हिसारिया, समिति के सदस्य एवं अन्य प्रांत/शाखा के पदाधिकारीगण के साथ तख्त श्री हरिमंदिर जी का दर्शन, चक्षु परिक्षण शिविर एवं मां ब्लड सेंटर जैसी सेवा समितियों का दौरा। साथ ही पटना में प्रमंडल एवं शाखा अधिकारियों के साथ सम्मेलन की भावी कार्यक्रमों पर विचार-विमर्श किया गया।

६ सितंबर २०२३ : श्री मधुसूदन सीकरिया, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष के गुजरात आगमन पर गुजरात प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन की 'सूरत जिला इकाई' का गठन किया गया।

२६ नवंबर २०२३ : श्री राज कुमार केडिया, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं श्री महेश जालान, राष्ट्रीय संगठन मंत्री के मध्य प्रदेश आगमन पर मध्य प्रदेश प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन की कटनी शाखा का गठन हुआ।

३ दिसंबर २०२३ : श्री कैलाशपति तोदी, राष्ट्रीय महामंत्री के झारखंड (जमशेदपुर) आगमन पर श्री निर्मल काबरा, पूर्व प्रांतीय अध्यक्ष, झारखंड, श्री ओम रिंगसिया, श्री मुकेश मित्तल, अध्यक्ष, पूर्वी सिंहभूम जिला मारवाड़ी सम्मेलन एवं प्रांतीय युवा मंच एवं प्रांतीय महिला सम्मेलन के पदाधिकारीगण संग साकची एवं जुगसलाई शाखा में आयोजित 'राजस्थान दिवस कार्यक्रम' में तकरीबन ४००० से अधिक लोगों की उपस्थिति में शामिल होकर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई।

१७ दिसंबर २०२३ : श्री कैलाशपति तोदी, राष्ट्रीय महामंत्री, के पुनः झारखंड के दुमका आगमन पर श्री बसंत मित्तल, प्रांतीय अध्यक्ष झारखंड एवं प्रांतीय पदाधिकारीगण संग झारखंड प्रांत की कार्यकारिणी एवं तृतीय प्रमंडलीय अधिवेशन की बैठक में शामिल हुए एवं सम्मेलन के संगठन विस्तार एवं भावी कार्यक्रमों पर विचार-विमर्श किया।

६ जनवरी २०२४ : श्री रंजीत जालान, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, श्री महेश जालान, राष्ट्रीय संगठन मंत्री, श्री संतोष खेतान, प्रादेशिक अध्यक्ष, द्वारा संगठन विस्तार, ऋषिकेश एवं रुड़की में नई शाखा खोलने हेतु उत्तराखंड का दौरा किया।

१० जनवरी २०२४ : श्री कैलाशपति तोदी, राष्ट्रीय महामंत्री, एवं श्री अनिल जाजोदिया पूर्व राष्ट्रीय उपाध्यक्ष व पूर्व प्रांतीय अध्यक्ष उ.प्र., श्री उमाशंकर अग्रवाल, पूर्व प्रांतीय अध्यक्ष, शाखा अध्यक्ष/महामंत्री सह अन्य कार्यकर्तागण के साथ एक सभा को संबोधित किया एवं सम्मेलन की गतिविधियों एवं भावी कार्यक्रमों पर विचार-विमर्श किया। साथ ही उत्तर प्रदेश में नई शाखाओं को खोलने पर बात हुई।

५ फरवरी २०२४ : श्री मधुसूदन सीकरिया, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष के केरल आगमन पर कोच्चि में एक सभा का आयोजन किया गया। सभा में सदस्यता विस्तार एवं नई शाखाओं को खोलने पर चर्चा हुई।

५-१० फरवरी २०२४ : श्री कैलाशपति तोदी, राष्ट्रीय महामंत्री, श्री संजय हरलालका, निवर्तमान राष्ट्रीय महामंत्री, डॉ. गोविंद अग्रवाल, प्रांतीय अध्यक्ष, उत्कल, के छत्तीसगढ़ आगमन पर श्री पुरुषोत्तम सिंघानिया, प्रांतीय अध्यक्ष, श्री अगर बंसल, प्रांतीय महामंत्री एवं श्री सुरेश चौधरी प्रांतीय कोषाध्यक्ष के साथ रायपुर, रायगढ़, रायगढ़-२, खरसिया, शक्ति, चांपा, निहला-जाजगीर एवं बिलासपुर में नई शाखाएँ खोलने हेतु दौरा किया गया। जिसमें रायपुर, सक्ति शाखा का गठन किया गया। साथ ही स्थानीय लोगों के साथ बैठक कर सम्मेलन की उपलब्धियाँ, गतिशीलता एवं कार्यों की जानकारी दी गई।

मार्च २०२४ : श्री मधुसूदन सीकरिया, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष के गुजरात, सूरत आगमन पर एक सभा का आयोजन किया गया। बैठक में गुजरात में सूरत एवं अन्य शाखाओं के गठन हेतु विचार-विमर्श किया गया।

२४-२९ मार्च २०२४ : श्री शिव कुमार लोहिया, राष्ट्रीय अध्यक्ष, श्री कैलाशपति तोदी, राष्ट्रीय महामंत्री के पूर्वोत्तर आगमन पर श्री कैलाश चंद काबरा, श्री बिनोद लोहिया, प्रांतीय अध्यक्ष/महामंत्री, पूर्वोत्तर, श्री रमेश चाण्डक, प्रांतीय उपाध्यक्ष, पूर्वोत्तर, मनोज काला एवं श्री श्री बिमल अग्रवाल, श्री बिरेन अग्रवाल, श्री मधुसूदन सिकरिया, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष के साथ पूर्वोत्तर की शिलांग, गुवाहाटी, जीगीरोड, नगांव, बोकाखत, जोरहाट, मोरान, डिब्रूगढ़, तिनसुकिया, तेजपुर, बरपेटा रोड, लखीमपुर, बोंगाईगांव, मोरानहाट, धेमाजी, एवं बंदरदेवा शाखाओं का दौरा किया गया। राष्ट्रीय एवं प्रांतीय नेतृत्व के आगमन पर इन शाखाओं ने बैठक एवं सम्मान समारोह, का आयोजन किया। बैठकों में सम्मेलन की गतिविधियों एवं भावी कार्यक्रमों के बारें में बताया गया। साथ ही नए शाखाओं के गठन हेतु विचार-विमर्श किया गया।

१६ अप्रैल २०२४ : श्री शिव कुमार लोहिया राष्ट्रीय अध्यक्ष झारखंड (जमशेदपुर) सिंहभूम में श्री मुकेश मित्तल, सिंहभूम जिलाध्यक्ष द्वारा आयोजित राजस्थान दिवस के अवसर पर 'आपणो राजस्थान' के कार्यक्रम शिरकत की एवं अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। ५ हजार से अधिक लोगों ने भाग लिया।

७ एवं ९ जून २०२४ : श्री शिव कुमार लोहिया, राष्ट्रीय अध्यक्ष, श्री कैलाशपति तोदी, राष्ट्रीय महामंत्री, श्री पवन जालान, राष्ट्रीय संयुक्त महामंत्री द्वारा पश्चिम बंग प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन की शाखाओं के तीन दिवसीय दौरों की श्रृंखला में श्री नंद किशोर अग्रवाल, प्रांतीय राष्ट्रीय, श्री विश्वनाथ भुवालका के साथ जलपाईगुड़ी एवं सिलीगुड़ी शाखाओं का दौरा किया गया। दौरे के उपरांत शाखाओं के पदाधिकदारीगण संग आयोजित एक संयुक्त बैठक में भाग लिया गया।

८ जून २०२४ : श्री शिव कुमार लोहिया, राष्ट्रीय अध्यक्ष, श्री कैलाशपति तोदी, राष्ट्रीय महामंत्री द्वारा सिक्किम दौरा किया गया। साथ ही प्रांतीय पदाधिकारियों के साथ बैठक कर संगठन विस्तार पर चर्चा हुई।

१५-१६ जून २०२४ : श्री शिव कुमार लोहिया, राष्ट्रीय अध्यक्ष के पुनः बिहार दौरे पर श्री युगल किशोर अग्रवाल, बिहार प्रांतीय अध्यक्ष एवं श्री मुकेश जैन, बिहार प्रांतीय उपाध्यक्ष के साथ भागलपुर, खगड़िया, बेगुसराय, नवगछिया एवं पटना शाखाओं का दौरा किया गया। इस दौरान शाखाओं के साथ आयोजित बैठकों में शामिल हुए एवं शाखाओं को सम्मेलन द्वारा आयोजित कार्यक्रमों के बारें में जानकारियाँ दी गई।

१०-११ अगस्त २०२४ : श्री पवन कुमार जालान, राष्ट्रीय संयुक्त मंत्री द्वारा पूर्वोत्तर प्रांत के जोरहाट शाखा का दौरा किया गया। साथ ही जोरहाट शाखा द्वारा आयोजित एक सभा में शामिल होकर सम्मेलन के कार्यक्रमों के बारें में जानकारियाँ प्रदान की।

२३ अगस्त २०२४ : श्री कैलाशपति तोदी राष्ट्रीय महामंत्री एवं श्री मनोज जैन, बलांगीर शाखाध्यक्ष, उत्कल प्रांत के आंध्र प्रदेश (विजयवाड़ा) में आयोजित सेमिनार 'वास्तु से सफलता की ओर' में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। साथ ही प्रांतीय पदाधिकारी/शाखा पदाधिकदारियों के साथ एक बैठक आयोजित कर सम्मेलन की गतिविधियों, कार्यक्रमों एवं प्रांत में नई शाखाएं खोलने हेतु विचार-विमर्श किया गया।

४ अक्टूबर २०२४ : श्री शिव कुमार लोहिया, राष्ट्रीय अध्यक्ष, श्री कैलाशपति तोदी, राष्ट्रीय महामंत्री एवं श्री संजय हरलालका, निवर्तमान राष्ट्रीय महामंत्री ने उत्कल प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन की बरगढ़, संबलपुर, बलांगीर एवं सोहेला की शाखाओं में आयोजित महाराजा अग्रसेन जयंती समारोह में शामिल होकर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई एवं साथ ही प्रादेशिक पदाधिकारीयों के साथ बैठक कर संगठन-विस्तार एवं भावी कार्यक्रमों पर विचार-विमर्श गिया।

८ नवंबर २०२४ : श्री रंजीत जालान, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, एवं श्री कैलाशपति तोदी राष्ट्रीय महामंत्री ने दिल्ली आगमन पर दिल्ली प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन की प्रांतीय कार्यकारिणी समिति की बैठक में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई।

२२-२३ मार्च २०२५ : पूर्वोत्तर प्रदेशीय मारवाड़ी सम्मेलन के सिलचर में आयोजित १७वें प्रांतीय अधिवेशन में बतौर मुख्य अतिथि श्री शिव कुमार लोहिया, राष्ट्रीय अध्यक्ष, संग श्री कैलाशपति तोदी, राष्ट्रीय महामंत्री ने शिरकत की। श्री कैलाश चंद्र काबरा ने पुनः प्रांतीय अध्यक्ष का पदभार ग्रहण किया।

२८ अप्रैल – १ मई २०२५ : श्री शिव कुमार लोहिया, राष्ट्रीय अध्यक्ष, श्री केदारनाथ गुप्ता, राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष संग उत्तर प्रदेश प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के प्रांतीय अध्यक्ष श्री श्रीगोपाल तुलस्यान संग उत्तर प्रदेश के अयोध्या, बनारस, भदोही एवं लखनऊ का दौरा कर वहाँ के स्थानीय समाजबंधुओं के साथ बैठक की। साथ ही लखनऊ में नई शाखा खोलने को लेकर विचार-विमर्श किया गय। ३० अप्रैल २०२४ को वाराणसी शाखा द्वारा आयोजित एक गोष्ठी में भाग लिया।

१८ मई २०२५ : श्री शिव कुमार लोहिया राष्ट्रीय अध्यक्ष, श्री कैलाशपति तोदी राष्ट्रीय महामंत्री, द्वारा मध्य प्रदेश के इंदौर एवं उज्जैन यात्रा के दौरान श्री विजय कुमार सकलेचा, प्रांतीय अध्यक्ष,

श्री शरद सरावगी, प्रांतीय उपाध्यक्ष के अथक प्रयासों से इंदौर में सम्मेलन की एक नई शाखा का गठन किया गया।

६ जुलाई २०२५ : झारखंड प्रांतीय मारवाड़ी सम्मेलन के धनबाद में आयोजित ९वें प्रांतीय अधिवेशन में बतौर मुख्य अतिथि श्री गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया निवर्तमान राष्ट्रीय अध्यक्ष, श्री कैलाशपति तोदी, राष्ट्रीय महामंत्री, श्री राज कुमार केडिया राष्ट्रीय उपाध्यक्ष ने शिरकत की। श्री सुरेश चंद्र अग्रवाल ने अपना पदभार ग्रहण किया।

२-३ अगस्त २०२५ : बिहार प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के पटना में आयोजित ३२वें प्रादेशिक अधिवेशन में बतौर मुख्य अतिथि सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री शिव कुमार लोहिया, नवनिर्वाचित राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री पवन कुमार गोयनका, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री निर्मल कुमार झुनझुनवाला, राष्ट्रीय महामंत्री श्री कैलाशपति तोदी, राष्ट्रीय संगठनमंत्री श्री महेश जालान एवं उत्तर प्रदेश प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के प्रांतीय अध्यक्ष श्री श्रीगोपाल तुलस्यान ने शिकरत की। श्री राकेश कुमार बंसल ने पदभार ग्रहण किया।

६ अगस्त २०२५ : श्री मधुसूदन सीकरिया, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष के गुजरात आगमन पर गुजरात प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन की 'सूरत जिला इकाई' की नई कार्यकारिणी के गठन में भाग लिया।

१० अगस्त २०२५ : श्री शिव कुमार लोहिया राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं श्री कैलाशपति तोदी राष्ट्रीय महामंत्री ने मध्य प्रदेश प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के प्रांतीय राष्ट्रीय के शपथ ग्रहण समरोह में भाग लिया। श्री शरद सरावगी ने प्रांतीय अध्यक्ष का पदभार संभाला।

स्थापना दिवस समारोह :-

२५ दिसंबर २०२३ को जी.डी. बिड़ला सभागार, कोलकाता में सम्मेलन का ८९वाँ स्थापना दिवस समारोह राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री शिव कुमार लोहिया के सभापतित्व में आयोजित हुआ। इस समारोह में उद्घाटनकर्ता सुप्रसिद्ध समाजसेवी, उद्योगपति श्री राधेश्याम गोयनका, विशिष्ट अतिथि श्री ईश्वर चंद अगरवाला थे। समारोह में श्री ईश्वर चंद अगरवाला ने सम्मेलन को एक करोड़ रुपया सहयोग राशि देने की घोषणा की।

२५ सितंबर २०२४ को राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री शिव कुमार लोहिया की अध्यक्षता में सम्मेलन के ९०वें स्थापना दिवस समारोह का आयोजन बालीगंज के जी.डी. बिरला सभागार में किया गया. समारोह का उद्घाटन राजस्थान विधानसभा के अध्यक्ष श्री वासुदेव जी देवनानी ने किया।

समारोह :

१८ नवंबर २०२३ को राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री शिव कुमार लोहिया की अध्यक्षता में 'दीपावली प्रीति मिलन समारोह' का आयोजन बालीगंज के हल्दीराम बैंक्वेट में किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में सुप्रसिद्ध उद्योगपति एवं समाजसेवी श्री श्याम सुंदर बेरिवाल एवं आईलीड संस्था के चेयरमैन श्री प्रदीप चोपड़ा थे।

४ नवंबर २०२४ को हल्दीराम बैंक्वेट हाल, बालीगंज, कोलकाता में अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन द्वारा **'दीपावली प्रीति मिलन समारोह'** आयोजित की गई। मुख्य अतिथि के रूप में श्री आशीष दवे, जी २४ घंटा, मैथन ग्रुप के चेयरमैन श्री सुभाष अग्रवाल एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में सीए शिवानी साह एवं प्रो. डॉ. पवन पोद्दार थे।

२१ सितंबर २०२४ को सम्मेलन के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं सम्मेलन के पुरोधा पुरुष स्व. नंदकिशोर जालान जन्म शतवार्षिकी समारोह हिंदुस्तान क्लब, कोलकाता में आयोजित हुई। मुख्य अतिथि के रूप में श्री सज्जन भजनका, (सेंचुरी प्लाई), श्री सुरेंद्र भट्टड़, राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिल भारतीय मारवाड़ी युवा मंच, श्री ओम प्रकाश अग्रवाल सुप्रसिद्ध उद्योगपति एवं समाजसेवी थे।

अन्य समारोह में शिरकत

५ नवंबर २०२३ को पश्चिम बंगाल प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के पदभार ग्रहण समारोह में श्री शिव कुमार लोहिया राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं श्री कैलाशपति तोदी राष्ट्रीय महामंत्री शामिल हुए।

२० दिसंबर २०२३ को कोलकाता में आयोजित पश्चिम बंग मारवाड़ी महिला सम्मेलन के रजत जयंती एवं अधिवेशन में बतौर मुख्य अतिथि श्री शिव कुमार लोहिया राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं श्री कैलाशपति तोदी राष्ट्रीय महामंत्री में भाग लिया।

२९ मार्च २०२४ को पश्चिम बंगाल प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन द्वारा आयोजित 'ब्रज की होली' होली मिलन कार्यक्रम में श्री शिव कुमार लोहिया राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं श्री कैलाशपति तोदी राष्ट्रीय महामंत्री शामिल हुए।

१६ अप्रैल २०२४ को झारखंड के जमशेदपुर में राजस्थान दिवस पर आयोजित 'आपणो राजस्थान' कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि श्री शिव कुमार लोहिया राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं श्री कैलाशपति तोदी राष्ट्रीय महामंत्री ने शिरकत की।

७ जुलाई २०२४ को पश्चिम बंगाल प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन द्वारा आयोजित 'प्रतिभा सम्मान' समारोह में श्री शिव कमार लोहिया राष्ट्रीय अध्यक्ष, श्री दिनेश जैन राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, श्री पवन जालान राष्ट्रीय संयुक्त मंत्री ने भाग लिया।

११ अगस्त २०२४ को बिहार प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन की भागलपुर शाखा द्वारा आयोजित श्री लक्ष्मीनारायण डोकानिया के अभिनंदन समारोह में श्री शिव कुमार लोहिया राष्ट्रीय अध्यक्ष ने भाग लिया।

८ सितंबर २०२४ को गुजरात प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन द्वारा आयोजित 'ज्ञान ज्योति' समारोह में श्री शिव कुमार लोहिया, राष्ट्रीय अध्यक्ष, श्री कैलाशपति तोदी, राष्ट्रीय महामंत्री, श्री गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया, निवर्तमान राष्ट्रीय अध्यक्ष, श्री संतोष सराफ, पूर्व राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, श्री रंजीत जालान, श्री मधुसूदन सिकरिया, श्री राज कुमार केडिया, राष्ट्रीय उपाध्यक्षगण, श्री पवन जालान, श्री संजय गोयनका, राष्ट्रीय संयुक्त महामंत्री द्वय एवं अन्य राष्ट्रीय एवं प्रांतीय पदाधिकारीगण ने भाग लिया।

१० दिसंबर २०२४ को राजस्थान सरकार द्वारा आयोजित 'राईजिंग राजस्थान ग्लोबल इंवेस्टमेंट समिट' कार्यक्रम में श्री

कैलाशपति तोदी, राष्ट्रीय महामंत्री, श्री रमेश पेड़ीवाल, सिक्किम प्रांतीय अध्यक्ष, श्री राजेश सोंथलिया, विशिष्ट संरक्षक सदस्य, कोलकाता ने उपस्थिति दर्ज करायी।

११ जनवरी २०२५ को महाराष्ट्र प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन द्वारा जालना में आयोजित 'पधारों म्हारा देश' कार्यक्रम में राष्ट्रीय महामंत्री श्री कैलाशपति तोदी ने शिरकत की।

२९ जून २०२५ को पश्चिम बंगाल प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन द्वारा आयोजित 'प्रतिभा सम्मान' समारोह में श्री शिव कुमार लोहिया राष्ट्रीय अध्यक्ष, श्री कैलाशपति तोदी राष्ट्रीय महामंत्री ने भाग लिया।

५ जुलाई २०२५ को उत्कल प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के केसिंगा शाखा के नवनिर्मित भवन के शुभ उद्घाटन में श्री शिव कुमार लोहिया राष्ट्रीय अध्यक्ष शामिल हुए।

६ जुलाई २०२५ को झारखंड प्रांतीय मारवाड़ी सम्मेलन के धनबाद में नवम प्रांतीय अधिवेषन में श्री गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया, पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राज कुमार केडिया, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, श्री कैलाशपति तोदी, राष्ट्रीय महामंत्री, शामिल हुए।

२-३ अगस्त २०२५ को बिहार प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के पटना में आयोजित ३२वें प्रादेशिक अधिवेशन में श्री शिव कुमार लोहिया राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं श्री केलाशपति तोदी राष्ट्रीय महामंत्री शामिल हुए।

गोष्ठियाँ एवं कार्यक्रम

१५ अगस्त २०२३ को केंद्रीय कार्यालय परिसर में ७७वाँ स्वतंत्रता दिवस समारोह का आयोजन किया गया।

३१ अगस्त २०२३ को केंद्रीय कार्यालय में अखिल भारतीय मारवाड़ी महिला सम्मेलन द्वारा रक्षा बंधन पर भेजी हुयी राखियों को बंधवायी गई।

१६ सितंबर २०२३ को केंद्रीय कार्यालय में 'स्वास्थ्य एवं उन्नत जीवनशैली' विषय पर एक गोष्ठी का आयोजन किया गया। मुख्य वक्ता डॉ. राखी सान्याल ने गोष्ठी को संबोधित किया। इस अवसर पर आमरी अस्पताल द्वारा पश्चिम बंगाल के सदस्यों को 'प्रिविलेज कार्ड' जारी किया गया।

१३ अक्टूबर २०२३ को केंद्रीय कार्यालय में 'सामाजिक परिवर्तन - आज की चुनौतियाँ' विषय पर एक गोष्ठी का आयोजन किया गया। मुख्य वक्ता श्रीमती अलका सरावगी ने गोष्ठी को संबोधित किया।

१८ नवंबर २०२३ को राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री शिव कुमार लोहिया की अध्यक्षता में दीपावली प्रीति मिलन समारोह का आयोजन बालीगंज के हल्दीराम बैंक्वेट में किया गया।

१६ दिसंबर २०२३ को केंद्रीय कार्यालय में 'मारवाड़ी समाज में राजनैतिक चेतना' विषय पर एक गोष्ठी का आयोजन किया गया। मुख्य वक्ताओं श्री शिशिर बाजोरिया एवं श्री रमेश सरावगी ने गोष्ठी को संबोधित किया।

२० जनवरी २०२४ को केंद्रीय कार्यालय में 'स्वास्थ्य एवं स्वस्थ्य जीवनशैली' विषय पर एक गोष्ठी का आयोजन किया गया। मुख्य वक्ता डॉ. विनायक सिंहा ने गोष्ठी को संबोधित किया।

२६ जनवरी २०२४ को केंद्रीय कार्यालय परिसर में ७५वाँ 'गणतंत्र दिवस' समारोह का आयोजन किया गया।

९ मार्च २०२४ को केंद्रीय कार्यालय में 'जहाँ सुमति तहँ संपति नाना' विषय पर एक गोष्ठी का आयोजन किया गया। मुख्य वक्ताओं में डॉ. तारा दुग्गड़ एवं श्री प्रियंकर पालीवाल ने गोष्ठी को संबोधित किया।

५ जून २०२४ को केंद्रीय कार्यालय में 'विश्व पर्यावरण दिवस' विषय पर एक गोष्ठी का आयोजन किया गया। मुख्य वक्ता श्री संतोष मोहता ने गोष्ठी को संबोधित किया।

२१ जून २०२४ को अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन एवं यौगिक संघ के संयुक्त तत्वाधान में ब्रिगेड ग्राउंड, कोलकाता में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर योग गुरु शिविर का आयोजन किया गया।

२९ जून २०२४ को केंद्रीय कार्यालय में 'प्रोस्टेट एवं यूरिनरी इंफेक्शन' विषय पर एक गोष्ठी का आयोजन किया गया। मुख्य वक्ता डॉ. मयंक वैद्य ने गोष्ठी को संबोधित किया। इस अवसर पर मणिपाल अस्पताल द्वारा पश्चिम बंगाल के सदस्यों को 'प्रिविलेज कार्ड' जारी किया गया।

१५ अगस्त २०२४ को केंद्रीय कार्यालय परिसर में ७८वाँ स्वतंत्रता दिवस समारोह का आयोजन किया गया।

१७ अगस्त २०२४ को सीमांत मुख्यालय बीएसएफ, राजरहाट में पर्यावरण संरक्षण पर वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बीएसएफ आईजी मनिंदर प्रताप सिंह पवार एवं श्री संतोष मोहता उपस्थित रहें।

२९ अक्टूबर २०२४ को केंद्रीय कार्यालय में धनतेरस पूरे रीति-रिवाज से श्री गणेश-लक्ष्मी की पूजा की गई।

२१ दिसंबर २०२४ को केंद्रीय कार्यालय में 'सामाजिक विसंगतियाँ एवं उनका क्रियान्वयन' विषय पर एक गोष्ठी का आयोजन किया गया। मुख्य वक्ताओं श्री अरुण चुड़िवाल, श्री सतीश झुनझुनवाला एवं श्रीमती ममता बिनानी ने गोष्ठी को संबोधित किया।

१८ जनवरी २०२५ को केंद्रीय कार्यालय में 'समाज में सकरात्मकता के विकास के उपाय' विषय पर एक गोष्ठी का आयोजन किया गया। मुख्य वक्ता श्री प्रिंयकर पालीवाल ने गोष्ठी को संबोधित किया।

२६ जनवरी २०२४ को केंद्रीय कार्यालय परिसर में ७६वाँ 'गणतंत्र दिवस' समारोह का आयोजन किया गया।

२२ फरवरी २०२५ को केंद्रीय कार्यालय में 'मारवाड़ी कहावतों का संसार' विषय पर एक गोष्ठी का आयोजन किया गया। मुख्य वक्ता श्री राजेंद्र केडिया ने गोष्ठी को संबोधित किया।

८ मार्च २०२५ को केंद्रीय कार्यालय में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर 'राजस्थान की नारियाँ' विषय पर एक गोष्ठी

का आयोजन किया गया। मुख्य वक्ताओं श्री हिंगलाज दान रतनू, सहायक निदेशक, सूचना एवं जनसंपर्क विभाग, राजस्थान सरकार एवं श्रीमती नयना मोर ने गोष्ठी को संबोधित किया।

८ मार्च २०२५ को केंद्रीय कार्यालय में पुस्तकालय का उद्घाटन श्री हिंगलाज दान रतनू, सहायक निदेशक, सूचना एवं जनसंपर्क विभाग, राजस्थान सरकार, श्री बंशीधर शर्मा, साहित्यकार एवं श्री शिव कुमार लोहिया राष्ट्रीय अध्यक्ष के कर कमलों से हुआ।

२९ मार्च २०२५ को केंद्रीय कार्यालय में राजस्थान दिवस के अवसर पर 'आधुनिक व्यापारिक प्रबंधन से भरी मारवाड़ी युक्तियाँ' विषय पर एक गोष्ठी का आयोजन किया गया। मुख्य वक्ता श्री बनवारी लाल मित्तल ने गोष्ठी को संबोधित किया।

२५ अप्रैल २०२५ को केंद्रीय कार्यालय परिसर में पहलगाम आतंकी हमलों में मारे गए लोंगो के लिए श्री शिव कुमार लोहिया राष्ट्रीय अध्यक्ष के नेतृत्व में एक श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया।

१० मई २०२५ को केंद्रीय कार्यालय में 'कृतज्ञता - सफलता का सूत्र' विषय पर एक गोष्ठी का आयोजन किया गया। मुख्य वक्ता श्री संदीप मस्करा ने गोष्ठी को संबोधित किया।

२५ मई २०२५ को कोलकाता स्थित जी.डी. बिड़ला सभागार में श्री शिव कुमार लोहिया राष्ट्रीय अध्यक्ष के नेतृत्व में 'व्यवसाय और परिवारों में मारवाड़ी की सफलता के लिए नए नियम' विषय पर एक भव्य गोष्ठी का आयोजन किया गया। मुख्य वक्ता डॉ. उज्ज्वल पाटनी ने गोष्ठी को संबोधित किया।

७ जून २०२५ को केंद्रीय कार्यालय में 'मायड़ भाषा' को अग्रसित करने के उद्देश्य से 'राजस्थानी सीखो कक्षा का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम के निदेशक श्री तपन कुमार गाड़ोदिया है।

शिविरों का विवरण

९ जुलाई २०२३ को केंद्रीय कार्यालय में 'आज की बोधशाला' नामक प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर के लाईफ कोच एवं प्रेरक वक्ता श्री अनिल कुमार जाजोदिया एवं श्री प्रमोद मालू रहे।

२६ मई २०२४ को मेवाड़ बैंक्वेट, साल्टलेक, कोलकाता में 'नए दृष्टिकोण वाला शिविर' का आयोजन किया गया। इस शिविर के मुख्य संचालक पूज्य परम आलेय जी थे। इस शिविर में २०० से अधिक लोंगो ने भाग लिया।

सम्मानः

२५ दिसंबर २०२३ को जी.डी. बिड़ला सभागार, कोलकाता में सम्मेलन का ८९वाँ स्थापना दिवस समारोह में भगवान महावीर विकलांग सहायता समिति के संस्थापक एवं मुख्य संरक्षक पद्मभूषण डॉ. देवेंद्र राज मेहता को 'मारवाड़ी सम्मेलन राजस्थानी व्यक्तित्व सम्मान - २०२३' से सम्मान से सम्मानित किया गया। इस समारोह के मुख्य अतिथि सुप्रसिद्ध उद्योगपति एवं समाजसेवी श्री राधेश्याम गोयनका एवं विशिष्ट अतिथि सुप्रसिद्ध उद्योगपति एवं समाजसेवी श्री ईश्वर चंद अग्रवाल उपस्थित थे।

९ फरवरी २०२५ को हिंदुस्तान क्लब, कोलकाता में सुप्रसिद्ध उद्योगपति एवं समाजसेवी, श्री सिमेंट के चेयरमैन एमेरिट्स, श्री बेणुगोपाल बांगड़ को 'मारवाड़ी सम्मेलन राजस्थानी व्यक्तित्व सम्मान-२०२४' से सम्मानित किया गया। इस समारोह के प्रधान अतिथि महामहिम राज्यपाल पंजाब के श्री गुलाबचंद कटारिया जी की उपस्थित थे।

२१ फरवरी २०२४ को कोलकाता के हल्दीराम बैंक्वेट हाल में श्री बंशीधर शर्मा, कोलकाता से सीताराम रुँगटा राजस्थानी भाषा साहित्य सम्मान एवं डॉ. मदन गोपाल लड्ढ़ा, बीकानेर, राजस्थान से केदारनाथ- भागीरथी देवी कानोड़िया राजस्थानी बाल-साहित्य सम्मान - राजस्थानी साहित्य सम्मान समारोह - २०२३ से सम्मानित किया गया।

१ मार्च २०२५ को कोलकाता के हिंदुस्तान क्लब में डॉ. मंगत बादल, श्री गंगानगर, राजस्थान से सीताराम रुँगटा राजस्थानी भाषा साहित्य सम्मान एवं श्री रामजीलाल घोड़ेला, लुनकरणसर, राजस्थान से केदारनाथ- भागीरथी देवी कानोड़िया राजस्थानी बाल-साहित्य सम्मान - राजस्थानी साहित्य सम्मान समारोह - २०२४ से सम्मानित किया गया। इस समारोह में मुख्य अतिथि राजस्थान फाउंडेशन के कमिश्नर डॉ. मनीषा अरोड़ा एवं विशिष्ट अतिथि सुप्रसिद्ध उद्योगपति श्री गोविंद शारदा शामिल थे।

अन्य प्रतिष्ठित व्यक्तियों का सम्मान :

२७ अगस्त २०२३ को बिहार चैंबर ऑफ कामर्स एवं इंडस्ट्रीज सभागार में अल्पसंख्यक आयोग के सदस्य, बिहार सरकार श्री मुकेश जैन का सम्मान किया गया।

१५ जनवरी २०२४ को केंद्रीय कार्यालय में साहित्यकार श्री देवी लाल महिया का सम्मान किया गया।

२४ अप्रैल २०२४ को केंद्रीय कार्यालय में राजस्थान के प्रख्यात लेखक श्री राजेंद्र जोशी का सम्मान किया गया।

२९ अप्रैल २०२४ को केंद्रीय कार्यालय में साहित्यकार डॉ. चेतन स्वामी का सम्मान किया गया।

२४ मई २०२४ को केंद्रीय कार्यालय में जोरहाट साहित्य सभा के अध्यक्ष श्री जुगल किशोर अग्रवाल का स्वागत किया गया।

८ जून २०२४ को केंद्रीय कार्यालय में नेशनल एक्सप्रेस के प्रधान संपादक श्री विपिन कुमार गुप्ता एवं भारतीय जीवजंतु कल्याण बोर्ड, भारत सरकार के डॉ. श्रीकृष्ण मित्तल का स्वागत किया गया।

७ जनवरी २०२५ को केंद्रीय कार्यालय में अखिल भारतीय मारवाड़ी युवा मंच के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री विकास अग्रवाल का सम्मान किया गया।

७ जून २०२५ को केंद्रीय कार्यालय में फेडरेशन ऑफ आल इंडिया ट्रेडर्स एसोसिएशन के नवनिर्वाचित राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री सुशील पोद्दार का सम्मान किया गया।

भेंट वार्ता :

२६ सितंबर २०२३ को दिल्ली में महामहिम राष्ट्रपति भारत,

श्रीमती द्रोपदी मुर्मु से सम्मेलन के श्री शिव कुमार लोहिया, राष्ट्रीय अध्यक्ष, श्री गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया, निवर्तमान राष्ट्रीय अध्यक्ष, श्री संतोष सराफ, पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष, श्री दिनेश कुमार जैन, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, श्री पवन कुमार गोयनका, पूर्व राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, श्री कैलाशपति तोदी, राष्ट्रीय महामंत्री, श्री संजय हरलालका, निवर्तमान राष्ट्रीय महामंत्री, श्री लक्ष्मीपत भूतोड़िया, दिल्ली प्रांतीय अध्यक्ष की शिष्टाचार भेंट हुई। प्रतिनिधिमंडल ने सम्मेलन की गतिविधियों की जानकारी दी।

७ जून २०२३ को कोलकाता में महामहिम राज्यपाल पश्चिम बंग डॉ. सी. वी. आनंद बोस से श्री शिव कुमार लोहिया, राष्ट्रीय अध्यक्ष, श्री संतोष सराफ, पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष, श्री दिनेश कुमार जैन, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, श्री कैलाशपति तोदी, राष्ट्रीय महामंत्री, श्री पवन कुमार जालान, राष्ट्रीय संयुक्त महामंत्री की मुलाकात हुई एवं उन्हें सम्मेलन के बारे में जानकारियाँ दी गई।

१५ जुलाई २०२३ को कोलकाता में आचार्य श्री महाश्रमण जी के सुशिष्य मुनि श्री जिनेश कुमार जी से श्री शिव कुमार लोहिया, राष्ट्रीय अध्यक्ष, श्री कैलाशपति तोदी, राष्ट्रीय महामंत्री, श्री मनोज जैन, बलांगीर शाखा, उत्कल के अध्यक्ष की मुलाकात हुई।

१२ अगस्त २०२३ को कोलकाता में सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीष न्यायमुर्ति श्री राजेश बिंदल से श्री शिव कुमार लोहिया, राष्ट्रीय अध्यक्ष, श्री संतोष सराफ, श्री कैलाशपति तोदी, राष्ट्रीय महामंत्री ने मुलाकात की।

१३ अगस्त २०२३ को कोलकाता में महामहिम राज्यपाल असम श्री गुलाब चंद कटारिया से श्री शिव कुमार लोहिया, राष्ट्रीय अध्यक्ष, श्री संतोष सराफ, पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष, श्री दिनेश कुमार जैन, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, श्री कैलाशपति तोदी, राष्ट्रीय महामंत्री, श्री पवन कुमार जालान एवं संजय गोयनका राष्ट्रीय संयुक्त महामंत्री द्वय, तथा श्री अरुण मल्लावत से मुलाकात हुई।

१३ दिसंबर २०२३ को कोलकाता में वित्त मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) पश्चिम बंग सरकार श्रीमती चंद्रिमा भट्टाचार्य से श्री शिव कुमार लोहिया, राष्ट्रीय अध्यक्ष, श्री कैलाशपति तोदी, राष्ट्रीय महामंत्री शिष्टाचार भेंट हुई।

१८ दिसंबर २०२३ को कोलकाता में पूज्य स्वामी चिदानंद सरस्वती, परमार्थ निकेतन ऋषिकेश से श्री शिव कुमार लोहिया, राष्ट्रीय अध्यक्ष, श्री दिनेश कुमार जैन, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, पवन कुमार जालान, राष्ट्रीय संयुक्त महामंत्री ने मुलाकात की।

२८-२९ मार्च २०२४ को गुवाहाटी में माननीय मुख्यमंत्री असम सरकार श्री हिमंता बिस्वा शर्मा से श्री शिव कुमार लोहिया, राष्ट्रीय अध्यक्ष, श्री कैलाशपति तोदी, राष्ट्रीय महामंत्री एवं पूर्वोत्तर अध्यक्ष श्री कैलाश चंद काबरा ने शिष्टाचार भेंट की।

८ मई २०२४ को कोलकाता में शहरी विकास और स्वशासन विभाग राज्यमंत्री, राजस्थान सरकार श्री झाबर सिंह खर्रा एवं नागरिक उड्डयनमंत्री राजस्थान सरकार श्री गौतम कुमार दक से श्री कैलाशपति तोदी, राष्ट्रीय महामंत्री, श्री केदारनाथ गुप्ता, राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष एवं श्री अजय कुमार अग्रवाल तकनीक एवं वेबसाइट उपसमिति चेयरमैन ने मुलाकात की।

१५ मई २०२४ को कोलकाता में माननीय मुख्यमंत्री राजस्थान सरकार, श्री भजनलाल शर्मा एवं केंद्रीय राज्यमंत्री भारत सरकार श्री अर्जुन राम मेघवाल से श्री शिव कुमार लोहिया, राष्ट्रीय अध्यक्ष, श्री दिनेश कुमार जैन, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, श्री संजय गोयनका, राष्ट्रीय संयुक्त महामंत्री, श्री केदारनाथ गुप्ता राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष ने शिष्टाचार भेंट की।

२१ जुलाई २०२४ को बेंगलुरु, कर्नाटक में महामहिम राज्यपाल, कर्नाटक, श्री थावरचंद गहलोत से श्री शिव कुमार लोहिया, राष्ट्रीय अध्यक्ष, श्री गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया निवर्तमान राष्ट्रीय अध्यक्ष, डॉ. सुभाष अग्रवाल, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, श्री केदारनाथ गुप्ता, राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष ने शिष्टाचार भेंट की।

११ जनवरी २०२५ को दिल्ली में महामहिम राज्यपाल राजस्थान श्री हरिभाऊ बागड़े से श्री कैलाशपति तोदी, राष्ट्रीय महामंत्री ने मुलाकात की एवं सम्मेलन की गतिविधियों से उनको अवगत कराया।

२० जुलाई २०२५ को छत्तीसगढ़ में महामहिम राज्यपाल छत्तीसगढ़ श्री रामन डेका से श्री शिव कुमार लोहिया, राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं श्री कैलाशपति तोदी, राष्ट्रीय महामंत्री ने शिष्टाचार भेंट की।

संविधान संशोधनः

लगातार तीन बैठकों के उपरांत (२० जुलाई २०२४) बेंगलुरु, कर्नाटक में संविधान उपसमिति की बैठक में सम्मेलन के संशोधित संविधान का फाइनल प्रारुप उक्त बैठक में उपस्थित सदस्यों के द्वारा पारित किया गया। उसके उपरांत आगामी ८ सितंबर २०२४ की सूरत, आतिथ्य प्रांत गुजरात प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन की अखिल भारतीय समिति की बैठक में संविधान की धारा २६ (१) की धारा के तहत उक्त बैठक में उपस्थित सदस्यों के तीन-चौथाई बहुमत से उस परिवर्तन को पारित कराने के पश्चात यह संविधान संशोधन संपन्न हुआ।

सम्मेलन की सुविधाओं के आधुनिकरण के लिए किए गए कार्य :

सम्मेलन भवन के निर्माण की कार्यवाईः कोलकाता में सम्मेलन भवन जो कि वर्षो से रुका हुआ था, उसके निर्माण की प्रक्रिया के लिए आवश्यक कार्रवाई संपन्न। प्लान की अनुमति मिल चुकी है जल्द ही भवन निर्माण का कार्य प्रारंभ हो जाएगा।

राष्ट्रीय कार्यालय का म्यूटेशन संपन्नः २०१७ से लंबित सम्मेलन कार्यालय के कार्पोरेशन टैक्स को जमा कर कार्यालय का म्युटेशन करवाया गया। वर्तमान में २५-२६ तक टैक्स को जमा करा दिया गया हैं।

राष्ट्रीय कार्यालय का नवीकरणः १) राष्ट्रीय कार्यालय में किताबों के रखने हेतु सेल्फ का निर्माण कराया गया और बाकी सेल्फ को ठीक कराया गया। २) पुराने सम्मेलन कार्यालय से लायी गई किताबों एवं नयी किताबों को पुस्तकालय हेतु संरक्षित किया गया। ३) राष्ट्रीय कार्यालय का सौंदर्यीकरण नई कुर्सिया, कांच की गेट पर बैकग्राउंड, सम्मेलन का साईनबोर्ड लगाया गया। ४) दानदाताओं के नाम का बोर्ड लगाया गया। ५) राष्ट्रीय कार्यालय को सुसज्जित एवं व्यवस्थित किया गया। ६) केंद्रीय सभागार में ११ पीस स्पीकर एवं माईक कॉन्फ्रेंस सिस्टम को लगाया गया।

सीताराम रूंगटा मारवाड़ी सम्मेलन भवन के बिल्डिंग प्लान की मंजूरी

सम्मेलन की यात्रा में एक मील का पत्थर

अत्यंत ही हर्ष का विषय है कि वर्षों की प्रतिक्षा के उपरांत अंततः सम्मेलन भवन के निर्माण कार्य में एक बहुत बड़ी उपलब्धि हासिल हुई हैं। सीताराम रुंगटा मारवाड़ी सम्मेलन भवन का बिल्डिंग प्लान को कोलकाता म्युनिसिपल कॉरपोरेशन ने अपनी स्वीकृति प्रदान कर दी हैं। भवन निर्माण उपसमिति के चेयरमैन एवं पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री संतोष सराफ एवं संयोजक श्री पवन जालान एवं सभी सदस्य बधाई के पात्र हैं।

वर्तमान सत्र के प्रारंभ से ही भवन निर्माण के कार्य के महत्व देते हुए पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री संतोष सराफ एवं संयोजक श्री पवन जालान के नेतृत्व में भवन निर्माण उप समिति ने लगातार सब प्रकार की प्रतिकूलताओं से ऊपर उठते हुए अपनी अग्रगति बनाई रखी। २१ अप्रैल २०२४ में राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति में इस विषय पर गहन चर्चा हुई एवं भवन निर्माण के लिए निम्नलिखित प्रस्ताव पास किए गए:

"पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं भवन निर्माण उपसमिति के चेयरमैन श्री संतोष सराफ एवं श्री पवन जालान ने उपस्थित सदस्यों को भवन निर्माण से जुड़ी सभी गतिविधियों से अवगत करवाया।" राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री लोहिया ने भवन निर्माण उपसमिति की बैठक में हुई चर्चा के मद्देनजर राजा राममोहन राय स्थित सम्मेलन भवन के निर्माण हेतु पहल का स्वागत किया। **'एस. आर. रुंगटा ग्रुप'** के सहयोग के प्रस्ताव का सम्मेलन द्वारा स्वागत किया एवं उनके प्रति आभार प्रकट किया। साथ ही श्री लोहिया ने भवन के निर्माण हेतु सम्मेलन की निधि से ५० लाख रूपए तक की धनराशि खर्च करने के अधिकार हेतु राष्ट्रीय कार्यकारिणी के समक्ष प्रस्ताव रखा, जिसको सर्व सम्मति से पारित किया गया।"

भवन निर्माण के विषय में यह एक निर्णायक मोड़ था। अप्रैल २०२४ के अपनी बात में मैंने 'आपणी बात' कालम में **'अप्रैल २०२४ सम्मेलन में ऐतिहासिक निर्णय का माह'** शीर्षक देते हुए। अपनी निम्नलिखित विचार व्यक्त किया था :-

"अप्रैल २०२४ सम्मेलन के लिए एक ऐतिहासिक निर्णय के माह के रूप में अंकित हो गया है। इस महीने की ८ तारीख को भवन निर्माण उपसमिति ने 'एस. आर. रुंगटा ग्रुप' के सहयोग से राजा राममोहन राय सरणी स्थित सम्मेलन की भूमि पर **'सीताराम रुँगटा मारवाड़ी सम्मेलन भवन'** निर्माण के प्रस्ताव को अंतिम रुप दिया।"

'इस चार मंजिला भवन की कुल लागत ४.७५ करोड़ आने का आंकलन किया गया है।' इस भवन निर्माण में लगने वाली राशि ४.२५ करोड़ का अनुदान 'एस. आर. रुंगटा ग्रुप' द्वारा दिया जाएगा। भवन निर्माण से संबंधित म्युनिसिपल टैक्स, आर्किटेक्टकी फीस, निरीक्षण-परिक्षण के लिए कार्यकारी सहयोगियों की नियुक्ति आदि के लिए ५० लाख का प्रावधान अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन की निधि से दिया जाएगा। दिनांकः २१ अप्रैल को आयोजित कार्यकारिणी समिति ने इस संबंध में एक ऐतिहासिक निर्णय लेते हुए इन खर्चों के लिए ५० लाख तक खर्च करने का अधिकार राष्ट्रीय पदाधिकारी को प्रदान किया है। इस तरह वर्षों से लंबित इस कार्य को गति प्राप्त करते देख मुझे अत्यंत गौरव एवं आत्म संतुष्टि का बोध हो रहा है। इस ऐतिहासिक महती निर्णय में मेरी किंचित भूमिका मेरे जीवन की थाती बनकर रहेगी। इसके लिए मैं भूतपूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं भवन निर्माण उपसमिति के चेयरमैन श्री संतोष सराफ एवं श्री पवन जालान के अथक प्रयासों का तहे दिल से सराहना करता हूँ। 'एस. आर. रुंगटा ग्रुप' के प्रति सम्मेलन की तरफ से मैं आभार प्रकट करता हूँ। मुझे आशा ही नहीं पूर्ण विश्वास है कि अगले दो वर्षों में भवन बनकर समाज एवं सम्मेलन की सेवा के लिए तैयार हो जाएगा।"

रक्षा बंधन

रक्षा बंधन का पर्व विशेष रूप से भावनाओं और संवेदनाओं का पर्व है, एक ऐसा बंधन जो दो जनों को स्नेह की धागे से बांध ले, रक्षा बंधन को भाई - बहन तक ही सीमित रखना सही नहीं होगा, बल्कि ऐसा कोई भी बंधन जो किसी को भी बांध सकता है, भाई - बहन के रिश्तों की सीमाओं से आगे बढ़ते हुए यह बंधन आज गुरु का शिष्य को राखी बांधना, एक भाई का दूसरे भाई को, बहनों का आपस में राखी बांधना और दो मित्रों का एक-दूसरे को राखी बांधना, माता-पिता का संतान को राखी बांधना हो सकता है।

आज के परिपेक्ष्य में राखी केवल बहन का रिश्ता स्वीकारना नहीं है अपितु राखी का अर्थ है, जो यह श्रद्धा व विश्वास का धागा बांधता है, वह राखी बंधवाने वाले व्यक्ति के दायित्वों को स्वीकार करता है, उस रिश्ते को पूरी निष्ठा से निभाने की कोशिश करता है।

स्कन्ध पुराण, पद्मपुराण और श्रीमद्‌भागवत में वामनावतार नामक कथा में रक्षाबन्धन का प्रसंग मिलता है।

कथा कुछ इस प्रकार है, दानवेन्द्र राजा बलि ने जब १०० यज्ञ पूर्ण कर स्वर्ग का राज्य छीनने का प्रयत्न किया तो इन्द्र आदि देवताओं ने भगवान विष्णु से प्रार्थना की। तब भगवान वामन अवतार लेकर ब्राह्मण का वेष धारण कर राजा बलि से भिक्षा माँगने पहुँचे। गुरु के मना करने पर भी बलि ने तीन पग भूमि दान कर दी। भगवान ने तीन पग में सारा आकाश पाताल और धरती नापकर राजा बलि को रसातल में भेज दिया। इस प्रकार भगवान विष्णु द्वारा बलि राजा के अभिमान को चकनाचूर कर देने के कारण यह त्योहार बलेव नाम से भी प्रसिद्ध है। कहते हैं एक बार बलि रसातल में चला गया तब बलि ने अपनी भक्ति के बल से भगवान को रात-दिन अपने सामने रहने का वचन ले लिया। भगवान के घर न लौटने से परेशान लक्ष्मी जी को नारद जी ने एक उपाय बताया। उस उपाय का पालन करते हुए लक्ष्मी जी ने राजा बलि के पास जाकर उसे रक्षाबन्धन बांधकर अपना भाई बनाया और अपने पति भगवान विष्णु को अपने साथ ले आयीं। उस दिन श्रावण मास की पूर्णिमा तिथि थी। विष्णु पुराण के एक प्रसंग में कहा गया है कि श्रावण की पूर्णिमा के दिन भगवान विष्णु ने हयग्रीव के रूप में अवतार लेकर वेदों को ब्रह्मा के लिये फिर से प्राप्त किया था। भगवान हयग्रीव को विद्या और बुद्धि का प्रतीक माना जाता है।

हाथ जोड़कर प्रार्थना क्यों करते हैं?

बच्चों, जब हम दोनों हाथ जोड़ते हैं, तो हमारा मन एक जगह टिकता है।

हाथ जोड़ने का मतलब होता है – "हे भगवान! मेरे मन, वचन और कर्म को एक जैसा बना दो।"

जब हम प्रार्थना करते हैं, तो हम खुद को ईश्वर के सामने 'विनम्र और शांत' बनाते हैं।

उस समय हमारा मन चंचल नहीं होता – और यही 'ध्यान और भक्ति' की शुरुआत है।

दोनों हथेलियों को जोड़ने से शरीर की 'ऊर्जा रेखाएं मिलती हैं' – जिससे मन में शांति और शक्ति आती हैं।

इसीलिए, प्रार्थना केवल शब्द नहीं है – वह हमारे जीवन को सुंदर बनाने की शुरुआत हैं।

'जब भी प्रार्थना करो, मन से करो – प्रेम से करो।

कृतज्ञता का उजास

माता-पिता की प्रति आभार

हमारे जीवन की नींव, हमारे मार्गदर्शक–माता-पिता।

उनका निस्वार्थ प्रेम, तपस्या और त्याग ही हमारे अस्तित्व का आधार है। वे हमें बिना किसी अपेक्षा के सहारा देते हैं, हमारी हर गिरावट में साथ खड़े रहते हैं। उनके प्रति आभार प्रकट करना केवल एक औपचारिकता नहीं, बल्कि हमारी आत्मा की आवाज़ है। उनकी छाया में ही जीवन का सच्चा सुख और संतुल्न मिलता है। आज, इस क्षण में, हम नतमस्तक होकर उनके प्रति अपना कृतज्ञ हृदय अर्पित करते हैं। **धन्यवाद, माता-पिता**

अंतिम सत्य

ऐसी उपनिषद में प्यारी कथा है। याज्ञवल्क्य छोड़ कर जा रहा है।

जीवन के अंतिम दिन आ गए हैं और अब वह चाहता है कि दूर खो जाए किन्हीं पर्वतों की गुफाओं में।

उसकी दो पत्नियां थीं और बहुत धन था उसके पास। वह उस समय का प्रकांड पंडित था। उसका कोई मुकाबला नहीं था पंडितों में। तर्क में उसकी प्रतिष्ठा थी। ऐसी उसकी प्रतिष्ठा थी कि कहानी है कि जनक ने एक बार एक बहुत बड़ा सम्मेलन किया और एक हजार गौएं, उनके सींग सोने से मढ़वा कर और उनके ऊपर बहुमूल्य वस्त्र डाल कर महल के द्वार पर खड़ी कर दीं और कहा: जो पंडित विवाद जीतेगा, वह इन हजार गौओं को अपने साथ ले जाने का हकदार होगा। यह पुरस्कार है।

बड़े पंडित इकट्ठे हुए। दोपहर हो गई। बड़ा विवाद चला। कुछ तय भी नहीं हो पा रहा था कि कौन जीता, कौन हारा। और तब दोपहर को याज्ञवल्क्य आया अपने शिष्यों के साथ। दरवाजे पर उसने देखा–गौएं खड़ी-खड़ी सुबह से थक गई हैं, धूप में उनका पसीना बह रहा है। उसने अपने शिष्यों को कहा, ऐसा करो, तुम गौओं को खदेड़ कर घर ले जाओ, मैं विवाद निपटा कर आता हूँ।

जनक की भी हिम्मत नहीं पड़ी यह कहने की कि यह क्या हिसाब हुआ, पहले विवाद तो जीतो! किसी एकाध पंडित ने कहा कि यह तो नियम के विपरीत है – पुरस्कार पहले ही!

लेकिन याज्ञवल्क्य ने कहा, मुझे भरोसा है। तुम फिक्र न करो। विवाद तो मैं जीत ही लूंगा, विवादों में क्या रखा है। लेकिन गौएं थक गई हैं, इन पर भी कुछ ध्यान करना जरूरी है।

शिष्यों से कहा, तुम फिक्र ही मत करो, बाकी मैं निपटा लूंगा।

शिष्य गौएं खदेड़ कर घर ले गए। याज्ञवल्क्य ने विवाद बाद में जीता। पुरस्कार पहले ले लिया।बड़ी प्रतिष्ठा का व्यक्ति था। बहुत धन उसके पास था। बड़े समाट उसके शिष्य थे। और जब वह जाने लगा, उसकी दो पत्नियां थीं, उसने उन दोनों पत्नियों को बुला कर कहा कि आधा-आधा धन तुम्हें बांट देता हूं। बहुत है, सात पीढ़ियों तक भी चुकेगा नहीं। इसलिए तुम निश्चिंत रहो, तुम्हें कोई अड़चन न आएगी। और मैं अब जंगल जा रहा हूँ। अब मेरे अंतिम दिन आ गए। अब ये अंतिम दिन मैं परमात्मा के साथ समग्रता से लीन हो जाना चाहता हूँ। अब मैं कोई और दूसरा प्रपंच नहीं चाहता। एक क्षण भी मैं किसी और बात में नहीं लगाना चाहता।

एक पत्नी तो बड़ी प्रसन्न हुई, क्योंकि इतना धन था याज्ञवल्क्य के पास, उसमें से आधा मुझे मिल रहा है, अब तो मजे ही मजे करूंगी। लेकिन दूसरी पत्नी ने कहा कि इसके पहले के आप जाएं, एक प्रश्न का उत्तर दे दें। इस धन से आपको शांति मिली? इस धन से आपको आनंद मिला? इस धन से आपको परमात्मा मिला? अगर मिल गया तो फिर कहां जाते हो? और अगर नहीं मिला तो यह कचरा मुझे क्यों पकड़ाते हो? फिर मैं भी तुम्हारे साथ चलती हूँ।

और याज्ञबल्क्य जीवन में पहली बार निरुत्तर खड़ा रहा। अब इस स्त्री को क्या कहे! कहे कि नहीं मिला, तो फिर बांटने की इतनी अकड़ क्या! बड़े गौरव से बांट रहा था कि देखो इतने हीरे-जवाहरात, इतना सोना, इतने रुपये, इतनी जमीन, इतना विस्तार! बड़े गौरव से बांट रहा था। उसमें थोड़ा अहंकार तो रहा ही होगा उस क्षण में कि देखो कितना दिए जा रहा हूँ। किस पति ने कभी अपनी पत्नियों को इतना दिया है। लेकिन दूसरी पत्नी ने उसके सारे अहंकार पर पानी फेर दिया। उसने कहा, अगर तुम्हें इससे कुछ भी नहीं मिला तो यह कचरा हमें क्यों पकड़ाते हो? यह उलझन हमारे ऊपर क्यों डाले जाते हो? अगर तुम इससे परेशान होकर जंगल जा रहे हो तो आज नहीं कल हमें भी जाना पड़ेगा। तो कल क्यों, आज ही क्यों नहीं? मैं चलती हूँ तुम्हारे साथ।

तो जो धन बांट रहा है वह क्या खाक बांट रहा है! उसके पास कुछ और मूल्यवान नहीं है। और जो ज्ञान बांट रहा है, पाठशालाएं खोल रहा है, धर्मशास्त्र समझा रहा है, अगर उसने स्वयं ध्यान और समाधि में डुबकी नहीं मारी है, तो कचरा बांट रहा है। उसका कोई मूल्य नहीं है। बांट ने योग्य तो बात एक ही है: परमात्मा। मगर उसे तुम तभी बांट सकते हो जब पाओ, जब जानो, जब जीओ।

संस्कार संस्कृति चेतना

१. प्रारंभ से ही बच्चों का विद्यालय जाने से पहले स्नान करना।
२. स्नानोपरांत संक्षिप्त प्रार्थना ।
३. त्योहारों एवं सभी मांगलिक अवसरों पर घर के बड़ों के पाँव छूकर प्रणाम करना ।
४. गीता एवं रामायण का अध्ययन करना एवं उनकी कहानी पढ़ना ।
५. स्तुति/मंत्र कंठस्थ करना ।
६. भारतीय महापुरूषों की जीवनी पढ़ना।
७. घर में मारवाड़ी में बात करना ।
८. हाय हेलो, बाय-बाय, गुड मॉर्निंग की जगह राम-राम, राधे-राधे का प्रयोग करना ।
९. यथा संभव सप्ताह में एक बार मंदिर जाने की आदत डालना व त्योहारों पर पारंपरिक वेश-भूषा में परिवार के साथ मंदिर अवश्य जाना ।
१०. सभी अभिभावक अपने आचरण के प्रति सजग रहे ताकि बच्चों पर सकारात्मक प्रभाव पड़े ।
११. नवजात शिशु को मम्मी पापा की जगह माँ बाबूजी कहने की आदत डालना ।

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन
द्वारा प्रसारित

इस सत्र के कुछ महत्वपूर्ण विचार बिंदु

सम्मेलन एक विशिष्ट संस्था है।
हिमशिला खंड की तरह
यह ऊपर से सिर्फ १०% ही दिखाई देता है।

सम्मेलन एक ऐसी संस्था है जिसे सिर्फ धन बल पर नहीं खड़ा किया जा सकता। इसके पीछे असंख्य कार्यकर्ताओं का खून पसीना लगा हुआ है।

मारवाड़ी एक ब्रांड है जिस पर देश को भरोसा है। हमें इस पर गर्व होना चाहिए।

कार्यकर्ताओं को उचित स्थान एवं सम्मान मिलने से ही कार्यकर्ता उभरेंगे।

समाज के सभी घटकों में एकता अति आवश्यक है। इस सत्र का नारा "आपनो समाज-एक समाज-श्रेष्ठ समाज" इसी संकल्प का द्योतक है।

समाज सुधार कार्यक्रम में प्रवचन से नहीं आचरण से ही हम सफलता पा सकते हैं।

सम्मेलन मुख्यतः वैचारिक संस्था है। सेवा का काम करने वाले असंख्य हैं। समाज बंधुओ को सशक्त माध्यम से स्वस्थ विचारों के साथ जोड़ना सम्मेलन का पवित्र कर्तव्य है।

संस्कार संस्कृति चेतना आज सिर्फ युवाओं को ही नहीं बल्कि अभिभावकों को भी आवश्यक है।

हनुमान जी की तरह सम्मेलन की वास्तविक शक्ति का अंदाजा स्वयं हमें भी नहीं है।

हमें बड़ा लक्ष्य रखना चाहिए क्योंकि हम हमारी सोच से अधिक नहीं पा सकते।

सदस्यों को सम्मेलन के नेटवर्क का लाभ मिलना चाहिए ताकि समाज सेवा के साथ व्यापार, पेशा एवं नौकरी में भी लाभ प्राप्त कर सकें।

समाज सुधार के अत्यधिक महत्वपूर्ण मुद्दों पर सफलता पाकर सम्मेलन ने ६ दशक पहले इतिहास रचा था। अब नए इतिहास रचने की आवश्यकता है।

सम्मेलन से जुड़ने से हमे व्यक्तित्व विकास का अवसर मिलता है। समाज को अपना सर्वश्रेष्ठ दे, समाज आपको अपना सर्वश्रेष्ठ देगा।

संस्कार संस्कृति चेतना कार्यक्रम को अभियान बनाने की आवश्यकता है।

शाखा स्तर पर कार्यकर्ताओं के लिए प्रशिक्षण शिविर सम्मेलन के उपादेयता को बढ़ाएगा।

सम्मेलन के कार्यो का डिजीटलकरण: १) सोशल मिडिया पेज फेसबूक पर सम्मेलन का अकाउंट खुलना एवं सम्मेलन एवं सामाजिक गतिविधियों को रोज अपडेट करना। २) सोशल मिडिया पेज इंस्ट ाग्राम पर अकाउंट खुलना एवं सम्मेलन एवं सामाजिक गतिविधियों को रोज अपडेट करना। ३) प्रत्येक माह 'समाज विकास' प्रत्येक सदस्यों को एसएमएस के द्वारा लगभग ५०००० लोंगो को उनके स्मार्ट फोन पर भेजा जाता हैं। ४) प्रत्येक सदस्य अपनी जानकारी स्वयं सम्मेलन में रजिस्टर्ड मोबाइल नं से किसी भी भूल को स्वयं ठीक करने का प्रावधान किया गया हैं। ५) वैवाहिक, व्यापारिक एवं नौकरी संबंधित जानकारी लेने अथवा प्राप्ती की जानकारी वेबसाइट पर उपलब्ध किया गया हैं। ६) सम्मेलन के पुस्तकालय में उपलब्ध पुस्तकों को वेबसाइट पर भी डाला गया हैं। ७) एसएमएस के माध्यम से प्रत्येक सदस्य तक सम्मेलन की सूचना अथवा जानकारी भेजी जा रही हैं। ८) सम्मेलन की आनलाइन बैठकों हेतु जूम, फेसबूक लाईव एवं यूट्युब प्रसारण। ९) जिन सदस्यों का जन्मदिवस हमारे डाटा में फीड हैं उनको प्रत्येक दिन जन्मदिवस की स्वचालित शुभकामना हेतु संदेश एसएमएस के माध्यम से संप्रेषण। १०) सम्मेलन के सभी कार्यक्रमों की सूचना और फोटो वेबसाइट पर अपलोड किये गये। ११) कार्यक्रमों की प्रिंटेड फोटो भी सम्मानित वक्ताओं एवं अतिथियों को प्रेषित किया जा रहा हैं।

राष्ट्रीय कार्यालय में नये सुविधाओं की व्यवस्था: १) सम्मेलन सभागार में बैठकों के लिए नई कुर्सियाँ। २) सदस्यता प्रमाण पत्र प्रिंट हेतु नया कलर प्रिंटर। ३) सदस्यों तक अपनी जानकारी भेजने हेतु नए फोन। ४) सम्मेलन की आनलाईन बैठकों के लिए वेबकैम, माईक एवं स्पीकर क्रय।

संस्कार-संस्कृति-चेतना कार्यक्रम:

२ दिसंबर २०२३ को केंद्रीय कार्यालय में 'संस्कार-संस्कृति-चेतना - बात का चालणां' विषय पर एक गोष्ठी का आयोजन किया गया। मुख्य वक्ता श्री बाबूलाल शर्मा ने गोष्ठी को संबोधित किया।

३ फरवरी २०२४ को कोलकाता स्थित भारतीय भाषा परिषद में संस्कार-संस्कृति-चेतना पर एक कार्यक्रम 'मारवाड़ी-कौड़ी स करोड़पति की गाथा' का आयोजन किया गया। मुख्य वक्ता श्री श्रीनिवास शर्मा, 'श्रीजी' ने सभा को संबोधित किया।

१० मार्च २०२५ को कोलकाता स्थित श्री शिक्षायतन स्कूल में संस्कार-संस्कृति-चेतना कार्यक्रम के तहत स्कूल के छात्र-छात्राओं के संग चाणक्य नीति, विदुर नीति एवं श्रीमदभागवत गीता के श्लोंको पर प्रश्नोत्तरी आधारित कार्यक्रम किया गया।

२१ अप्रैल २०२५ को हावड़ा स्थित अग्रसेन बालिका शिक्षा सदन स्कूल में संस्कार-संस्कृति-चेतना कार्यक्रम के तहत स्कूल के छात्र-छात्राओं के संग चाणक्य नीति, विदुर नीति एवं श्रीमदभागवत गीता के श्लोंको पर प्रश्नोत्तरी आधारित कार्यक्रम किया गया।

१४ मई २०२५ को कोलकात स्थित पूर्वांचल विद्यामंदिर स्कूल में संस्कार-संस्कृति-चेतना कार्यक्रम के तहत स्कूल के छात्र-छात्राओं के संग चाणक्य नीति, विदुर नीति एवं श्रीमदभागवत गीता के श्लोंको पर प्रश्नोत्तरी आधारित कार्यक्रम किया गया।

सदस्यों के हितों, स्वास्थ्य, शिक्षा, रोजगार एवं व्यापार सहयोग में किए गए कार्य :

अस्पतालों के साथ समझौता ज्ञापन

१) आमरी अस्पताल के साथ एक समझौता कर पश्चिम बंगाल के सभी सदस्यों के लिए एक प्रिविलेज कार्ड जारी किया गया जिससे उनको स्वास्थ्य के निरीक्षण में आर्थिक सहायता हो सके।

२) मणिपाल अस्पताल के साथ एक समझौता कर पश्चिम बंगाल के सभी सदस्यों के लिए एक प्रिविलेज कार्ड जारी किया गया जिससे उनको स्वास्थ्य के निरीक्षण में आर्थिक सहायता हो सके।

३) बी.डी. गाड़ोदिया मेमोरियल ट्रस्ट के साथ एक समझौता ज्ञापन कर हार्निया, फिस्सुरे, पाइल्स, हाईड्रोसिल जैसे रोगो के उपचारों में अस्पताल द्वारा ८० प्रतिशत खर्च का वहन किया जाएगा।

रोजगार में सहयोग: रोजगार सहायता प्रकल्प के अंतर्गत राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं रोजगार सहायता उपसमिति के चेयरमैन श्री दिनेश कुमार जैन के प्रयास से अब तक ४३१ युवक-युवतियों को रोजगार उपलब्ध कराया जा चुका है। इस सत्र में कुल १७७ रोजगार उपलब्ध कराए गए।

उच्च शिक्षा सहयोग: सम्मेलन के ट्रस्ट मारवाड़ी सम्मेलन फाउंडेशन द्वारा संचालित उच्च शिक्षा कोष से अब तक कुल ४ करोड़ १४ लाख ४८ हजार ९७७ रुपये की राशि अनुदान के रुप में देश के विभिन्न छात्र-छात्राओं को दी जा चुकी है। इसके अलावा समाज के सम्मानित व्यक्तियों ने भी सम्मलेन के माध्यम से उच्च शिक्षा में १५ लाख ९५ हजार ९७५ रुपये की राशि का सहयोग किया गया। वित्तीय वर्ष २०२५-२६ में १७ लाख ७९ हजार ३७७ रुपये प्रदान की गई। इस सत्र में कुल ६७ लाख ५६ हजार ३५२ रुपये की राशि प्रदान की गई। अन्य सम्मानित सदस्य श्री बृजमोहन गाड़ोदिया एवं विनय सिंघानिया ने भी उच्च शिक्षा में महत्वपूर्ण सहयोग किया।

मारवाड़ी व्यापार सहयोग: व्यापार सहयोग के अंतर्गत व्यापार को बढ़ावा देने हेतु सम्मेलन के द्वारा विभिन्न उत्पादों से जुड़े जैसे - प्लास्टिक, टेक्सटाईल, फूड् एडं बेवरेजेज, बैकिंग एवं वित्तीय, गिफ्ट, हार्डवेयर एवं सोफ्टवेयर, विज्ञापन के प्रचार-प्रसार, मेटल्स, रियल स्टेट, इंफ्रास्ट्रक्चर एवं कंस्ट्रक्शन, इलेक्ट्रिकल्स, इलेक्ट्रोनिक्स एवं अपलायंसेस, हेल्थ केयर एवं फार्मास्यूटिकल्स, आटोमोटिव, शिक्षा एवं प्रशिक्षण, रिटेल, होस्पिटैलिटी एवं ट्रेवल व पेपर एवं पैकेजिंग से जुड़े लोंगो को मिलाकर कई वहाट्सअप ग्रुप का निर्माण एवं बैठकों का आयोजन किया गया।

सदस्यता प्रमाण पत्र वितरण: सम्मेलन से जुड़े सत्र (२०२०-२३) के सदस्यों का ३३३१ सदस्यता प्रमाण पत्र भेजा गया। सत्र (२०२३-२५) में बने ४८६९ नए सदस्यों का प्रमाण पत्र भेजा जा चुका है।

समाज विकास नये कलेवर में:

१) उपलब्धियाँ २) प्रांतो/शाखाओं के समाचार को प्रमुखता ३) नए शाखाध्यक्षों का परिचय ४) सम्मेलन मंच द्वारा सदस्यों को विभिन्न विषयो पर अपने विचार व्यक्त करने के लिए प्रोत्साहन ५) प्रत्येक माह संस्कार संस्कृति चेतना पर रंगीन पृष्ठो में विभिन्न महत्वपूर्ण जानकारी का प्रकाशन

गुगल प्ले स्टोर पर सम्मेलन का एआईएमएफ का ऐप्प उपलब्ध कराना:

सम्मेलन द्वारा अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन का आधिकारिक ऐप्प को प्ले स्टोर पर उपलब्ध कराया गया। जिसको सीधे सम्मेलन की वेबसाइट से जोड़ा गया। जिससे सम्मेलन की गतिविधियों को देखने परखने अथवा समझने में सहूलियत हो।

सम्मेलन गीत की रचना:

सम्मेलन के प्रतिक चिन्ह में कार स्टिकर एवं मोबाईल स्टिकर:

मतदान प्रोत्साहना अभियान:

६ अप्रैल २०२४ को केंद्रीय कार्यालय में 'मारवाड़ियों की राजनीति में वर्तमान स्थिति' विषय पर एक गोष्ठी का आयोजन किया गया। मुख्य वक्ता डॉ. गुलाब कोठारी ने गोष्ठी को संबोधित किया।

१४ अप्रैल २०२४ को अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन एवं पश्चिम बंग प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के संयुक्त तत्वाधान में पारिक भवन, कोलकाता में 'मतदान में भागीदारी का महत्व' विषयक एक गोष्ठी आयोजित की गई। मुख्य वक्ताओं में डॉ. प्रेम शंकर त्रिपाठी एवं श्री अमित मोदी ने गोष्ठी को संबोधित किया।

२८ अप्रैल २०२४ को अ.भा.मा.स. एवं प.ब. प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के संयुक्त तत्वावधान में रिसड़ा के दर्शना बैंक्वेट हॉल में 'मतदान हमारा कर्तव्य हमारा अधिकार' विषय पर एक गोष्ठी का आयोजन किया गया। मुख्य वक्ता श्री संतोष सराफ पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष, युवा वक्ता सुश्री सीएस संस्कृति पुरोहित एवं श्री अमित मोदी ने संबोधित किया। मुख्य अतिथि राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री शिव कुमार लोहिया एवं राष्ट्रीय महामंत्री श्री कैलाशपति तोदी तथा विशिष्ट अतिथि श्री नंदकिशोर अग्रवाल के रूप में उपस्थित थे।

४ मई २०२४ को केंद्रीय कार्यालय में 'वोट का अधिकार, लोकतंत्र का अधिकार' विषय पर एक गोष्ठी का आयोजन किया गया। मुख्य वक्ताओं में श्रीमती सोमा बंद्योपाध्याय एवं श्री विनोद अग्रवाल ने गोष्ठी को संबोधित किया।

१२ मई २०२४ को अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन, पश्चिम बंग प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन एवं राजस्थान पत्रिका के संयुक्त तत्वाधान में डोकानिया बैंक्वेट, न्युटाउन, कोलकाता में 'वोट का अधिकार, लोकतंत्र का अधिकार' विषयक एक गोष्ठी आयोजित की गई। मुख्य वक्ताओं मे श्री प्रदीप जीवराजका, सीए श्री कमल गोयल, श्री गौतम टेकरीवाल, श्री रविंद्र राय श्री अमित मोदी ने गोष्ठी को संबोधित किया।

सेल्फी पॉइंट: अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के राजनीतिक चेतना उपसमिति के अंतगर्त चलाए गए मतदान जागरुकता अभियान के तहत पूरे देश से अच्छी प्रतिक्रिया देखने को मिली। जिसमें निम्नलिखित शहरों से मतदान के उपरांत सेल्फियाँ भेजी गई - आंध्र प्रदेश के विषाखापट्टनम से। असम के काजीरंगा, नार्थ लखीमपुर, गुवाहाटी, पाठशाला एवं शिवसागर से। छत्तीसगढ़ के रायगढ़, जांजगीर-चापां, रायपर से दिल्ली के नई दिल्ली से। गुजरात के सूरत से। झारखंड के चाईबासा, चक्रधरपुर, जमशेदपुर, धनबाद, दुमका, राजमहल एवं रांची से। कर्नाटक के बेंगलुरु से। मध्य प्रदेश के कटनी एवं इंदौर से। पश्चिम बंगाल के हुगली, बांकुड़ा, बड़ाबाजार, बेलुर, रिसड़ा, हावड़ा, आसनसोल, दुर्गापुर, बैरकपुर, कोलकाता एवं प. बर्द्धमान से। बिहार के सुपौल, मधेपुरा, सहरसा, सीतामढ़ी, भागलपुर, बेगुसराय, मोतीपुर, फॉरबीसगंज, मुजज्फरपुर, समस्तीपुर, चंपारण, बेतिया, रक्सौल, सारण, पट ना, कराकट, सासाराम, बगाह एवं आरा से। ओडिशा के बलांगीर, कटक, जुनागढ़, बरगढ़, तितलागढ़, संबलपुर, काँटाभाजी, भवानीपटना एवं बालासोर से। राजस्थान के बालोतरा से। उत्तर प्रदेश के वाराणसी एवं कानपुर से करीब १७४ सेल्फियाँ हमें प्राप्त हुई।

पंच सूत्रीय कार्यक्रम की घोषणा:

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन की ८ सिंतबर २०२४ को अखिल भारतीय समिति की बैठक सूरत में संपन्न हुई। इस बैठक में राष्ट्रीय अध्यक्ष के संबोधन में सभी प्रांतों से अनुरोध किया कि संगठन के विस्तार के साथ अपने कार्यक्रमों को निम्नलिखित पंच सूत्रीय कार्यक्रम पर केंद्रित करें।

१) समाज सुधार, २) संस्कार-संस्कृति-चेतना, ३) राजनीतिक चेतना, ४) आपणो समाज-एक समाज-श्रेष्ठ समाज, ५) उच्च शिक्षा सहयोग

प्रांतो/शाखाओं को पुरस्कारों की घोषणा:

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के सत्र (२०२३-२५) में नए पुरस्कारों की घोषणा की गई हैं जिसका विस्तृत विवरण इस प्रकार हैं-

श्रेष्ठ प्रांत पुरस्कार: पूर्वोत्तर प्रदेशीय मारवाड़ी सम्मेलन

सर्वाधिक शाखाओं का उल्लेखनीय संगठन विस्तार/गठन:

क) प्रतिशत - मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ एवं महाराष्ट्र प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन

ख) संख्या - पूर्वोत्तर एवं झारखंड प्रांतीय/प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन

ग) सत्र का नारा 'आपणो समाज-एक समाज-श्रेष्ठ समाज' को सार्थक करने के लिए सर्वोत्तम प्रयास या प्रकल्प - बिहार प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन –

प्रांत द्वारा अनुमोदित: श्रेष्ठ शाखा

आंध्र प्रदेश - विजयवाड़ा शाखा, पूर्वोत्तर - गुवाहाटी शाखा, कर्नाटक - बैंगलोर महिला परिधि, बिहार - पटना नगर शाखा, भागलपुर, झारखंड - साकची एवं उत्कल - केसिंगा शाखाओं को दिया गया।

प्रांतो को राष्ट्रीय बैठक के लिए

बिहार प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन, गुजरात प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन, कर्नाटक प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन, उत्तराखंड प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन, उत्तर प्रदेश प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन, छत्तीसगढ़ प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन को राष्ट्रीय बैठक के आतिथ्य के लिए पुरस्कार दिए गए।

राजस्थानी व्याकरण किताब का वितरण:

सत्र (२०२३-२५) में १७११ कापियाँ प्रांतो में वितरण की गई एवं लगभग ३०० कॉपिया अन्य बैठकों एवं समारोहो में वितरित की गई।

'सम्मेलन मंच' स्तंभ प्रतियोगिता

सम्मेलन का मासिक मुखपत्र 'समाज विकास' में एक 'सम्मेलन

मंच' स्तंभ प्रतियोगिता की शुरुआत की गई। जिसमें समाज विकास में विभिन्न विषयक पर लेखों को प्रकाशित करने हेतु आह्वान किया गया जो निम्नलिखित है - 'राजनीति में मारवाड़ी समाज की वर्तमान भागीदारी', (अंक अप्रैल २०२४), वैवाहिक जीवन में क्लेश: कारण और समाधान', (अंक मई २०२४), 'एक जागरुक नागरिक के रुप में नवगठित सरकार से हमारी अपेक्षाएँ', (अंक जून २०२४), 'राजस्थानी भाषा का प्रयोग लुप्त सा होता जा रहा है। इस क्षरण को रोकने के उपाय', (अंक जुलाई २०२४), 'समाज विकास पत्रिका को और अधिक पठनीय एवं और अधिक रोचक बनाने के लिए सुझाव', (अंक सितंबर २०२४), 'नई पीढ़ी में संस्कार और संस्कृति की चेतना कैसे विकसित करें?', (अंक मार्च २०२५), 'सन २०३५ में सम्मेलन शताब्दी वर्ष पूर्ण करेगा। शताब्दी वर्ष में आप सम्मेलन में क्या बदलाव सोचते है', (अंक जुलाई २०२५) जैसे विषयों पर काफी अच्छी प्रतिक्रिया मिली एवं उनमें से प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले विजेताओं को पुरस्कृत किया गया।

अपूरणीय क्षति:

वर्तमान सत्र के दौरान सम्मेलन से जुड़े कतिपय विशिष्ठ व्यक्तियों का वैकुण्ठवास हो गया। उनमें हैं: महिला सम्मेलन की सक्रिय कार्यकर्ता एवं अखिल भारतीय मारवाड़ी महिला सम्मेलन की पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष सुशीला मोहनका (२९ जून २०२३); सम्मेलन के पूर्व राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री अनिल कुमार जाजोदिया की माताश्री सुशीला देवी (१२ अगस्त २०२३); पूर्वोत्तर प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के कार्यकारिणी समिति के सदस्य एवं निवर्तमान शाखाध्यक्ष प्रदीप सुरेका (सितंबर २०२३); सम्मेलन के विशिष्ट सदस्य रामनिवास शर्मा 'चोटिया' (सितंबर २०२३); सम्मेलन के रांची से विशिष्ट सदस्य धरमचंद जैन 'रारा' (३० नवंबर २०२३); उत्कल प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के प्रवीण सामाजिक कार्यकर्ता एवं राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति के सदस्य गौरी शंकर अग्रवाल (२८ दिसंबर २०२३); मारवाड़ी सम्मेलन के वरिष्ठ सदस्य अशोक भालोटिया (फरवरी २०२५); सम्मेलन के लखीमपुर शाखा, के कर्मयोगी राजेश भालोटिया (जनवरी २०२५); सम्मेलन के विशिष्ट संरक्षक सदस्य द्वारका प्रसाद गनेड़ीवाल (१९ जून २०२४); सम्मेलन के विशिष्ट संरक्षक सदस्य श्याम सुंदर बेरीवाला (२४ दिसंबर २०२४); झारखंड प्रांतीय मारवाड़ी के लोकप्रिय एवं यशस्वी समाजसेवी महेंद्र भगानिया (मई २०२५); सम्मेलन के विशिष्ट संरक्षक सदस्य श्री बनवारी लाल मित्तल की माताश्री गोमती देवी मित्तल (२० जुलाई २०२५), राष्ट्रीय महामंत्री एवं निवर्तमान राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री भानीराम सुरेका (२४ अगस्त २०२५)।

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन की ओर से मेरी हार्दिक श्रद्धांजलि!

बंधुओं, मैंने मई २०२३ में सर्वप्रथम राष्ट्रीय महामंत्री का पदभार संभाला था। राष्ट्रीय महामंत्री के रूप में बीते दो वर्ष मेरे जीवन में सदैव खास बने रहेंगे। इस दौरान मेरे द्वारा जो कुछ भी संभव हो पाया, पूरी तल्लीनता एवं निष्ठा के साथ मैंने स्वयं को सम्मेलन के कार्यों में नियोग किया। मैं यह विश्वास करता हूँ की मेहनत इतनी खामोशी से करो कि सफलता शोर मचा दे।

सत्र २०२३-२५ के लिए लोगो

सभी प्रादेशिक संगठन एवं शाखा संगठन से उपर्युक्त दिए गए लोगो का उपयोग सत्र २०२३-२५ के लिए करने का अनुरोध है। इसमें दूसरा लोगो इस सत्र के नारा 'आपणो समाज – एक समाज – श्रेष्ठ समाज' का है। नए 'लोगो' में यह दर्शाया गया है कि समाज के विभिन्न घटक समन्वय एवं भाईचारा की भावना के साथ हाथ मिलाकर एकता का संदेश दे रहे हैं एवं समाज को श्रेष्ठता प्रदान कर रहे हैं।

व्यवसायिक निर्देशिका में नामांकन दर्ज करें

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन की वेबसाइट : www.marwarisammelan.com पर व्यवसाय निर्देशिका का पेज जुड़ गया है। सभी व्यवसायी-बंधुओं से विनम्र निवेदन है कि निर्देशिका में नामांकन के लिए अपने व्यवसाय का विवरण प्रविष्ट करें, इसके लिए सम्मेलन की वेबसाइट के **एक्टिविटीज** मेनू पर कर्सर ले जाने पर **'एनरोल बिजनस डाटा'** का सेक्शन दिखेगा, उस पर क्लिक करने पर **'क्रिएटए न्यू एनलिस्ट मेंट रिक्वेस्ट'** का एक नया विंडो खुलेगा; इसमें अपने व्यवसाय से जुड़े सभी विवरण प्रविष्ट कर **'सबमिट'** पर क्लिक करने से आपका व्यवसाय निर्देशिका के लिए नामांकित हो जाएगा। सम्मेलन के सभी प्रांत, शाखा एवं समाज से जुड़े समाज-बंधुओं से अनुरोध है कि इस सुविधा का लाभ उठाएँ। किसी भी असुविधा की स्थिति में आप राष्ट्रीय कार्यालय में दूरभाष एवं व्हाट्सएप +91 86973 17557 करके या ईमेल aimf1935@gmail.com के माध्यम से संपर्क कर सकते हैं। इस संबंध में आपके सुझाव आमंत्रित हैं। राम! राम!

कैलाश पति तोदी
राष्ट्रीय महामंत्री

सत्र २०२३-२५ में किये गए कुछ महत्वपूर्ण कार्य

कुछ महत्वपूर्ण कार्यों का शुभारंभ
एआईएमएफ एप का गुगल प्ले स्टोर में लांच।
एसएमएस द्वारा सदस्यों को जन्मदिवस की शुभकामनाएँ।
एसएमएस के माध्यम से ५०००० लोगों को मोबाइल पर समाज विकास पत्रिका का लिंक भेजना।
सदस्यों का रजिस्टर्ड मोबाईल नंबर से स्वयं की जानकारी को सम्मेलन की वेबसाइट पर अपडेट करना।
भवन निर्माण कार्य की कार्रवाई — प्लान स्वीकृति।
पुस्तकालय की किताबों को वेबसाइट पर प्रदर्शित।
प्रांतो में प्रायः ७९ शाखाओं का गठन।
प्रांतो को राष्ट्रीय बैठक हेतु सहयोग राशि प्रदान करना।
नंदकिशोर जालान संगठन समर्पण सम्मान की शुरुआत।
श्रेष्ठ प्रांत, सर्वाधिक शाखाओं का उल्लेखनीय संगठन विस्तार/गठन, प्रांत द्वारा अनुमोदितः श्रेष्ठ शाखा एवं प्रांतो को राष्ट्रीय बैठकों के लिए सम्मान।
केंद्रीय कार्यालय सभागार में कॉन्फ्रेंस सिस्टम (११ स्पीकर एवं माईक) लगाया गया।
पुस्तकालय का उद्‌घाटन।
सीखो राजस्थानी कार्यक्रम।
स्वास्थ्य सहयोग कार्यक्रम।
शाखाओं को वित्तीय सहयोग की घोषणा
सम्मेलन गीत की रचना
फेसबुक एवं इंस्टाग्राम पर सोशल मिडिया अकाउंट।
(सदस्यों को निरंतर सभी प्रांतो की सूचना का बंधन)
व्यापार सहयोग कार्यक्रम।
सम्मेलन मंच एवं अन्य माध्यम से सदस्यों के विचारों का स्वागत - विषय
● राजनीति में मारवाड़ी समाज की वर्तमान भागीदारी की स्थिति ● वैवाहिक जीवन में क्लेशः कारण और समाधान ● एक जागरुक नागरिक के रुप में नवगठित सरकार से हमारी अपेक्षाएँ ● राजस्थानी भाषा का प्रयोग लुप्त सा होता जा रहा हैं। इस क्षरण को रोकने का उपाय ● समाज विकास पत्रिका और अधिक पठनीय एवं और अधिक रोचक बनाने के लिए सुझाव ● नई पीढ़ी में संस्कार और संस्कृति की चेतना कैसे विकसित करें। ● सन २०३५ में सम्मेलन शताब्दी वर्ष पूर्ण करेगा। शताब्दी वर्ष में आप सम्मेलन में क्या बदलाव सोचते है।
संस्कार-संस्कृति चेतना कार्यक्रमों का आयोजन
सदस्यों को सदस्यता प्रमाण पत्र
(दो सत्रों का वितरण २०२०-२०२३/२०२३-२०२५)
संविधान संशोधन संपन्न
आंध्रप्रदेश, मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़ एवं कर्नाटक में नई शाखाएँ
पंच सुत्रीय कार्यक्रम की घोषणा : (१) समाज सुधार (२) संस्कार-संस्कृति चेतना (३) राजनीति चेतना (४) आपणो समाज-एक समाज-श्रेष्ठ समाज (५) उच्च शिक्षा-स्वास्थ्य
व्यापक मतदान प्रोत्साहन कार्यक्रम द्वारा ६० शहरों से १७६ सेल्फी : विशाखापटनम, काजीरंगा, नार्थ लखीमपुर, गुवाहाटी, पाठशाला, शिवसागर, रायगढ़, जांजगीर चंपा, रायपुर, नई दिल्ली, सूरत, चाईबासा, चक्रधरपुर, जमशेदपुर, धनबाद, दुमका, राजमहल, राँची, बंगलोर, कटनी, इंदौर, हुगली, बांकुड़ा, बड़ाबाजार, बेलूर, रिसड़ा, हावड़ा, आसनसोल, दुर्गापुर, बैरकपुर, कोलकाता, पश्चिम बर्धमान, सुपौल, मधेपुरा, सहरसा, सीतामढ़ी, भागलपुर, बेगूसराय, मोतीपुर, फहरबिसगंज, मुज्जफरपुर, समस्तीपुर, चम्पारण, बेतिया, रक्सौल, सारण, पटना, कराकट, सासाराम, बगाह, आरा, बलांगीर, कटक, जूनागढ़, बरगढ़, तितलागढ़, संबलपुर, काँटाभाजी, भवानीपटना, बालासोर, बलोतरा, वाराणसी, कानपुर।
सिक्किम प्रांत का गठन
गीत को रचनाबद्ध करके सभी प्रांतों में वितरित किया गया

राष्ट्रीय पदाधिकारियों का प्रांतीय दौरा
राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं राष्ट्रीय महामंत्री का दौरा
पुरी से प्रारंभ ● उत्कल - संबलपुर, बरगढ़, बलांगीर, सोहेला एवं केसिंगा ● पूर्वोत्तर - शिलांग, नगाँव, गुवाहाटी, जागी रोड, बोकाखाट, जोरहाट, मोरान, डिब्रुगढ़, तिनसुकिया, तेजपुर, बरपेटा रोड, धेमाजी, लखीमपुर, बंदरदेवा (अरुणाचल प्रदेश) बोंगाईगांव एवं सिलचर ● बिहार - पटना (२ बार) भागलपुर (२ बार) खगड़िया, बेगुसराय एवं नवगछिया ● झारखंड - जमशेदपुर ● पश्चिमबंग - जलपाईगुड़ी, मयनागुड़ी, सिलीगुड़ी, गंगटोक ● कर्नाटक - बैंगलोर ● उत्तरप्रदेश - (राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष के साथ) कानपुर, अयोध्या, वाराणसी, भदोई ● मध्यप्रदेश - इंदौर, उज्जैन, कटनी ● गंगटोक - श्री पवन कुमार जालान, राष्ट्रीय संयुक्त मंत्री, श्री मधुसूदन सिकरिया, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष ● धनबाद - श्री कैलाशपति तोदी, राष्ट्रीय महामंत्री ● विजयवाड़ा - श्री कैलाशपति तोदी, राष्ट्रीय महामंत्री ● जालना - श्री कैलाशपति तोदी, राष्ट्रीय महामंत्री ● चेन्नई - श्री कैलाशपति तोदी, राष्ट्रीय महामंत्री ● कोचीन - श्री मधुसूदन सिकरिया, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष ● रायगढ़, खरसिया, रायपुर, शक्ति, चांपा, नैला, जांजगीर एवं बिलासपुर - श्री कैलाशपति तोदी, राष्ट्रीय महामंत्री, श्री संजय हरलालका, निवर्तमान राष्ट्रीय महामंत्री ● जोरहाट - श्री पवनकुमार जालान, राष्ट्रीय संयुक्त मंत्री ● सूरत - श्री मधुसूदन सिकरिया, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष ● रुड़की, हरिद्वार - श्री महेश जालान, राष्ट्रीय संगठन मंत्री ● दिल्ली - श्री कैलाशपति तोदी, राष्ट्रीय महामंत्री, श्री रंजीत जालान राष्ट्रीय उपाध्यक्ष ● वाराणसी - श्री कैलाशपति तोदी, राष्ट्रीय महामंत्री ● दुमका - श्री कैलाशपति तोदी, राष्ट्रीय महामंत्री ● पश्चिम दुर्गापुर, आसनसोल एवं बांकुड़ा श्री कैलाशपति तोदी, राष्ट्रीय महामंत्री श्री पवन कुमार जालान, राष्ट्रीय संयुक्त मंत्री ● संबलपुर श्री कैलाशपति तोदी, राष्ट्रीय महामंत्री ● कटनी - श्री राजकुमार केडिया, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, श्री महेश जालान, राष्ट्रीय संगठन मंत्री
शिष्टाचार भेंट वार्ता
राष्ट्रीय नेतृत्व, आध्यात्मिक गुरुजन, न्यायपालिका के न्यायधीश से मिलकर सम्मेलन के विषय में जानकारी दी उन्हें अवगत कराया।
(१) महामहिम राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू (२) महामहिम राज्यपाल पश्चिम बंग डॉ. सी. वी. आनंद बोस (३) आचार्य श्री महाश्रमण जी के सुशिष्य मुनि श्री जिनेश कुमार जी (४) सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश न्यायमूर्ति श्री राजेश बिंदल (५) माननीय मुख्यमंत्री असम सरकार श्री हिमंता बिस्वा शर्मा (६) पूज्य स्वामी चिदानंद सरस्वती (७) वित्त मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) पश्चिम बंग सरकार, श्रीमती चंद्रिमा भट्टाचार्य (८) माननीय मुख्यमंत्री राजस्थान सरकार, श्री भजनलाल शर्मा (९) केंद्रीय राज्यमंत्री भारत सरकार श्री अर्जुन राम मेघवाल (१०) महामहिम राज्यपाल, कर्नाटक, श्री थावरचंद गहलोत (११) महामहिम राज्यपाल असम एवं पंजाब, श्री गुलाबचंद कटारिया (१२) अध्यक्ष राजस्थान विधानसभा, श्री वासुदेव देवनानी (१३) शहरी विकास और स्वशासन विभाग राज्यमंत्री, राजस्थान सरकार, श्री झाबर सिंह खर्रा, सहकारिता एवं नागरिक उड्डयनमंत्री, राजस्थान सरकार, श्री गौतम कुमार दक (१४) महामहिम राज्यपाल राजस्थान, श्री हरिभाऊ बागड़े (१५) महामहिम राज्यपाल छत्तीसगढ़, श्री रामेन डेका (१६) श्रीमती रेखा गुप्ता, मुख्यमंत्री, दिल्ली (१७) आदरणीय श्री ओम बिड़ला, लोकसभा अध्यक्ष।
राष्ट्रीय/प्रांतीय स्तर के विद्वानों ने संगोष्ठी को संबोधित किया
डॉ. गुलाब कोठारी, श्रीमती अलका सरावगी, डॉ. बाबूलाल शर्मा, डॉ. तारा दुग्गड़, डॉ. उज्ज्वल पाटनी, श्री अरुण चुड़ीवाल, श्री प्रियंकर पालीवाल, डॉ. चेतन स्वामी, श्री देवीलाल माहिया, श्री राजेन्द्र जोशी, डॉ. मंगत बादल। बंशीधर शर्मा, मदनलाल लड्डा, रामजी लाल घोड़ेला
विभिन्न राज्यों के लिए अलग-अलग व्हाट्सअप ग्रुप द्वारा जानकारियों का निरंतर बंधन।
कार स्टिकर ● मोबाईल स्टिकर
बुकलेट नये कलेवर में

श्री राकेश बंसल ने किया प्रांतीय अध्यक्ष का पदभार ग्रहण

पटना में आयोजित २ एवं ३ अगस्त को **३२वें प्रांतीय अधिवेशन** के प्रथम दिन २ अगस्त को सुबह अल्पाहार के बाद १०:०० बजे से कार्यकारिणी समिति, प्रादेशिक सभा पुरस्कार वितरण एवं खुला सत्र का आयोजन हुआ।

तत्पश्चात प्रसिद्ध मोटिवेशनल स्पीकर डॉक्टर मोहित गुप्ता के द्वारा सदस्यों को मोटिवेट किया गया। इस मोटिवेशनल सत्र का उद्घाटन अपर महाधिवक्ता भारत सरकार श्री सत्यदर्शी संजय जी के द्वारा किया गया।

पटना के प्रसिद्ध बापू सभागार में एक शाम भोले के नाम भजन संध्या का आयोजन किया गया। जिसमें सुप्रसिद्ध भजन गायक श्री हंसराज रघुवंशी के द्वारा अपनी प्रस्तुति दी गई इस कार्यक्रम के संयोजक श्री अमित अग्रवाल थे। इस कार्यक्रम में लगभग ४००० समाज बंधुओ ने भाग लिया।

अधिवेशन के दूसरे दिन ८.०० बजे से एक भव्य शोभायात्रा बिहार विकास रैली के नाम से निकाली गई जिसकी शुरुआत राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री शिव कुमार लोहिया जी एवं नवनिर्वाचित राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री पवन कुमार गोयनका जी के कर कमलों द्वारा झंडी दिखाकर किया गया।

इस शोभायात्रा में प्रांत के विभिन्न क्षेत्रों से आए हुए प्रतिनिधियों ने तो भाग लिया ही एवं पटना के भी हजारों समाज बंधुओं ने शामिल होकर शोभायात्रा की गरिमा को बढ़ाया। शोभायात्रा में शामिल सभी महिला एवं पुरुषों को राजस्थानी साफा बंधवाया गया था जिससे शोभा यात्रा की शान बिल्कुल अलग दिख रही थी इस शोभायात्रा में हाथी, घोड़ा, ऊंट कदे साथ-साथ विभिन्न झांकियां भी चल रही थी बैंड बाजों के साथ शोभायात्रा अपने गंतव्य स्थल बापू सभागार पर सुबह ९.३० बजे पहुंचे इसके बाद राष्ट्रीय ध्वज फहराया गया एवं शहीदों को श्रद्धांजलि प्रदान की गई।

ज्ञान भवन में अधिवेशन का दीप प्रज्वलित कर विधिवत उद्घाटन कर अधिवेशन का मुख्य समारोह प्रारंभ हुआ। स्वागताध्यक्ष ने अपने संबोधन में सभी अतिथियों का स्वागत किया। उद्घाटनकर्ता के रूप में श्री विजय कुमार चौधरी, जल संसाधन एवं सिंचाई मंत्री ने भाग लेकर अपने संबोधन में मारवाड़ी समाज की भूरि-भूरि प्रशंसा की एवं उन्होंने कहा कि उनके परिवार का मारवाड़ी समाज से ६० दशकों से भी अधिक का संबंध रहा है।

मुख्य अतिथि के रूप में श्री अशोक चौधरी, मंत्री ग्रामीण विकास ने समाज एवं सरकार के कार्यों के बारे में जानकारी दी। इस अवसर पर उपस्थित हमारे समाज के ही श्री संजय सरावगी, मंत्री राजस्व एवं भूमि सुधार ने भी समाज एवं सम्मेलन के कार्यों के बारे में बताया।

विधान पार्षद श्री ललन कुमार सराफ के द्वारा भी अपना संबोधन प्रस्तुत किया गया। इस दौरान बिहार व्यापार आयोग के अध्यक्ष श्री सुरेश कुमार रुंगटा ने भी अपनी बात रखी। निवर्तमान प्रादेशिक अध्यक्ष श्री जुगल किशोर अग्रवाल के द्वारा अपना संबोधन प्रस्तुत करने के उपरांत नवनिर्वाचित प्रादेशिक अध्यक्ष श्री राकेश बंसल जी को पदभार ग्रहण कराया गया। श्री राकेश बंसल के पदभार ग्रहण करते ही मंचासीन पदाधिकारी एवं सभागार में उपस्थित विभिन्न शाखाओं के द्वारा उनका सम्मान किया गया। इसके उपरांत राकेश बंसल जी ने महामंत्री के रूप में श्री अंजनी सुरेका एवं कोषाध्यक्ष के रूप में श्री अभिषेक लोहिया के नामों की घोषणा की।

श्री विनोद तोदी के द्वारा सम्मेलन की स्थापना एवं उसके उद्देश्यों की जानकारी देने के साथ-साथ अधिवेशन के कार्यों की जानकारी दी गई।

इस बीच संपादक श्री आशीष आदर्श एवं सहसंपादक श्री रंदीप झुनझुनवाला द्वारा प्रकाशित स्मारिका का विमोचन भी मंचासीन अतिथियों एवं पदाधिकारियों द्वारा विमोचन किया गया।

इसके उपरांत माननीय राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री शिव कुमार लोहिया जी ने सम्मेलन एवं समाज के बारे में उपस्थित लोगों के बीच विस्तृत रूप से अपनी बातें रखी अंत में श्री पवन कुमार गोयनका नवनिर्वाचित राष्ट्रीय अध्यक्ष द्वारा भी अपना संबोधन प्रस्तुत किया गया। मंच संचालन श्री अंजनी सुरेका द्वारा किया गया।

कार्यक्रम समाप्ति के पूर्व श्री सुनील कुमार मोर पटना नगर शाखा मंत्री द्वारा धन्यवाद ज्ञापन किया गया।

विषय निर्वाचनी समिति द्वारा पारित प्रस्ताव पर गहन चर्चा हुई, जिन्हें चर्चा के उपरांत पारित किया गया।

अधिवेशन के सफल आयोजन हेतु ३५ सदस्यीय आयोजन समिति का गठन किया गया जिसमें श्री संजय भालोटिया को स्वागताध्यक्ष एवं श्री अंजनी सुरेका को स्वागत मंत्री का दायित्व दिया गया।

इस अधिवेशन को सफल बनाने में नवनिर्वाचित प्रादेशिक अध्यक्ष श्री राकेश बंसल, पूर्व प्रादेशिक अध्यक्ष श्री महेश जालान, श्री रणदीप झुनझुनवाला, श्री दिलीप केडिया, श्री विकास बरोलिया, श्री किशन अग्रवाल, श्री अंजनी सुरेका, श्री अमित अग्रवाल, श्री आशीष आदर्श, श्री विजय बोथरा, श्री दिलीप मित्तल, श्री गोपाल मोदी, श्रीमती केशरी देवी अग्रवाल, श्रीमती रितु अग्रवाल, मारवाड़ी महिला समिति पटना एवं अन्य बहुत सारे सदस्यों ने सहयोग दिया है।

कोल्ड एवं हॉट वाटर कूलर

१३ अगस्त को हमारे प्रदेश की बर्दवान शाखा द्वारा एक और उल्लेखनीय सेवा गतिविधि – "कोल्ड एवं हॉट वाटर कूलर स्थापना कार्यक्रम" का सफल आयोजन किया गया।

इस पहल का उद्देश्य समाज को शुद्ध, ठंडा और गर्म पानी की सुविधा उपलब्ध कराना है, जिससे आमजन को प्रतिदिन राहत और सुविधा मिल सके।

इस कार्यक्रम में अध्यक्ष नंदकिशोर अग्रवाल, सचिव पंकज भलोटिया एवं संयोजक मनीष बजाज उपस्थित रहे।

झंडोत्तोलन कार्यक्रम सह सेवा कार्य

पश्चिम बंग प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन, दुर्गापुर पश्चिम शाखा की तरफ से हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी स्वतंत्रता दिवस पर झंडात्तोलन का कार्यक्रम श्री लक्ष्मी नारायण भवन, वेनाचिट्टी, दुर्गापुर के प्रांगण में १५ अगस्त २०२५ शुक्रवार को प्रातः १०.०० बजे मनाया गया।

झंडात्तोलन के पश्चात 'प्रेरणा' नामक संस्था के कुछ सेवाकार्मीयों को जो कि निःस्वार्थ भाव से गरीबों एवं असहायों को प्रत्येक दिन खाना मुहैया करवाती है एवं और भी विभिन्न प्रकार से उनकी मदद करती है। उन सेवा कर्मियों को सम्मेलन की तरफ से सम्मानित किया गया।

सम्मेलन के एक सेवाभावी सदस्य श्री नारायण सिकरिया जी, जो की दुर्गापुर पश्चिम शाखा के अध्यक्ष भी है की तरफ से उपरोक्त संस्था को इसी दिन मारुति वैन का दान दिया गया, जिसका उपयोग भोजन सामग्री को लाने ले जाने एवं विभिन्न सेवाओं के कार्य में प्रयोग किया जाएगा।

मारुति वैन के साथ सदस्यों द्वारा प्रदान की गई खाद्य सामग्री भी दी गई।

श्री देवाशीष मजूमदार जी जो कि सांपों को पकड़ने का कार्य करते हैं एवं दुर्गापुर में किसी के भी बुलाने पर वह अति शीघ्र आ जाते हैं और सापों को पकड़ कर ले जाते है। इन महानुभाव को भी सम्मेलन की तरफ से सम्मानित किया गया।

श्री शरद सरावगी ने किया प्रांतीय अध्यक्ष का पदभार ग्रहण

मारवाड़ी समाज का देश के हर क्षेत्र में अतुलनीय योगदान – राष्ट्रीय अध्यक्ष लोहिया

मध्यप्रदेश प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन (संबद्ध अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन कोलकाता) का शपथग्रहण समारोह १० अगस्त २०२५ को पन्ना मोड़ स्थित सत्कार हाटल में गरिमामयी माहौल में अपार उत्साह के साथ मनाया गया। अतिथिगणों ने मां सरस्वती के तैलचित्र पर दीप प्रज्ज्वलित कर पूजन किया। तत्पश्चात् श्री अभिनंदन सरावगी एवं श्रीमती सपना सरावगी की सुपुत्री कुमारी नायरा ने गणेश वंदना पर नृत्य की शानदार प्रस्तुति कर सबका मन मोह लिया। पूरा हॉल तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा। नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष शरद सरावगी कृष्णकुमार शर्मा व सदस्यों ने अतिथियों का पुष्पगुच्छ भेंटकर कर अभिनंदन किया। कार्यक्रम का संचालन समाज के अजय सरावगी किया। शपथग्रहण समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में राष्ट्रीय अध्यक्ष शिव कुमार लोहिया व विशिष्ट अतिथि राष्ट्रीय महामंत्री कैलाशपति तोदी, राष्ट्रीय सदस्य श्रीमती सुषमा अग्रवाल, प्रांतीय अध्यक्ष श्री विजय कुमार सकलेचा, पूर्व प्रांतीय अध्यक्ष श्री कमलेश नाहटा जबलपुर की गरिमामय उपस्थिति रही। राजस्थान ट्रस्ट कमेटी के अध्यक्ष प्रवीण बजाज राजस्थानी मारवाड़ी समाज के अध्यक्ष पवनबजाज राजस्थान महिला मंडल की अध्यक्ष श्रीमती हंसा खंडेलवाल राजस्थानी मारवाड़ी ब्राह्मण समाज के अध्यक्ष पंकज शर्मा माहेश्वरी समाज के अध्यक्ष श्री नारायण दास

गट्टानी वरिष्ठ समाजसेवी गजू अग्रवाल प्रांतीय सचिव श्याम सुंदर माहेश्वरी प्रांतीय कोषाध्यक्ष अजय खंडेलवाल, कटनी शाखा के अध्यक्ष श्री कृष्ण कुमार शर्मा, सचिव अजय सरावगी कोषाध्यक्ष श्याम मित्तल अन्य गणमान्यजनों की उपस्थिति थी।

इस अवसर पर राष्ट्रीय अध्यक्ष शिव कुमार लोहिया ने कहा कि मारवाड़ी समाज का देश के हर क्षेत्र में अतुलनीय योगदान है समाज सक्षम है तो सहयोग मदद के लिये भी तत्पर है देश भर में समाज की ख्याति है हम सभी एकजुटता के साथ काम कर रहे है। संगठित होकर ही सामाजिक कार्यों का गति प्रदान की जा सकती हैं।

शपथग्रहण समारोह में राष्ट्रीय महामंत्री कैलाशपति तोदी ने कहा कि मारवाड़ी समाज के विभिन्न संगठन सामाजिक उत्थान के लिये व्यापक तरीके से कार्य कर रहे हैं, आज हम गर्व से कह रहे कि हम मारवाड़ी हैं। उन्होंने आधुनिक संचार क्रांति के युग में सोशल मीडिया पर समाजिक गतिविधियों का भी संचालित करने की बात कही और समस्याओं के निदान पर इसी माध्यम पर सूचना देने को कहा।

राष्ट्रीय सदस्य श्रीमती सुषमा अग्रवाल ने कहा हम सब मारवाड़ी समाज को जोड़ने का काम करते हैं। मारवाड़ी होना जरूरी हैं। यह समाज ऊर्जावान समाज है। हर आदमी विनम्रता से वह सब हासिल कर सकता है जिसकी वह अपेक्षा रखता है। समाज में सभी को लेकर चलना पड़ेगा अकेला व्यक्ति सफलता की मंजिल नहीं पा सकता मारवाड़ी समाज देश भर में सबको लेकर चलने का अद्‍भुत काम करता है। समाज के साथ चले समाज को जोड़े कमजोर लोंगो की मदद करे। समाज हमे आगे बढ़ाता है सम्मान देता है।

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के राष्ट्रीय महामंत्री कैलाशपति तोदी ने नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष शरद सरावगी, प्रदेश महामंत्री श्री श्याम सुंदर जी माहेश्वरी जबलपुर, प्रांतीय कोषाध्यक्ष श्री अजय खंडेलवाल कटनी तथा कटनी जिला मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष श्री कृष्ण कुमार शर्मा सचिव अजय सरावगी कोषाध्यक्ष श्याम मित्तल को शपथ दिलाई। उन्होंने कहा शरद सरावगी समाज के लिये समर्पित और सेवाभावी व्यक्ति है उनकी सेवाओं और मेहनत पर उनका यह दायित्व सौंपा जा रहा उन्हे विश्वास है वे समाज के कार्य में कटनी का नाम देश में रौशन करेंगे तथा उन्होंने सम्मेलन के राष्ट्रीय कार्यक्रमों के बारे में सभी को विस्तार से जानकारी दी। शपथ ग्रहण समारोह में सर्वश्री अशोक कीर्तिका सुरेश अग्रवाल, हरीश जैन, दीपक सरावगी, गोविंद अग्रवाल, चंद पप्पू चमड़िया, सुशील शर्मा, सीए जितेंद्र कनोडिया, बिल्लू शर्मा, नारायण अग्रवाल, डॉ. रामगोपाल बजाज, मधुसूदन बगड़िया संपत गट्टाणी शाहडोल शाखा के अध्यक्ष शीतल पोद्दार राजेश मित्तल अशोक मारे रायपुर सम्मेलन से पधारी श्रीमती रंजना संघी, जितेंद्र सिंघानिया, सोमिल गोयंका, मनीष सरावगी, अखिल सरावगी, नरेश पोद्दार, मनीष सुरेका, पप्पू सुरेखा, पवन सरावगी सहित बड़ी संख्या में सामाजिक लोगो की उपस्थिति रही।

अनुभव

आपसी विश्वास पर ही टिकी है सम्मेलन की बुनियादः

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन की सत्र २०२३-२५ की कार्यकारिणी समिति का कार्यकाल अब अपने अंतिम पड़ाव पर है। जिस प्रकार सभी पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्षों के कार्यकाल सफलतापूर्वक सम्पन्न हुए हैं, उसी अनुरूप वर्तमान कार्यकाल में भी अनेक ऐसे ऐतिहासिक निर्णय लिए गए हैं जिनकी वजह से इस कार्यकाल को सदैव स्मरण किया जाएगा। विशेषकर संविधान संशोधन का अति महत्वपूर्ण कार्य। इससे पहले ११ वर्ष पूर्व वर्ष २०१३ में संविधान संशोधन का कार्य संपन्न हुआ था, तब सम्मेलन में एकल सदस्यता को ग्रहित किया गया था। पिछले अनेक वर्षों से प्रांतों की यह कल्पना थी कि ऐसा संविधान बने जिसमें उनकी बातों को भी महत्व दिया जाए। इसकी कल्पना गुवाहाटी में संपन्न गत राष्ट्रीय अधिवेशन में की गई थी। वर्तमान राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति ने प्रांतों की भावना का आदर करते हुए इस कार्य को प्राथमिकता के आधार पर पूर्ण किया है। इसके लिए राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति के साथ ही अभिनंदन के पात्र हैं उक्त कार्य हेतु गठित संविधान संशोधन समिति के चेयरमैन श्री गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया जी तथा संयोजक श्री संजय हरलालका जी। इस कार्य को उन्होंने तत्परता के साथ पूर्ण किया। यह उनकी कार्यकुशलता को दर्शाता है। संविधान संशोधन का कार्य आसान नहीं था लेकिन राष्ट्र के साथ ही प्रांत के प्रतिनिधियों का भी इस कार्य में सराहनीय योगदान रहा जिसकी एक वजह सभी स्तर पर अपनी ही बात पर अडिग न रहना भी कही जा सकती हैं। यह जरूरी नहीं कि सब के विचार एक समान हो परंतु बहुमत एवं सभी की भावनाओं को ध्यान में रखते हुए लिया गया निर्णय एक आदर्श प्रस्तुत करता है।

वर्तमान कार्यकाल में राष्ट्रीय अध्यक्ष शिव कुमार लोहिया जी तथा राष्ट्रीय महामंत्री कैलाशपति तोदी जी ने आत्मीयता एवं लगन के साथ अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन किया है। राष्ट्रीय उपाध्यक्षों को भी विशेष महत्व देते हुए उनका यथासंभव सहयोग लिया गया है। इस सत्र के दौरान राष्ट्रीय कार्यकारिणी तथा अखिल भारतीय समिति की अधिकांश बैठकें कोलकाता से बाहर प्रांतों में आयोजित कर प्रांतों को अधिक महत्व दिया गया है।

इस सत्र में प्रांतों को भी और अधिक सक्रिय होते देखा गया है। नए प्रांतों के गठन के साथ ही अनेक नई शाखाओं की स्थापना हुई है जिसका अधिक श्रेय प्रांतों को जाता है। राष्ट्रीय कार्यकारिणी एवं अखिल भारतीय समिति की बैठक के दौरान सभी प्रांतों के प्रतिनिधि अपने विचार खुलकर प्रस्तुत कर पा रहे हैं। इससे सम्मेलन में नई चेतना उभरी हैं। वर्तमान में सभी स्तर पर नेतृत्व प्रदान कर रहे अधिकांश लोगों में पहले से कहीं अधिक परिपक्वता एवं सक्रियता देखने को मिली है। सर्वविदित है कि सामाजिक संस्थाओं में आपसी एकता एवं भाईचारा तभी संभव हो सकता है जब हमारी सोच सकारात्मक हो। इसकी बुनियाद आपसी विश्वास पर ही टिकी है। आगामी दिनों में श्री पवन गोयनका जी के नेतृत्व में सम्मेलन और अधिक ऊंचाइयों को छू पाएगा ऐसा हम सभी को विश्वास है। इसी वर्ष से सम्मेलन अपने शताब्दी दशक में प्रवेश करने जा रहा है अतः आगामी दशक सम्मेलन के लिए और अधिक महत्वपूर्ण होगा जो समाज की दिशा एवं दशा को तय करेगा।

– **मधुसूदन सीकरिया**, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष

प्रांतीय समाचार : गुजरात

मेरा गुजरात दौरा

गुजरात प्रांत के प्रभारी के रूप में इस कार्यकाल का मेरा आखिरी दौरा था। इस दरमियान पिछले दो वर्षों में गुजरात प्रांत ने सक्रियता का परिचय दिया है। वर्ष २०२३ में सूरत जिला इकाई का गठन किया गया। बैठक के दौरान प्रांतीय अध्यक्ष गोकुल बजाज तथा सूरत जिले के अध्यक्ष श्री सुशील अग्रवाल ने पिछले दो वर्षों से संपन्न कार्यों का लेखजोखा प्रस्तुत किया। चूंकि सूरत जिले की कार्यकारिणी समिति का २ वर्षों का कार्यकाल समाप्ति की ओर है अतः सभा में नव निर्वाचित कार्यकारिणी समिति को कार्यभार सौंपा गया। सुशील जी के पिछले कार्यकाल की अपार सफलता को देखते हुए एक बार पुनः उन्हें अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी सर्वसम्मति से सौंपी गई। सचिव यानी मंत्री का दायित्व पटना शाखा के पूर्व मंत्री श्री संजय अग्रवाल को सौंपी गई जो आजकल सूरत रह रहे हैं। सूरत जिला इकाई के स्थाई प्रकल्प होमियोपैथिक चिकित्सा केंद्र में भी उपस्थित रहने का अवसर मिला। इस अवसर पर डॉ. वैशाली रावल का राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री शिव कुमार लोहिया जी की तरफ से सम्मान किया गया। गर्व का विषय है कि डॉ. वैशाली उक्त चिकित्सा केंद्र में निशुल्क सेवा प्रदान कर रही हैं। गुजरात प्रांत ने पिछले वर्ष अखिल भारतीय समिति की बैठक का सुंदर आयोजन किया था। आगामी १७ अगस्त को गुजरात प्रांत द्वारा वैवाहिक परिचय सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है। बैठक के दौरान प्रांतीय अध्यक्ष गोकुल जी ने जानकारी दी कि गुजरात प्रांत शीघ्र ही अपने स्थाई कार्यालय की स्थापना की ओर अग्रसर है। सभा के दौरान प्रांतीय तथा जिला इकाई से गुजरात तथा सूरत जिले में और भी शाखाएं खोलने का आग्रह किया गया। साथ ही नए सदस्यों को भी सम्मेलन से जोड़ने का आह्वान किया गया।

पिछले दो वर्षों में गुजरात प्रांत तथा सूरत जिला इकाई का जो स्नेह मिला है उसके लिए सभी पदाधिकारियों एवं सदस्यों का दिल से आभार व्यक्त करता हूँ। आने वाले वर्षों में गुजरात प्रांत और अधिक सक्रियता से कार्य करता रहेगा ऐसा मुझे विश्वास है।

– **मधुसूदन सीकरिया**
राष्ट्रीय उपाध्यक्ष

सम्मेलन समाचार

सम्मान

दिनांक २५ अगस्त २५ को महामंत्री,अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महासभा, श्री अजय काबरा, पूर्वांचल उपाध्यक्ष, अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महासभा, श्री कैलाश काबरा, अध्यक्ष, माहेश्वरी सभा, हावड़ा, श्री अशोक कुमार भट्टड़, एवं मंत्री, माहेश्वरी सभा, हावड़ा, श्री अनिल कुमार लाखोटिया के राष्ट्रीय कार्यालय में आगमन पर राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री शिव कुमार लोहिया, राष्ट्रीय महामंत्री श्री कैलाशपति तोदी एवं राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष श्री केदार नाथ गुप्ता द्वारा सम्मान किया गया।

तृतीय कार्यकारिणी बैठक

२०२४-२६ सत्र की उत्कल प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन की तृतीय प्रांतीय कार्यकारिणी की बैठक दिनांक ३ अगस्त २०२५ ओंकरमल भवन में, कांटाभंजी तथा बंगुमुंडा शाखा के आतिथ्य में संपन्न हुई, सभा में विभिन्न शाखा के ३०० से अधिक प्रतिनिधि शामिल हुए, शाखा अध्यक्ष श्री ललित अग्रवाल, स्वागत अध्यक्ष श्री किशन अग्रवाल ने स्वागत उद्बोधन प्रांतीय महासचिव श्री सुभाष अग्रवाल ने अपने रिपोर्ट में संगठन विस्तार, महिला शाखा का गठन, केसिंगा शाखा कार्यालय, सामाजिक पंचायत, सुधार, शिक्षा, पर अपनी रिपोर्ट दी, प्रांतीय उपाध्यक्ष श्री कैलाश अग्रवाल ने संगठन पर चर्चा प्रारंभ की जिसमें जोन उपाध्यक्ष श्री दिनेश अग्रवाल, श्री मंगतू राम अग्रवाल, श्री दीनदयाल केडिया, श्री किशन अग्रवाल, श्री सुरेश कमानी ने जोन रिपोर्ट दी तथा २७ से अधिक सदस्यों ने चर्चा में भाग लिया, तथा समवेत स्वर में ३०% सदस्यता वृद्धि का संकल्प लिया गया, सामाजिक सुधार, प्री वेडिंग, सामूहिक कार्यक्रम हेतु निर्णय लिया गया, प्रत्येक ३ माह में एक सामाजिक विषय पर शाखा में परिचर्चा पर निर्णय लिया गया, पुर्व प्रांतीय अध्यक्ष श्री अशोक जालान ने शिक्षा कोष की जानकारी दी, श्री श्याम सुंदर अग्रवाल ने सामाजिक पंचायत की ओर प्रभावी बनाने के लिए आह्वान किया, मासिक फलक पत्रिका के लिए श्री संजय अग्रवाल को दायित्व दिया गया, तितलागढ़ तथा बरगढ़ महिला शाखा के गठन के लिए तितलागढ़ शाखा, तथा बरगढ़ जोन उपाध्यक्ष श्री किशन अग्रवाल को सम्मानित किया गया, बेलपहाड़ शाखा को सदस्यता वृद्धि, कटक शाखा को पुरी रथयात्रा सेवा शिविर, विशिष्ट दानदाता को भामाशाह अवॉर्ड, विशिष्ट कार्यों के लिए सम्मान, शिक्षा सम्मान, तथा सुंदर आयोजन के लिए आयोजक शाखाओं को सम्मानित किया गया, अति विशिष्ट सहयोगी संस्था के रूप में मारवाड़ी युवा मंच, कांटाभंजी को सम्मान, २०२६-२८ सत्र के निर्वाचन के लिए चुनाव अधिकारी के रूप में वरिष्ठ अधिवक्ता श्री श्रवण अग्रवाल की नियुक्ति, आगामी ६ एवं ७ सितंबर में दिल्ली राष्ट्रीय कार्यकारिणी में चलने का निमंत्रण, दिवाली झलक में सहयोग की अपील, अग्रसेन जयंती में सामाजिक विषय में परिचर्चा, संबलपुर १४ एवं १५ अगस्त को उड़ान उद्योग, व्यापार मेले में चलने का निमंत्रण, जाजपुर शाखा द्वारा वहां एक कार्यक्रम करने हेतु निमंत्रण, बलांगीर शाखा द्वारा दिसंबर में सामाजिक विषय पर प्रांतीय परिचर्चा का कार्यक्रम, कलमपुर शाखा द्वारा जोन स्तरीय कार्यक्रम का संकल्प किया गया, प्रांतीय अध्यक्ष श्री दिनेश अग्रवाल ने संगठन को अधिक प्रभावी, महिला तथा प्रोफेशनल को संगठन से जोड़ने की अपील की तथा समाज हित में नए कार्यक्रम लेने हेतु सीए पुष्पकांत गोयल ने सभा का संचालन किया, तथा नए संकल्पों के साथ सभा की समाप्त हुई।

उत्कल प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन का २०२४-२६ की रपट

श्री दिनेश अग्रवाल
प्रांतीय अध्यक्ष

१६ मार्च २०२४ को श्री दिनेश अग्रवाल जी प्रांतीय अध्यक्ष डॉ. सुभाष चंद्र अग्रवाल महामंत्री ने कार्यभार संभाला प्रथम कोर कमेटी की मीटिंग कर संबलपुर गोशाला से कार्य प्रारंभ किया तथा २ साल की रूपरेखा तैयार किया गया। तत्पश्चात प्रथम कार्यकारिणी बैठक अंगुल में, द्वितीय केसिंगा में, तृतीय कांटाबंजी शाखा के तत्वावधान मे किया गया। सामाजिक सुधार, शिक्षा विकाश, सामाजिक पंचायत, सामूहिक कार्यक्रमों पर विस्तृत विचार किया गया। सामाजिक निर्णय का आदर करने वालों को सम्मान किया गया। पुरानी सामाजिक पंचायत व्यवस्था को पुनर्जीवित करके ३४ मामलों का कोर्ट के बार निबटारा किया गया। ४ जोन मीटिंग करके शाखाओं को सुदृढ़ किया गया। नई शाखा कलमपुर, गोलामुंडा, रंगली, राजगागंपुर, बेलपहाड़, महिला शाखा टीटलागढ़ तथा बरगढ़ प्रारंभ किया गया। ५०० आजीवन सदस्य ४ विशिष्ट संरक्षक सदस्य. जोड़े गए। भारत में अपना पहला कार्यालय केसिंग में राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री शिव कुमार लोहिया के कर कमलों से उद्घाटन कराया गया। तीन प्रान्त के अध्यक्ष छत्तीसगढ़-अमरजी, कर्नाटक-श्री सीतारामजी, उत्कल श्री दिनेशजी महामंत्री डॉ. सुभाषजी, शाखा अध्यक्ष श्री श्यामसुंदरजी भी मौजूद रहे। UPMS भ्रमण तथा सहभागिता कार्यक्रम के तहत धार्मिक नगरी अयोध्या, वाराणसी, प्रयागराज ९७ सदस्य, सिंगापुर ५८ सदस्य, श्रीलंका रामायण यात्रा ५७ सदस्य के साथ स्मरणीय रहा। रूपरा रोड ब्रांच द्वारा स्वर्गरथ डेड बॉडी फ्रिजर लोकार्पित किया गया। रायपुर में उत्कल से सर्वाधिक २५ प्रतिनिधि उपस्थित रहे। पूरी रथ यात्रा सेवा में ३ दिन का प्रसाद वितरण १.५ लाख श्रद्धालुओं को कटक शाखा के तरफ से किया गया। अगला कार्यक्रम उड़ान २०२५ के तहत उद्योगमेला संबलपुर में होना तय हुआ है। शाखा स्तर पर अपने अपना कार्यक्रम के तहत श्री अग्रसेन जयंती धूमधाम से मनाया गया तथा पूरे प्रांत में २७ पदाधिकारी बतौर अतिथि शामिल हुए जिसमें राष्ट्रीय अध्यक्ष से लेकर शाखा अध्यक्ष तक शामिल रहे। चुनाव जागरूकता के तहत पहले मतदान फिर जलपान के तहत कार्यक्रम लिया गया तथा समाज के मतदान प्रतिशत को बढ़ाया गया। समाज का मुखपत्र झलक प्रदेश के १०००० सदस्य को PDF के माध्यम से जा रहा है। शिक्षा विकास ट्रस्ट के माध्यम से मेधावी छात्रों को सुदृढ़ बनाने का कार्य किया जा रहा है। अपना छात्रावास संबलपुर भुवनेश्वर में करने का लक्ष्य है।

श्री सुभाष चंद्र अग्रवाल
प्रांतीय महामंत्री

मारवाड़ी भाषा सीखो

हाल ही में इंदौर की अग्रवाल बिज़नेस कम्युनिटी की बैठक में इंदौर शाखा के अध्यक्ष श्री राजेश थराड़ ने कार्यक्रम में मारवाड़ी भाषा बोलने के लिए प्रोत्साहित किया। हमारे युवाओं ने काफी दिलचस्पी दिखायी भाषा जानने और सीखने के लिए। उन्हें अपने ऑनलाइन कोर्स के बारे मे भी अवगत कराया गया।

संस्थापक अध्यक्ष स्व. रामदेवजी चोखानी के पौत्र से भेंट

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन की स्थापना १९३५ में कोलकाता में हुई थी और इसके संस्थापक अध्यक्ष बनने का गौरव श्री रामदेव जी चोखानी को प्राप्त हुआ था। ९० साल पुरानी इस संस्था की इंदौर शाखा का उद्‌घाटन १८ जून २०२५ को इंदौर में हुआ। इस अवसर पर राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री शिव कुमार जी लोहिया और राष्ट्रीय सचिव सीए कैलाशपति जी तोदी भी इंदौर आए थे। अरुण चोखानी जी, जो इंदौर शाखा के विशिष्ट संरक्षक सदस्य हैं और स्वर्गीय श्री रामदेव जी चोखानी जी के पौत्र हैं, उस समय अमेरिका प्रवास पर होने के कारण कार्यक्रम में शामिल नहीं हो पाए थे। उनके सम्मान में राष्ट्रीय अध्यक्ष एक स्मृति चिन्ह लेकर आए थे। इंदौर शाखा के अध्यक्ष राजेश थरड़, कोषाध्यक्ष अतिन अग्रवाल और सचिव सीए रंजन अग्रवाल द्वारा अरुण चोखानी जी के घर पर राष्ट्रीय अध्यक्ष द्वारा लाई गई स्मृति चिन्ह प्रदान कर उनका सम्मान किया। साथ ही संस्था की मासिक पत्रिका **"समाज विकास"** और मारवाड़ी भाषा के प्रचार प्रसार और सीख के लिए प्रकाशित पुस्तक **"सहज राजस्थानी व्याकरण"** भी अरुण जी को भेंट की। अरुण चोखानी जी ने अपने दादा जी के राष्ट्र और अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के लिए किए गए महत्वपूर्ण योगदान के बारे में बताया। उन्होंने इंदौर के पदाधिकारियों को आशीर्वाद दिया और उन्हें आगे कैसे काम करना चाहिए, इसके लिए सुझाव भी दिए।

मारवाड़ी भाई-बेहना सू निवेदन

आपा आपणो देश मारवाड़ (राजस्थान) तो छोड़ दिया हाँ, काईं आपणी मारवाड़ी, आपणी मातृभाषा ने भी छोड़ देनो, खत्म कर देनो चावां हाँ। आपणा में अधिकतर माता-पिता आपणा बच्चा (टाबरा) सू हिंदी, इंग्लिश में बात करा हाँ और गर्व महसूस करा हाँ, आज हर सिंधी रा बच्चा सिंधी बोले है, मराठी का मराठी, अटातांई के अरबपति अंबानी का बच्चा भी गुजराती में ही बात करे है, परंतु आज री जेनरेशन मारवाड़ी बच्चा ने तो मारवाड़ी आवे ही नहीं है, काई आपण मारवाड़ी बोलना में शर्म आवे है। इन बच्चा का हक है मारवाड़ी बोलनो और मारवाड़ी सीखनो तो कृपया कर गर्व सू मारवाड़ी में बात करो, कम से कम मां-पिता जी, भाई-भोजाई, चाचा-चाची जी, सगला घर का सू कोई एक तो बात शुरू करो।

आपणी मारवाड़ी भाषा ने विलुप्त होना सू बचाओ!

परिचय सम्मेलन हेतु नामांकन करें

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन की वेबसाइट : www.marwarisammelan.com पर वैवाहिक संबंध का पेज जुड़ गया है, समाज-बंधुओं से अनुरोध है कि अपना बायोडाटा प्रविष्ट कर इस सुविधा का लाभ उठाएँ, इसके लिए सम्मेलन की वेबसाइट के **एक्टिविटीज** मेनू पर कर्सर ले जाने पर '**एनरोल मैरिज बायोडाटा**' का सेक्शन दिखेगा, उस पर क्लिक करने पर '**क्रिएट न्यू मैट्रिमोनी रिक्वेस्ट**' का एक नया विंडो खुलेगा; इसमें अपना पूर्ण विवरण प्रविष्ट कर '**सबमिट**' पर क्लिक करने से आप हमारे '**परिचय सम्मेलन**' प्रकल्प में नामांकित हो जाएंगे। किसी भी असुविधा की स्थिति में आप राष्ट्रीय कार्यालय में दूरभाष एवं व्हाट्सएप +91 86973 17557 करके या ईमेल aimf1935@gmail.com के माध्यम से संपर्क कर सकते हैं। इस संबंध में आपके सुझाव आमंत्रित हैं। राम! राम!

कैलाश पति तोदी
राष्ट्रीय महामंत्री

प्रांतीय समाचार : झारखंड

साकची शाखा द्वारा २०२३-२५ की रपट

श्री अग्रसेन जयंती : साकची शाखा द्वारा श्री अग्रसेन जयंती समारोह मनाया गया। अपने समाज के १००० से अधिक समाज बंधु अस समारोह में उपस्थित थे।

सामूहिक पिकनिक : साकची शाखा द्वारा दिसंबर के आखरी सप्ताह में सामूहिक पिकनिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें लगभग २००० समाज बंधु साकची समेत जमशेदपुर के विभिन्न क्षेत्रों से उपस्थित हुए।

गणगौर महोत्सव : साकची शाखा द्वारा गणगौर महोत्सव का आयोजन किया गया। इस आयोजन में मानगो स्वर्णरेखा नही पर राजस्थानी परिणान में सज-धज का लगभग २००० से अधिक महिलाओं ने भाग लिया। मारवाड़ी सम्मेलन साकची शाखा की ओर से शीतल जल, शर्बत, चाट आदि की व्यवस्था की गई।

होलिका दहन : साकची शाखा की ओर से आम गान में होलिका दहन का कार्यक्रम किया गया।

होली मिलन समारोह : साकची शाखा द्वारा होली के पावन अवसर पर होली मिलन समारोह का आयोजन धालभूम क्लब में किया गया। इस समारोह में लगभग २००० लोगों ने भाग लिया।

पहली रोटी गौ माता की : इस कार्यक्रम के तहत साकची शाखा द्वारा १०० से अधिक परिवारों के साथ जुड़ कर अपने परिवार के नाम पर दो रोटी प्रतिदिन के हिसाब से टाटानगर गोशाा भेजी जाती है।

इसके अलावा भी अन्य कार्य जैसे दीपावली पर सामूहिक मिठाई बनाने का कार्यक्रम, रथ यात्रा के अवसर पर भगवान जगन्नाथ के महाप्रसाद का वितरण, गर्मी में राहगीरों को फल एवं शर्बत वितरण, अक्षय तृतीया पर जल महोत्सव का आयोजन, लोकसभा अध्यक्ष महामहिम श्री ओम बिड़ला जी के जमशेदपुर आगमन पर उनका स्वागत एवं शिक्षा के क्षेत्र में शानदार प्रदर्शन हेतु बच्चों का सम्मान जैसे अनेक प्रकल्पों का आयोजन किया गया।

सोशल मीडिया पेज से जुड़ें

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन की सोशल मीडिया में उपस्थिति फेसबुक एवं इंस्टाग्राम पेज के माध्यम से प्रारंभ हो चुकी है। सभी समाज-बंधुओं से विनम्र निवेदन है कि फेसबुक : AIMF1935 व इंस्टाग्राम : allindiamarwarifederation_ को अधिक से अधिक संख्या में लाइक/फॉलो करें। इसके द्वारा हम आपसी संवाद एवं संपर्क को बढ़ावा देंगे एवं इससे सम्मेलन की सूचनाओं का आदान-प्रदान भी संभव हो पाएगा। सम्मेलन के सभी प्रांत, शाखा एवं समाज से जुड़े सभी समाज-बंधुओं से अनुरोध है कि इस सुविधा का लाभ उठाएं तथा अपने सूचना/विचार एवं कार्यक्रम की फोटो पोस्ट करने के लिए राष्ट्रीय कार्यालय में व्हाट्सएप +91 86973 17557 करके या ईमेल (aimf1935@gmail.com) में भेज सकते हैं, ताकि उपयुक्त जानकारियों को हम एक-दूसरे के साथ साझा कर सकें। इस संबंध में आपके सुझाव आमंत्रित हैं। राम ! राम !!

– **कैलाश पति तोदी**, राष्ट्रीय महामंत्री

प्रांतीय समाचार : दिल्ली

दिल्ली प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन २०२५-२७ की रपट

प्रादेशिक शाखा का चनाव/पदभार : २१ अप्रैल २०२५
प्रादेशिक अध्यक्ष : श्री राजेश सिंघल
प्रादेशिक महामंत्री का विवरण : श्री बसंत कुमार पोद्दार
प्रादेशिक कोषाध्यक्ष : श्री दीपक कुमार अग्रवाल
प्रादेशिक कार्यकारिणी समिति की बैठक संपन्न
स्थान – दिल्ली दिनांक : ९ जून २०२५
स्थान – दिल्ली दिनांक : ११ जून २०२५
स्थान – दिल्ली दिनांक : २४ जून २०२५
स्थान – दिल्ली दिनांक : २६ जून २०२५
स्थान – दिल्ली दिनांक : ६ जुलाई २०२५
कुल शाखाएं : ११
प्रांतीय एवं राष्ट्रीय बैठक/अधिवेशन
२८वाँ राष्ट्रीय अधिवेशन का आयोजन, ६ एवं ७ सितंबर २०२५ दिल्ली

कार्यक्रम

६ जून २०२५ को पश्चिमी दिल्ली में मिल्क, शर्बत जुस का वितरण, १९ जून २०२५ को दक्षिण दिल्ली में जल सेवा, २९ जून २०२५ को दिल्ली प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन द्वारा निशुल्क नेत्र जाँच व आपरेशन शिविर, १२ जुलाई २०२५ को महिला शाखा द्वारा तीज महोत्सव, २० जुलाई २०२५ को दिल्ली प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन द्वारा रायपुर दौरा उपस्थिति - श्री नवनिर्वाचित राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री पवन कुमार गोयनका, निवर्तमान राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री लक्ष्मीपत भुतोड़िया, श्री मन्ना लाल बैद, श्री सज्जन शर्मा, श्री राजकुमार मिश्रा एवं श्री पवन शर्मा, २४ जुलाई २०२५ को गणगौर शाखा द्वारा कार्यकारिणी सभा, ४ अगस्त २०२५ का दिल्ली प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन द्वारा राष्ट्रीय मंदिर नागली पूना, ९ अगस्त २०२५ को दिल्ली प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन द्वारा दिल्ली की मुख्यमंत्री श्रीमती रेखा गुप्ता जी से शिष्टाचार भेंट, ११ अगस्त २०२५ को दिल्ली प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के प्रांतीय महामंत्री का राष्ट्रीय कार्यालय का दौरा, ११ अगस्त २०२५ को पूर्व दिल्ली की कार्यकारिणी की सभा, १२ अगस्त २०२५ को दक्षिण दिल्ली की कार्यकारिणी सभा, १४ अगस्त २०२५ को महिला शाखा की कार्यकारिणी की सभा, १६ अगस्त २०२५ को दिल्ली प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन की कार्यकारिणी सभा।

With Best Compliments From:

ROAD CARGO MOVERS PVT. LTD.

Head- office:

1 Gibson Lane, 2nd Floor

Suite- 210 &211 , Kolkata- 700069

Phone : 2210-3480

E-mail : info@roadcargo.in

Branches & Associates :

Guwahati, Siliguri, Durgapur, Haldia, Kharagpur, Balasore, Bhubneswar, Cuttuck, Ichchapuram, Vishakapatnam, Vijaywada, Chennai, Bangalore, Raipur, Vadodara

सम्मेलन के सत्र २०२३-२५ की झलकियाँ

महामहिम राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु से सम्मेलन के शिष्टमंडल की भेंट।

राजस्थान के मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा से राष्ट्रीय पदाधिकारियों की शिष्टाचार भेंट

केन्द्रीय मंत्री श्री अर्जुन राम मेघवाल से शिष्टाचार भेंट

असम के राज्यपाल माननीय श्री गुलाब चंदजी कटारिया से सम्मेलन के पदाधिकारियों की शिष्टाचार भेंट

असम के मुख्यमंत्री श्री हिमंता बिस्वा सरमा से मुलाकात

बंगाल के माननीय राज्यपाल डॉ. सीवी आनंद बोस से शिष्टाचार भेंट

सम्मेलन के सत्र २०२३-२५ की झलकियाँ

सम्मेलन के पुरोधा स्व. नंदकिशोर जालान जन्म शतवार्षिकी समारोह

पहलगाम आतंकी हमले में मारे गए लोगों को विनम्र श्रद्धांजलि

संस्कार-संस्कृति-चेतना कार्यक्रम; श्री शिक्षायतन स्कूल

संस्कार-संस्कृति-चेतना कार्यक्रम; श्री अग्रसेन बालिका शिक्षा सदन

राजस्थानी व्यक्तित्व सम्मान समारोह

संगोष्ठी : वक्ता - डॉ. उज्ज्वल पाटनी

राष्ट्रीय कार्यकारिणी समीति की षष्ठम बैठक

राजस्थानी साहित्य सम्मान समारोह

वार्षिक साधारण सभा की बैठक

शताब्दी वर्ष में अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन में अपेक्षित बदलाव

आज, जब सम्मेलन अपने ९० वर्ष पूर्ण कर आदर्शों के पथ पर अग्रसर है और समाज के आकाश पर देदीप्यमान है, तब इसके प्रति हमारी अपेक्षाएँ, आशाएँ और जिम्मेदारियाँ और भी बढ़ गई हैं। आने वाले समय में सम्मेलन को ऐसे बदलाव अपनाने की आवश्यकता है, जो समाज की आंतरिक समस्याओं, ज्वलंत मुद्दो, बाहरी चुनौतियों तथा बदलते आधुनिक परिदृश्य का समाधान प्रस्तुत कर सके और समाज का सशक्त मार्गदर्शन कर सके।

शताब्दी वर्ष के अवसर पर अधिक से अधिक परिवारों को सम्मेलन से जोड़ने का लक्ष्य निर्धारित किया जाना चाहिए। जो परिवार सदस्यता शुल्क देने में असमर्थ हैं, उनके लिए शुल्क में रियायत की व्यवस्था होनी चाहिए।

डिजिटल संचार माध्यमों और ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के जरिये कार्यक्रमों एवं गतिविधियों को सीधे सदस्यों तक पहुँचाने की व्यवस्था हो। समय समय पर वर्चुअल मीटिंग, वेबिनार और ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित कर तकनीकी रूप से सम्मेलन को और सशक्त बनाया जा सकता है।

सम्मेलन, महिला सम्मेलन और युवा मंच तीनों शीर्ष संस्थाओं के बीच आपसी समन्वय स्तापित हो–, ताकि एक संस्था के निर्णय से सभी अवगत और लाभान्वित हो सकें।

गाँव, कस्बों और छोटे शहरों में रहने वाले सामान्य शिक्षित युवाओं के विवाह में कठिनाइयाँ बढ़ रही हैं। अनेक परिवार, स्वयं गाँव में रहने के बावजूद, अपनी बेटियों की शादी किसी गाँव या साधारण पढ़े लिखे-युवक से नहीं करना चाहते।

परिणामस्वरूप, युवकों की उम्र अधिक होने पर अंतर्जातीय विवाह की प्रवृत्ति बढ़ रही है, जो हमारी संस्कृति को चुनौती देती है। साथ ही, समाज में तलाक की बढ़ती संख्या भी चिंता का विषय है। सम्मेलन को इन मुद्दो पर गंभीर चिंतन कर ठोस समाधान के प्रयास करने चाहिए।

पहले हमारे परिवारों में तीन चार बच्चे होते थे-, फिर परिवार नियोजन के अंतर्गत हम दो, "हमारे दो का चलन आया", और आज कई परिवार केवल एक ही बच्चे तक सीमित हो गए हैं। इसके दूरगामी सामाजिक, आर्थिक और सांस्कृतिक परिणामों पर विचार-विमर्श आवश्यक है।

समाज का एक बड़ा वर्ग मध्यवर्गीय है, जो सीमित संसाधनों में जीवनयापन कर रहा है। तकनीकी या उच्च शिक्षा न पाने वाले बेरोजगार युवाओं की संख्या निरंतर बढ़ रही हैं। इनके कौशल विकास, स्वरोजगार और प्रशिक्षण के लिए योजनाएँ बनाई जानी चाहिए।

मारवाड़ी भाषा, परंपराएँ और रीतिशिक्षण-रिवाज हमारी पहचान हैं। इनके संरक्षण के लिए भाषा-, साहित्य लेखन और सांस्कृतिक कार्यक्रमों को बढ़ावा देना चाहिए। युवाओं को पारंपरिक गीत, नृत्य, पहनावा और खानपान से परिचित कराने हेतु समय समय पर विशेष आयोजन किए जाएँ।

बुजुर्गों का सम्मान हमारी संस्कृति की नींव है, किंतु इसमें कमी आना समाज के लिए चिंता का विषय है। वरिष्ठ नागरिकों के सम्मान और उनके अनुभवों से लाभ उठाने हेतु विशेष कार्यक्रम बनाए जाएँ।

साथ ही, स्वास्थ्य शिविर, रक्तदान, नेत्रदान, निर्धनों की सहायता, पर्यावरण संरक्षण और स्वच्छता अभियान जैसे जनसरोकार के कार्यों को बढ़ावा दिया जाए, जिससे समाज की पहचान और प्रतिष्ठा में वृद्धि हो।

– डॉ० सज्जन कुमार पंसारी, खगड़िया, बिहार
(प्रथम पुरस्कार से पुरस्कृत)

सम्मेलन मंच जुलाई २०२५

जुलाई अंक के सम्मेलन मंच का विषय "सन् २०३५ में सम्मेलन शताब्दी वर्ष पूर्ण करेगा। शताब्दी वर्ष में आप सम्मेलन में क्या बदलाव सोचते हैं।"

उपर्युक्त विषय पर प्राप्त प्रविष्टियों में निम्नलिखित पांच प्रविष्टियाँ पुरस्कृत हुईः

प्रथम पुरस्कार
१. डॉ. सज्जन कुमार पंसारी, खगड़िया, बिहार

द्वितीय पुरस्कार
१. श्री बिनोद कुमार अग्रवाल, सिमडेगा, झारखंड
२. श्री श्याम सुन्दर अग्रवाल, केसिगा, ओडिशा

तृतीय पुरस्कार
१. श्री मनोज शर्मा, गौड़ सिलीगुड़ी, पश्चिम बंगाल
२. श्रीमती सुधा जैन, हज़ारीबाग, झारखंड

इस विषय पर निम्नलिखित समाज बंधुओं के विचार भी हमें प्राप्त हुए हैं :-
श्री नवीन पसारी, सरायकेला-खरसावाँ, झारखंड
श्री ब्रजेश कुमार बुबना, सीतामढ़ी, बिहार
श्री अशोक कुमार बाकलीवाल जैन, शिवसागर, असम
श्री दीपक अग्रवाल (रामुका), जुगसलाई, झारखंड
श्री अशोक कुमार डालमिया, देवघर, झारखंड
श्री रतन जैन, सेओता, झारखंड
श्रीमती रेखा केजरीवाल, कोरबा, छत्तीसगढ़
श्री बिमल कुमार सुल्तानिया, कोलकाता, पश्चिम बंगाल
श्री हरि शंकर मोदी, दुमका, झारखंड
श्री दिलीप केजरीवाल, चक्रधरपुर, झारखंड
श्री विष्णु कुमार शर्मा, झाझा, बिहार

अनेक सदस्यों ने मूल्यवान सुझाव दिये हैं। केसिंगा से श्री श्याम सुन्दर अग्रवाल ने लिखा है "शताब्दी वर्ष सम्मेलन के लिए केवल स्मरण का नहीं, आत्मविश्लेषण, पुनर्संरचना और भविष्य निर्माण का समय होना चाहिए"। सिलीगुड़ी से श्री मनोज शर्मा गौड़ ने लिखा है कि "शताब्दी वर्ष सिर्फ इतिहास लिखने का नहीं, बल्कि भविष्य की दिशा तय करने का अवसर है। आत्ममंथन, सच्चाई और साहस से हम बदलाव की नींव रख सकते हैं। तभी हमारा सम्मेलन आने वाली पीढ़ियों के लिए भी उतना ही महत्वपूर्ण और प्रेरणादायक बना रहेगा।"

कोरबा छत्तीसगढ़ से श्रीमती रेखा केजरीवाल ने लिखा है कि "समाज वही जो समय के साथ चले, परंपरा वही जो बदलाव को अपनाए और सम्मेलन वही जो समाज को संवार दे।"

सम्मेलन के शताब्दी वर्ष के विषय में निश्चय ही और भी नये सोच उभरेंगे। समाज विकास की ओर से उस दिशा में यह एक तुच्छ प्रयास है।

सभी प्रतिभागियों को आभार एवं विजेताओं को हार्दिक बधाई।

– संपादक

मारवाड़ी सम्मेलन का शताब्दी वर्ष: एक स्वर्णिम अवसर और भविष्य की दिशा

मारवाड़ी सम्मेलन का शताब्दी वर्ष (१००वाँ स्थापना वर्ष) एक ऐतिहासिक और गौरवशाली क्षण है। यह केवल एक संस्था की उम्र नहीं, बल्कि एक समाज की सांस्कृतिक, सामाजिक और आर्थिक चेतना की सौ वर्षों की यात्रा का प्रतीक है। मारवाड़ी समाज ने सदियों से व्यापार, शिक्षा, परोपकार और राष्ट्र निर्माण के विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान दिया है। इस शताब्दी वर्ष पर यह आवश्यक है कि हम अपने अतीत से प्रेरणा लें, वर्तमान को सशक्त बनाएं और भविष्य के लिए ठोस दिशा निर्धारित करें।

सम्मेलन की उपलब्धियाँ:

मारवाड़ी सम्मेलन ने बीते वर्षों में शिक्षा के प्रसार, सामाजिक सुधार, महिला सशक्तिकरण, निर्धनों की सेवा और भारतीय संस्कृति के संरक्षण के लिए निरंतर कार्य किया है। इसने समाज को संगठित किया और युवाओं को अपनी जड़ों से जोड़कर आधुनिकता के साथ संतुलन बनाए रखने में प्रेरित किया। अनेक छात्रवृत्तियाँ, चिकित्सालय, विद्यालय और सामुदायिक भवन इस संगठन की देन हैं।

शताब्दी वर्ष के अवसर पर प्रमुख सुझाव:

१. **युवा सशक्तिकरण कार्यक्रम :** समाज की स्थायित्व और प्रगति का आधार युवा होते हैं। सम्मेलन को चाहिए कि वह मारवाड़ी युवा नेतृत्व संस्थान की स्थापना करे, जहाँ युवाओं को नेतृत्व, उद्यमिता, डिजिटल कौशल और सांस्कृतिक मूल्यों की प्रशिक्षण दिया जाए।

२. **डिजिटल मैत्री अभियान :** बदलते समय में डिजिटल प्लेटफॉर्मों पर मारवाड़ी सम्मेलन की उपस्थिति अत्यंत आवश्यक है। एक मोबाइल ऐप और वेबसाइट विकसित कर विवाह, शिक्षा, रोजगार और परंपराओं से संबंधित जानकारियाँ उपलब्ध कराई जाएँ।

३. **भाषा और संस्कृति संरक्षण :** मारवाड़ी भाषा धीरे-धीरे विलुप्ति की ओर बढ़ रही है। शताब्दी वर्ष पर सम्मेलन को भाषा संरक्षण परियोजना प्रारंभ करनी चाहिए, जिसमें बच्चों के लिए भाषा पाठ्यक्रम, कहानियों की पुस्तकें और ऑनलाइन प्रशिक्षण हों।

४. **व्यवसायिक सहयोग मंच (Business Forum) :** मारवाड़ी समाज व्यापार से जुड़ा रहा है। एक अखिल भारतीय मारवाड़ी व्यापार मंच की शुरुआत की जा सकती है, जहाँ सदस्य परामर्स, निवेश, प्रशिक्षण और नेटवर्किंग कर सकें।

५. **नारी शक्ति अभियान :** सम्मेलन को महिलाओं के लिए स्वरोजगार प्रशिक्षण केंद्र, हेल्थ कैंप, और आत्मनिर्भरता योजनाएँ प्रारंभ करनी चाहिए। इससे वे आत्मनिर्भर बनेंगी और समाज में नई भूमिका निभाएँगी।

६. **सामाजिक एकता कार्यक्रम :** सम्मेलन को भारत के विभिन्न राज्यों में फैले मारवाड़ी समाज को जोड़ने के लिए संवाद यात्रा निकालनी चाहिए। इससे समाज में एकता और सहानुभूति का भाव बढ़ेगा।

शताब्दी वर्ष केवल उत्सव मनाने का अवसर नहीं है, बल्कि यह आत्मविश्लेषण और नवदृष्टि अपनाने का क्षण है। हमें यह विचार करना होगा कि आने वाले सौ वर्षों में सम्मेलन कैसे समाज को और अधिक सशक्त, शिक्षित, एकजुट और संस्कृति-समृद्ध बना सकता है। यदि हम उपरोक्त सुझावों को क्रियान्वित करें, तो मारवाड़ी सम्मेलन एक नई ऊर्जा और प्रभाव के साथ अगली सदी में प्रवेश करेगा। यह वर्ष नई दिशा, नवसंकल्प और सामाजिक उत्थान का युग बने–इसी शुभकामना के साथ।

— **बिनोद कुमार अग्रवाल,** सिमडेगा, झारखंड
(संयुक्त द्वितीय पुरस्कार से पुरस्कृत)

सम्मेलन मंच

संकल्प २०३५ : सम्मेलन के शताब्दी वर्ष में एक सुनहरा लक्ष्य

वर्ष २०३५ में अखिल भारतीय मारवाड़ी सम्मेलन अपनी गौरवशाली यात्रा के १०० वर्ष पूर्ण करेगा। यह केवल एक आयोजन नहीं, बल्कि एक अवसर है पूरे मारवाड़ी समाज को एक सूत्र में बाँधने का, नई दिशा देने का, और समाज में सार्थक परिवर्तन लाने का।

इस शताब्दी वर्ष पर हमारा प्रमुख उद्देश्य होना चाहिए कि भारत के प्रत्येक मारवाड़ी परिवार की सम्मेलन की सदस्यता से जोड़ा जाए, ताकि सम्मेलन सिर्फ एक संस्था न रहकर पूरे समाज की सामूहिक पहचान बन जाए। इसके लिए हमें संकल्प लेना होगा कि २०३५ तक सम्मेलन के आजीवन सदस्यों की संख्या १,००,००० (एक लाख) तक पहुँचे। यह लक्ष्य केवल आँकड़ा नहीं है–यह हमारे सामाजिक संगठन, एकता और समर्पण का प्रतीक बनेगा।

हर राज्य, शहर, कस्बे और गाँव में सदस्यता अभियान चलाना होगा। स्थानीय समितियों को सक्रिय करते हुए, डिजिटल माध्यमों से पंजीकरण की सरल बनाकर, और समाज को जोड़ने वाले अभियान चलाकर हम इस लक्ष्य को प्राप्त कर सकते हैं। युवा, महिलाएँ, व्यापारी, विद्यार्थी–हर वर्ग को इस अभियान का हिस्सा बनाना होगा।

इसके साथ ही सम्मेलन को समाज की उन कुरीतियों के विरुद्ध भी मुखर रूप से आगे आना होगा, जो आज भी कहीं न कहीं मौजूद हैं। दहेज, अनावश्यक खर्च, सामाजिक भेदभाव जैसे मुद्दों पर स्पष्ट और सशक्त संदेश देना होगा। सम्मेलन को केवल सांस्कृतिक संगठन न मानकर, उसे सामाजिक सुधार का वाहक बनाना होगा।

शिक्षा, महिला सशक्तिकरण, युवा नेतृत्व और उद्यमिता को सम्मेलन के मूल कार्यों में स्थान मिलना चाहिए। प्रत्येक शाखा में कैरियर मार्गदर्शन, स्वरोजगार प्रशिक्षण, छात्रवृत्ति और महिला उद्यमिता को बढ़ावा देने की योजनाएँ बनें। सम्मेलन को पूर्ण रूप से डिजिटल प्लेटफॉर्म से जोड़ना होगा–एकीकृत सदस्यता पोर्टल, मोबाइल ऐप, और समाज के साथ संवाद हेतु सोशल मीडिया का सशक्त उपयोग किया जाए।

शताब्दी वर्ष सम्मेलन के लिए केवल स्मरण का नहीं, आत्मविश्लेषण, पुनर्संरचना और भविष्य निर्माण का समय होना चाहिए। हमें अपने समाज को और अधिक संगठित, आधुनिक, और मूल्य-आधारित बनाना है।

आइए, हम सब मिलकर संकल्प लें कि २०३५ तक सम्मेलन के एक लाख आजीवन सदस्य बनाकर एक नई शुरुआत करेंगे–"एक समाज, एक संकल्प, एक लक्ष्य।"

— **श्याम सुन्दर अग्रवाल**
केसिगा, ओडिशा
(संयुक्त द्वितीय पुरस्कार से पुरस्कृत)

सम्मेलन की नवगठित उपसमिति के पदाधिकारी (सत्र २०२३-२५)

सलाहकार उपसमिति

चेयरमैन
श्री सीताराम शर्मा
संयोजक
श्री आत्माराम सोन्थलिया
सदस्यगण
श्री नंदलाल रूंगटा
डॉ. हरि प्रसाद कानोड़िया
श्री राम अवतार पोद्दार
पद्मश्री प्रह्लाद राय अगरवाला
श्री संतोष सराफ
श्री गोवर्धन प्रसाद गाडोदिया
श्री रतन लाल साह
श्री भानीराम सुरेका
श्री संजय कुमार हरलालका
श्री शिव कुमार लोहिया
श्री कैलाशपति तोदी

भवन निर्माण उपसमिति

चेयरमैन
श्री संतोष सराफ
संयोजक
श्री पवन कुमार जालान
सदस्यगण
श्री राम अवतार पोद्दार
श्री सीताराम शर्मा
श्री नंदलाल रूंगटा
श्री हरि प्रसाद कानोड़िया
श्री राम अवतार पोद्दार
श्री आत्माराम सोंथलिया
श्री रमेश नांगलिया
श्री मानकचंद बालासरिया
श्री शिव कुमार लोहिया
श्री कैलाशपति तोदी
श्री केदार नाथ गुप्ता

संविधान उपसमिति

चेयरमैन
श्री गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया
संयोजक
श्री संजय हरलालका
सदस्यगण
श्री आत्माराम सोन्थलिया
श्री रतन लाल बंका
श्री पवन कुमार सुरेका
श्री मधुसूदन सीकरिया
श्री पवन कुमार गोयनका
श्री नकुल अग्रवाल
श्री प्रदीप जीवराजका
श्री विनोद कुमार जैन
श्री शिव कुमार लोहिया
श्री कैलाशपति तोदी

राजनीतिक चेतना उपसमिति

चेयरमैन
श्री नंदलाल सिंघानिया
संयोजक
श्री पवन कुमार बंसल
सदस्यगण
श्रीमती मीना देवी पुरोहित
श्री जय गोविंद इंदोरिया
श्री राज कुमार तिवाड़ी
श्री माधव सुरेका
श्री घनश्याम सुगला
श्री रामकृष्ण अग्रवाल
श्री राजीव कुमार अग्रवाल
श्री शिव कुमार लोहिया
श्री कैलाशपति तोदी

उच्च शिक्षा उपसमिति

चेयरमैन
श्री हरि प्रसाद कानोड़िया
संयोजक
श्री संतोष सराफ
सदस्यगण
श्री सीताराम शर्मा
पद्मश्री प्रह्लाद राय अगरवाला
श्री अरुण सुरेका
श्री बनवारीलाल मित्तल
श्री शिव कुमार लोहिया
श्री कैलाशपति तोदी

स्वास्थ्य उपसमिति

चेयरमैन
श्री अनिल कुमार मलावत
संयोजक
श्री बृज मोहन गाड़ोदिया
सदस्यगण
डॉ. विजय केजरीवाल
डॉ. मुकेश कोचर
श्री अनिल डालमिया
श्री मनोज गोयल
श्री सुरज नागोरी
श्री शिव कुमार लोहिया
श्री कैलाशपति तोदी

समाज सुधार एवं समरसता उपसमिति

चेयरमैन
श्री पवन कुमार गोयनका
संयोजक
श्री जुगल किशोर जाजोदिया
सदस्यगण
श्री राजेंद्र खंडेलवाल
श्री अरुण चुड़ीवाल
श्री रामानंद रुस्तगी
श्री शिव कुमार अग्रवाल
श्री गोपाल पित्ती
श्री अरुण अग्रवाल
श्री शिव कुमार लोहिया
श्री कैलाशपति तोदी

वित्तीय उपसमिति

चेयरमैन
श्री आत्माराम सोन्थलिया
संयोजक
श्री गोपाल अग्रवाल
सदस्यगण
श्री राम अवतार पोद्दार
श्री केदारनाथ गुप्ता
श्री अरुण कुमार चुड़ीवाल
श्री अमित सरावगी
श्री दीपक जालान
श्री नारायण प्रसाद डालमिया
श्री शिव कुमार लोहिया
श्री कैलाशपति तोदी

निर्देशिका सह जनसंपर्क उपसमिति

चेयरमैन
श्री संजय हरलालका
संयोजक
श्री शंकर जालान
सदस्यगण
श्री राजेश ककराँनिया
श्री सुरेश कुमार अग्रवाल
श्री राजेश बजाज
श्री पवन कुमार बंसल
श्री ओम प्रकाश अग्रवाल
श्री विष्णु अग्रवाल
श्री शिव कुमार लोहिया
श्री कैलाशपति तोदी

महापंचायत उपसमिति

चेयरमैन
श्री राम अवतार पोद्दार
संयोजक
श्री गोपाल अग्रवाल
सदस्यगण
श्री सीताराम शर्मा
श्री नंदलाल रूंगटा
डॉ. हरि प्रसाद कानोड़िया
श्री भानीराम सुरेका
श्री रतन लाल साह
श्री शिव कुमार लोहिया
श्री कैलाशपति तोदी

सूचना तकनीक एवं वेबसाइट उपसमिति

चेयरमैन
श्री अजय कुमार अग्रवाल
संयोजक
श्री नवीन गोपालिका
सदस्यगण
श्री हेमंत अग्रवाल
श्री संदीप कुमार अग्रवाल
श्री विष्णु कुमार तुलस्यान
श्री गिरधर ढ़ेलिया
श्री शिव कुमार लोहिया
श्री कैलाशपति तोदी

पुरस्कार चयन उपसमिति

चेयरमैन
पद्मश्री प्रह्लाद राय अगरवाला
संयोजक
श्री गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया
सदस्यगण
श्री रतन लाल साह
डॉ. श्याम सुंदर हरलालका
श्री पवन कुमार गोयनका
श्री नरेंद्र कुमार तुलस्यान
श्री उमाशंकर अग्रवाल
श्री कमल कुमार केडिया
श्री शिव कुमार लोहिया
श्री कैलाशपति तोदी

संस्कार-संस्कृति चेतना उपसमिति

चेयरमैन
श्री संदीप गर्ग
संयोजक
श्री राजेश कुमार अग्रवाल
सदस्यगण
श्रीमती बबिता अग्रवाल
श्री नंदलाल सिंघानिया
श्री रवि शंकर सोकरिया
श्रीमती सुनिता लोहिया
श्री अशोक कुमार अग्रवाल
श्री ओम प्रकाश पोद्दार
श्री अमित मूंधड़ा
श्री शिव कुमार लोहिया
श्री कैलाशपति तोदी

सेमिनार उपसमिति

चेयरमैन
श्री नरेंद्र कुमार तुलस्यान
संयोजक
श्री संजय गोयनका
सदस्यगण
श्री अमित सरावगी
श्री प्रमोद कुमार जैन
श्री ऋषि बाँगड़ी
श्री दीपक बुचासिया
श्री अमित मूंधड़ा
श्री शिव कुमार लोहिया
श्री कैलाशपति तोदी

समाज विकास उपसमिति

चेयरमैन
श्री शिव कुमार लोहिया
संयोजक
श्री पवन कुमार जालान
सदस्यगण
श्री भानीराम सुरेका
डॉ. श्याम सुंदर हरलालका
श्री अरुण कुमार चुड़ीवाल
श्री श्याम सुंदर अग्रवाल
श्री शंकर जालान
श्री कैलाशपति तोदी

विधिक उपसमिति

चेयरमैन
श्री प्रदीप जीवराजका
संयोजक
श्री अशोक पुरोहित
सदस्यगण
श्री घनश्याम सुगला
श्री शरत झुनझुनवाला
श्री गोपाल अग्रवाल
श्री अजय कुमार अग्रवाल
श्री शिव कुमार लोहिया
श्री कैलाशपति तोदी

अनुशासन एवं शिकायत उपसमिति

चेयरमैन
श्री आत्माराम सोन्थलिया
संयोजक
श्री संजय हरलालका
सदस्यगण
श्री कमल नोपानी
श्री अशोक कुमार जालान
श्री शिव कुमार लोहिया
श्री कैलाशपति तोदी

मायड़ भाषा उपसमिति

चेयरमैन
श्री रतन लाल साह
संयोजक
श्री अरुण प्रकाश मल्लावत
सदस्यगण
श्री संवरमल शर्मा
श्री जगदीश प्रसाद सिंघी
श्री श्याम सुंदर पोद्दार
श्री शिव कुमार लोहिया
श्री कैलाशपति तोदी

रोजगार उपसमिति

चेयरमैन
श्री दिनेश कुमार जैन
संयोजक
श्री रवि लोहिया
सदस्यगण
श्री पवन कुमार जैन
श्री पवन कुमार मोदी
श्री सज्जन बेरीवाल
श्री शिव कुमार लोहिया
श्री कैलाशपति तोदी

आलेख

आधुनिक राजस्थानी साहित्य के जनक : शिवचंद्र भरतिया

प्रवासी राजस्थानी साहित्यकार श्री शिवचंद्र भरतिया आधुनिक राजस्थानी साहित्य के जनक माने जाते है। उन्होंने राजस्थानी गद्य के क्षेत्र में न सिर्फ पहला नाटक और उपन्यास लिखा बल्कि आधुनिक राजस्थानी गद्य साहित्य की विभिन्न विद्याओं की शुरुआत की।

बीसवी सदी के प्रारंभिक दशकों में राजस्थानी साहित्य में आत्मकथा का अभाव था जिसे कलम के धनी भरतिया जी ने अपने दर्शन विधायक ग्रंथ 'विचार दर्शन' के परिशिष्ट में 'काल-प्रभाव' और 'दुखाश्रुपात' कविता के माध्यम से अपना जीवनवृत्त प्रस्तुत कर दूर किया। उन्होंने अपने उपन्यास 'कनक सुन्दर' और नाटक 'फाटका जंजाल' की भूमिका और उपसंहार में अपने जीवनवृत्त की झलक प्रस्तुत की है। 'विचार दर्शन' के प्रस्तावना भाग में जहाँ उन्होंने 'सरस्वती' के संपादक महावीर प्रसाद द्विवेदी से अपने संबंधों का जिक्र किया है वहीं 'बृतांत' शीर्षक से अपना जीवनवृत्त प्रस्तुत किया है। 'विचार दर्शन' में श्री द्वारिका प्रसाद सेवक के संपादकीय लेख से भी भरतिया जी के जीवन से सम्बंधित प्रामाणिक जानकारी मिलती हैं।

शिवचंद्र भरतिया के जीवनवृत्त को सबसे पहले मोतीलाल मेनारिया ने अपनी पुस्तक 'राजस्थानी भाषा और साहित्य' में प्रकाशित किया। इसके बाद डॉ. किरणचंद नाहटा ने भरतिया जी की रचनाओं की खोजबीन करके उनके जीवन और विचारों को जीवनी रूप में प्रस्तुत किया।

'भारतीय साहित्य के निर्माता' नाम से साहित्य अकैडमी, दिल्ली द्वारा चुनिन्दा साहित्यकारों के जीवन और उनके रचना संसार पर प्रकाशित पुस्तकों में शिवचंद्र भरतिया के जीवन और रचना संसार से सम्बंधित समीक्षात्मक पुस्तक श्री लक्ष्मीकांत व्यास ने लिखी। इसमें भरतिया जी की उपलब्ध रचनाओं पर समीक्षात्मक टिपण्णी और उनकी विचार धारा पर प्रकाश डाला गया है। इस पुस्तक के माध्यम से श्री व्यास ने शिवचंद भरतिया पर शोध करने वालों की राह रोशन की है।

प्रवासी राजस्थानी साहित्यकार शिवचंद भरतिया के पूर्वज राजस्थान के जोधपुर रिवासत के डीडवाना गांव से हैदराबाद के कन्नड़ गांव में जा बसे। वहीं सन १८५३ में भरतिया जी का जन्म हुआ। उनके दादा का नाम श्री गंगाराम भरतिया और पिता का नाम श्री बलदेव भरतिया था। वैश्य-अग्रवाल कुल में जन्मे भरतिया जी अपने चार भाईयों में सबसे बड़े थे। पिता की मृत्यु के बाद भरतिया जी को छोड़कर तीनों भाईयों ने पैतृक सम्पति आपस में बाँट ली। भरतीया जी ने व्यापार छोड़कर वकालत शुरू कर दी। वकालत में भी मन नहीं लगा तो इंदौर आकर सरकारी नौकरी कर ली। पिता की मृत्यु के बाद भरतिया जी के पुत्र, पत्नी और पुत्री की भी मृत्यु हो गई। जीवन के उतर चढ़ाव और विविधताओं ने उनके अध्ययन और अनुभवों को गहराई दी। इन परिस्थितियों से भरतिया जी विचलित नहीं हुए परन्तु इनका असर उनकी रचनाओं पर जरूर पड़ा।

भरतिया जी कई भाषाओं के जानकार थे। राजस्थानी के साथ संस्कृत, हिंदी, मराठी और गुजराती भाषाओं पर उनका समान अधिकार था। इन भाषाओं को उन्होंने अपनी रचनाओं का आधार बनाया। उन्होंने हिंदी में ११, मराठी में १३, राजस्थानी में ९ और संस्कृत में ३ ग्रंथो की रचना की। 'सरस्वती' पत्रिका के यशश्री संपादक आचार्य महावीर प्रसाद द्विवेदी ने उनको 'अनेक भाषा कोविद' के रूप में संबोधित किया तो एक प्रसंग में लिखा कि भरतिया जी संस्कृत और मराठी के अच्छे ज्ञाता हैं, हिंदी और राजस्थानी की तरह वे मराठी में भी लेख और कवितायें लिख सकते हैं।

उस वक्त राजस्थानी भाषा और मारवाड़ी समाज की स्थिति ठीक नहीं थी। 'केशर विलास' नाटक की भूमिका में भरतिया जी लिखतें हैं- 'आपणी मारवाड़ी बोली आज ईशा सुधारां की कळश ऊपर पुग्योङी दुनिया महि पण अँधेरी गुफा के अंदर गोती खाती रैव्है, इणको अभिमान आप सरदारां ने नहीं कांई? अफ़सोस की बात छै। आज तांई मारवाड़ी बोली महि छोटो-मोटो एक भी ग्रंथ नहीं, ग्रंथ तो दूर साधारण कोई पुस्तक नहीं? होवै कठे सूं? बिचारी मारवाड़ी बोली की तरफ कोई को भी लक्ष्य नहीं।'

एक ओर मारवाड़ी भाषा में पुस्तकों का गंभीर अभाव तो दूसरी ओर मारवाड़ी समाज में फैली कुरीतियाँ और अंधविश्वासों का मकड़जाल। दूसरे समाज के लोग मारवाड़ियों को घृणा की नज़र से देखते 'कनक सुन्दर' उपन्यास की भूमिका में भरतिया जी लिखते हैं ममोई और बीं का आजु बाजु का प्रांत महि 'मारवाड़ी' ये चार अक्षर इतना सुगला और घृणित हो रहा छै के 'श्यालक' यहूदी रे नांव रा अक्षर भी इणरे आगे कुछ नहीं उठी ने हल्का आदमी रि उपमा 'हां पक्का मारवाड़ी आहे' अर्थात ओ पक्को मारवाड़ी छै, इशी ही रही छै। मारवाड़ी भाषा और मारवाड़ी समाज की इस स्थिति ने चिंतन प्रधान भारतिया जी का ध्यान आकर्षित किया। मारवाड़ी समाज के सुधार के लिए भरतिया जी ने मारवाड़ी भाषा में पुस्तके' लिखी, जो इस प्रकार है केसर विलास (नाटक), ०२. बुड़ापा की सगाई (नाटक) ०३. फटका जंजाल (नाटक), ०४. कनकसुन्दर (उपन्यास), ०५. मोत्यां की कंठी (दोहा-संग्रह), ०६. वैश्य प्रबोध, ०१. बोध दर्पण, ०८. संगीत मानकुंवर (नाटक), ०९. विश्रांत प्रवासी। ये रचनाएँ आदर्शोन्मुखी है और यथार्थ के धरातल पर है। इन नाटकों की प्रशंशा करते हुए महावीर प्रसाद द्विवेदी लिखते है ड्ल-रचना इसकी बहुत ही स्वाभाविक है। कहीं कहीं पढ़ते समय, स्वाभाविकता का इतना आविर्भाव हो उठता है कि इस बात की विस्मृति हो जाती है कि यह कल्पित कथा पढ़ रहे हैं।

भारतेंदु हरीशचंद्र और शिवचंद भरतिया में कई समानताएं दृष्टिगोचर होती हैं। डॉ. गोविन्द शंकर शर्मा के अनुसार– 'ये समानताएं नाम, कुल, वंश जैसी उपरी परतों से प्रारम्भ होकर जीवन के प्रति दृष्टिकोण, विचारधारा एवं साहित्यिक कृतियों के गहरे धरातल तक दृष्टिगोचर होती हैं। जिस प्रकार हिंदी साहित्य के आधुनिक काल में भारतेंदु का अप्रतिम महत्व है और उन्हें हिंदी में नवयुग का प्रारम्भकर्ता माना जाता है उसी प्रकार भरतिया आधुनिक राजस्थानी के प्रवर्तक एवं शलाका परुष है।'

भरतिया जी समाज में आदर्श की स्थापना करना चाहते थे। वे अध्यात्म प्रेमी थे पर थोथे ब्रह्मणवाद और पाखण्ड के प्रबल विरोधी। वे मारवाड़ी समाज में व्याप्त बाल-विवाह, बेमेल-विवाह,

दहेज और घूँघट की कुप्रथा के विरोधी थे। उन्होंने विधवा विवाह, और नारी शिक्षा के प्रचार पर बल दिया। मारवाड़ी समाज और मारवाड़ी भाषा की उन्नति के लिए तत्परता दिखाई। उन्होंने भारत की राष्ट्रभाषा के रूप में हिंदी को ससम्मान स्वीकारा। उन्होंने सट्टे का विरोध किया और देश के औद्योगिक विकास के लिए 'स्वदेशी' अपनाने पर जोर दिया। वे सर्वधर्म समभाव के समर्थक थे। कई नयें रचनाकारों ने भरतियाजी के साहित्य को पढ़ कर लेखन प्रारम्भ किया। उस काल को आधुनिक राजस्थानी साहित्य में भरतिया युग के नाम से जाना जाता है।

सन १९०० में छपा नाटक 'केसर विलास' भरतियाजी की पहली रचना होने के साथ-साथ आधुनिक राजस्थानी का पहला नाटक है। सन १९०३ में छपा उपन्यास 'कनक सुन्दर' भी राजस्थानी की पहली औपन्यासिक कृति मानी जाती हैं। राजस्थानी गद्य साहित्य के क्षेत्र में आधुनिक विधाओं में प्रथम रचनाकार होने के कारण शिवचंद्र भरतिया को आधुनिक राजस्थानी गद्य साहित्य का जनक माना जाता है।

आधुनिक राजस्थानी गद्यङ्साहित्य के जनक, राजस्थानी साहित्य के भारतेंदु और युग प्रवर्तक प्रवासी राजस्थानी साहित्यकार शिवचंद भरतिया की मृत्यु पर महावीर प्रसाद दिवेदी ने 'सरस्वती' में 'श्रीयुक्त शिवचंद्रजी भरतिया का परलोक गमन' शीर्षक से लिखा-'

हिंदी के प्रसिद्ध प्रेमी और लेखक श्रीयुक्त शिवचंद्रजी भरतिया ने १२ फरवरी, १९१५ को इंदौर में अपनी मानव-लीला समाप्त कर दी।

इनकी स्मृति में राजस्थानी भाषा, साहित्य एवं संस्कृति अकादमी, बीकानेर द्वारा शिवचंद्र भरतिया गद्य पुरस्कार प्रदान किया जाता है।

हिंदी और राजस्थानी भाषा में एक शताब्दी पहले लिखी गयीं भरतिया जी की रचनाएँ आज भी प्रासंगिक हैं, क्योंकि भरतियाजी ने जिस समाज की कल्पना अपने समय में की थी, समाज का वो रूप आज भी स्थापित नहीं हो पाया है। ऐसे में भरतियाजी के साहित्य का समय रूप में मूल्यांकन होना और भी जरूरी हो जाता है। आधुनिक हिंदी के रूपाकार भारतेंदु हरिश्चंद्र की प्रसिद्ध उक्ति है कि 'निज भाषा उन्नति अहै, सब उन्नति को मूल'। मायढ़ भाषा राजस्थानी के आधुनिक रूपाकदार भरतिया जी ने अपनी कलम से जो हुंकार भरी, उससे एक प्राचीन भाषाई परंपरा को नया कलेवर, नई ऊर्जा मिली। आज राजस्थानी में लिखी रचनाओं को साहित्य अकादमी पुरस्कृत कर रही हैं। प्रसिद्ध भाषाविद सुनीति कुमार चटर्जी ने अपने अध्यक्षीय काल में साहित्य अकादमी से राजस्थानी भाषा में लिखी रचनाओं को पुरष्कृत करने की शुरुआत की। बांग्ला भाषी सुनीति कुमार चटर्जी का यह कदम राजस्थानी भाषा की मान्यता के लिए चल रहे आंदोलन को ताकत देता है। सहज सवाल है कि राजस्थानी भाषा को सरकार भाषा ही नहीं मानती तो फिर पिछले ५० वर्षो से आजतक साहित्य अकादमी राजस्थानी भाषा के नाम पर प्रतिवर्ष किसे पुरस्कृत कर रही है? यह दोमुंहापन आखिर कब तक चलेगा? अंतर्राष्ट्रीय भाषा दिवस के मौके पर कोलकाता-राजस्थान सांस्कृतिक विकास परिषद भाषाविद सुनीति कुमार चटर्जी के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित करते हुए सरकार से मांग करती है कि राजस्थानी भाषा को शीघ्र ही मान्यता प्रदान कर देश के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभानेवाले राजस्थानियों को प्रति सम्मान दे।

— केशव कुमार भट्टड़

महासचिव, राजस्थान सांस्कृतिक विकास परिषद, कोलकाता

रोजगार सहायता में नामांकन करें

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन की वेबसाइट : www.marwarisammelan.com पर रोजगार सहायता का पेज जुड़ गया है, जरूरतमंद समाज-बंधुओं से अनुरोध है कि अपना बायोडाटा प्रविष्ट कर इस सुविधा का लाभ उठाएँ, इसके लिए सम्मेलन की वेबसाइट के **एक्टिविटीज** मेनू पर कर्सर ले जाने पर **'पोस्ट योर सीवी'** का संक्शन दिखेगा, उस पर क्लिक करने पर **'क्रिएट न्यू रिज्यूमे एंट्री'** का एक नया विंडो खुलेगा; इसमें अपना पूर्ण विवरण प्रविष्ट कर **'सबमिट'** पर क्लिक करने से आप हमारे **रोजगार सहायता** प्रकल्प में नामांकित हो जाएंगे। किसी भी असुविधा की स्थिति में आप राष्ट्रीय कार्यालय में दूरभाष एवं व्हाट्सएप +91 86973 17557 करके या ईमेल aimf1935@gmail.com के माध्यम से संपर्क कर सकते हैं। इस संबंध में आपके सुझाव आमंत्रित हैं। राम! राम!

कैलाश पति तोदी
राष्ट्रीय महामंत्री

विविध

यह चित्र १० मई, २०२५ को भारत के राजस्थान के शिशोदा गाँव में कंकूबाई-सोहनलाल धाकड़ राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय के उद्घाटन को दर्शाता है। इस आधुनिक विद्यालय का पुनर्निर्माण मेघराज और अजीत धाकड़ भाइयों, जो इसी विद्यालय के पूर्व छात्र थे, द्वारा ₹१५ करोड़ (लगभग १८ लाख अमेरिकी डॉलर) के दान से किया गया था।

इस विद्यालय में स्मार्ट कक्षाएँ, उन्नत प्रयोगशालाएँ, डिजिटल शिक्षण उपकरण, ४० कक्षाएँ और विशाल खेल के मैदान हैं।

इस पहल का उद्देश्य ग्रामीण बच्चों को विश्व स्तरीय शिक्षा और अवसर प्रदान करना है।

With Best Compliments From:

M/S. ANZEN EXPORTS PVT. LTD.

20C, Hazra Road
Kolkata – 700026, W.B.
Mobile No. 9830028628
Email - jkj@anzen.co.in

सबसे सुंदर फूल

जैन संत का चातुर्मास चल रहा था। हर दिन प्रवचन के बाद एक प्रश्न-उत्तर सत्र रखा जाता, जिसमें कोई भी श्रद्धालु अपनी जिज्ञासा, जीवन की उलझन या व्यवहारिक समस्या रख सकता था।

संत बड़ी सहजता, तर्क और करुणा के साथ उनका समाधान करते थे – जैसे किसी पिता का मन बोल रहा हो।

एक दिन एक वृद्ध दंपति भावुक होकर बोले, "महाराज जी! हमारे बच्चे अब ३० की उम्र के हो चले हैं। अच्छे रिश्ते आते हैं, पर वो हर बार मना कर देते हैं। उन्हें कोई भी पसंद नहीं आता। हम बहुत चिंतित हैं, क्या करें?"

महाराज मुस्कुराए –

"आपका प्रश्न आज के समय की सच्ची पीड़ा है। लेकिन इसका उत्तर युवाओं को ही देना होगा – एक कार्य करें, एक विशेष दिन केवल परिपक्व अविवाहित युवक-युवतियों का सत्र रखिए। मैं उनसे बात करना चाहूंगा..."

आयोजकों ने घोषणा की - इस "रविवार दोपहर ३ बजे – केवल युवाओं के लिए विशेष संवाद-सत्र होगा, और सभी को अपने घर के युवा को लाना होगा।"

रविवार का दिन था सभा हाल युवाओं से खचाखच भरा था – कहीं आँखों में उलझन थी, कहीं मन में अपने निर्णय को सही साबित करने की जिद, और कहीं बस चुप्पी... संत ने माइक संभाला। कोई उपदेश नहीं दिया, बस धीमे स्वर में बोले –

"क्या तुम सभी जीवन में कुछ करना चाहते हो? सफल होना? सुखी होना?

सभी सिर हिलाते हैं।

फिर बोले – "तो जानो – जीवन में सफल वही होते हैं, जो निर्णय लेना जानते हैं, जो समझौते को कमजोरी नहीं, परिपक्कता मानते हैं और जो रिश्तों को 'खोजना' नहीं, बल्कि 'बुनना' जानते हैं।"

सब सुन रहे थे। भावनाएं भीतर तक उतर रही थीं। अचानक संत ने कहा – "अब हम एक छोटी-सी गतिविधि करेंगे। चलो, आज जीवन का उत्तर फूलों से पूछते हैं..."

सभागार के पीछे एक बड़ा फूलों का बगीचा था – रंग-बिरंगे फूल, सुगंधित पत्तियाँ, हवाओं में महक।

संत ने कहा – "इस बगीचे में से हर व्यक्ति को 'सबसे सुंदर फूल' चुनकर लाना है। पर एक शर्त है – अगर तुम किसी फूल को पीछे छोड़ दोगे, तो फिर लौटकर उसे नहीं ले सकते।"

"क्या सब तैयार हैं?"

"हाँ!"– एक साथ आवाजें उठीं।

और फिर सब निकल पड़े...

रास्ते में एक से बढ़कर एक फूल दिखे – गुलाब, मोगरा, सूर्यमुखी, चमेली, चम्पा... पर सबने सोचा – "अभी और आगे चलें, शायद सबसे सुंदर आगे मिले..."

फिर आगे...और आगे... पर अचानक वे बगीचे के अंत तक पहुँच गए। अब कोई ढंग का फूल नहीं था। लेकिन अब पीछे लौटने की अनुमति नहीं थी...

हाँ! काफी युवक-युवतियाँ हाथ में फूल लेकर लौटे – उन्होंने जल्दी निर्णय लिया था। पर १०-१२ युवा ऐसे थे, जो खाली हाथ लौटे।

सभा में सभी खड़े हुए। संत ने पूछा – "कितनों के पास फूल हैं?"

कुछ हाथ उठे। फिर आवाज़ गुंजी...

"कितने खाली हाथ लौटे?" १२ सिर झुकाये खड़े हो गये...

संत ने गहरी साँस ली और बोले – "तुम्हारे जैसे ही वे युवा हैं जो आज रिश्तों से भागते हैं, विवाह को टालते हैं – सोचते हैं कि और सुंदर रिश्ता, और परिपक्कव आगे होगा"।

"लेकिन बच्चो, ये 'सबसे सुंदर' नाम की कोई चीज़ होती ही नही है सुंदरता वह नहीं जो दिखे, सुदरता वह है जो तुम्हारे निर्णय से सजे।"

"रिश्ता वही श्रेष्ठ है, जिसे तुम समझदारी से अपनाओ, उसे प्यार दो, उसकी कद्र करो।

प्यार खोजने की चीज़ नहीं, देने की प्रक्रिया है। रिश्ता पूर्ण तभी बनता है जब तुम अधूरेपन में भी अपनापन देख सको..."

सभा शांत थी। शब्द नहीं, भाव बोल रहे थे।

"याद रखना – जो जल्दी निर्णय ले लेता है, वह जीवन के बगीचे में मुस्कुराता है। और जो देर करता है, वह अक्सर खाली हाथ लौटता है – पछतावे और अकेलेपन के साथ।

तय करो – तुम फूल लोगे. या प्रतीक्षा करते रहोगे?"

उस दिन कई युवाओं की सोच बदली।

किसी ने पहली बार रिश्ते को आदर्श नहीं, संवेदनशील समझौता मानकर देखा। और कईयों ने उसी शाम यह संकल्प लिया - अगला प्रस्ताव आए... तो मैं सकारात्मक ढंग से देखूंगा"

"क्योंकि सबसे सुंदर फूल वहीं होता है...जहाँ तुम थोड़ा झुकते हो, थोड़ा समझते हो, और सबसे ज्यादा – प्यार करते हो।"

(कृपया इस कथा को आज के हर युवा तक पहुँचाएं – यह उनके जीवन की बगिया में सही समय पर फूल खिला सकती है।)

जैन विश्व भारती, लाडनू में राजस्थानी विभाग खुल्यो

जैन विश्व भारती, लाडनूं राजस्थानी भासा रै उथाण सारू आपरै विश्व विद्यालय में स्नातक अर स्नातकोत्तर स्तर माथै राजस्थानी पाठ्यक्रम चालू करया है। आ राजस्थानी भासा हेताळुवां खातर एक मोटी खुशखबरी है। विश्व विद्यालय बीए प्रथम बरस अर एम ए राजस्थानी में प्रीवियस री भणाई चलू करी है। अठै नेम सूं क्लासां लागै। घणी खुसी री बात है कै हरेक साल १५ शोधार्थी राजस्थानी में पीएचडी सारू नामांकन करवा सकैला।

विश्व विद्यालय रा उप कुलपति श्री बच्छराजजी दूगड़ भोत मोटा विद्वान है। बै खुद राजस्थानी रा घणा लूंठा हेताळू है।

सम्मेलन में नए सदस्यों का स्वागत !

आजीवन सदस्य

श्री अभिषेक बगड़िया बगड़िया धर्मशाला के पास गिरिडीह, झारखंड	**श्री आलोक कुमार अग्रवाल** नोर्थ मार्केट रोड, अपर बजार, राँची, झारखंड	**श्री आकाश अगरवाल** इंद्रप्रस्थ टावर, नामदा बस्ती, गोलमुरी, जमशेदपुर, झारखंड	**श्री अमित कुमार गोयल** गुजरात कॉलोनी, चास, बोकारो, झारखंड	**श्री लखी प्रसाद गौरीसरिया** कोर्ट रोड, गिरिडीह, झारखंड
श्री अभिषेक छपरिया मे. तिलक पार्ट्स, कलीमदा रोड, गिरिडीह, झारखंड	**श्री आलोक कुमार खंडेलवाल** मारवाड़ी मोहल्ला, चतरा, झारखंड	**श्री आकाश अग्रवाल** कृष्णा कुंज, बी टी रोड, अग्रसेन पथ, राँची, झारखंड	**श्री अमित कुमार जैन** डाक बंग्ला रोड, खूंटी, झारखंड	**श्री ललित गडवाल (अग्रवाल)** टेकरी रोड, जुगसलाई, जमशेदपुर, पूर्वी सिंहभूम, झारखंड
श्री अभिषेक चिरानिया सुभाष चौक, टंगरी, चाईबासा, पश्चिम सिंहभूम, झारखंड	**श्री आलोक कुमार रुंगटा** टॉडलर ४-बी, एल जी श्री राम प्लाजा, धनबाद, झारखंड	**श्री अमित डालमिया** जे एन रॉय रोड, साहिबगंज, झारखंड	**श्री अमित कुमार झुनझुनवाला** रोड सोनारी, जमशेदप्पुर, पूर्वी सिंहभुम, झारखंड	**श्री ललित कुमार** यश कमल कॉम्प्लेक्स, बिष्टुपुर, जमशेदपुर, झारखंड
श्री अभिषेक जिंदल हरयाणा कॉलोनी, धनबाद, झारखंड	**श्री अमन पोद्दार** ४०४, ट्रेड सेंटर, मैकॉय रोड, अपर बाजार, राँची, झारखंड	**श्री अमित डोकानिया** बारा चौक, स्टेशन रोड, गिरिडीह, झारखंड	**श्री अमित कुमार सरायवाला** नया बजार जुगसलाई, पूर्वी सिंहभुम, झारखंड	**श्री ललित कुमार अग्रवाल** बरगंडा, गिरिडीह, झारखंड
श्री अभिषेक बोडिया धनबाद पुरूलिया रोड, चास, बोकारो, झारखंड	**श्री अमन कुमार अग्रवाल** टुंडी रोड, दर्जी मोहल्ला, गिरिडीह, झारखंड	**श्री अमित गोयल** तालडांगा, चिरकुंडा, धनबाद, झारखंड	**श्री अमित पोद्दार** बेलहाथी रोड, खूंटी, झारखंड	**श्री ललित कुमार अग्रवाल** करगली बाजार, फुसरो, बोकारो, झारखंड
श्री अभिषेक कुमार अग्रवाल महालक्ष्मी टावर, कार्ट सराय रोड, अपर बाजार, राँची, झारखंड	**श्री अमित अग्रवाल** फेज वन आदित्यपुर, सरायकेला-खरसावाँ, झारखंड	**श्री अमित खेतान** झंडा चौक, राँची-पटना रोड, झुमरी तिलैया, कोडरमा, झारखंड	**श्री अमित तुलस्यान** बामन टोली, गिरिडीह, झारखंड	**श्री ललित कुमार मुसद्दी** मुसद्दी गली, बामनटोली, गिरिडीह, झारखंड
श्री अभिषेक नरसरिया लालजी-हिरजी रोड, राँची, झारखंड	**श्री अमित अग्रवाल** मे. अंबिका टिम्बर इंडस्ट्रीज, बरगंडा, गिरिडीह, झारखंड	**श्री अमित खोवला** कंपाउंड पीस रोड, लालपुर, राँची, झारखंड	**श्री आनंद अग्रवाल** सम्पत बाजार, बारा चौक, गिरिडीह, झारखंड	**श्री ललित कुमार पचिसिया** सुखदेव नगर, लाह कोठी, रातू रोड, राँची, झारखंड
श्री आदर्श चौधरी १८, गोला रोड, बुनियादी विद्यालय, रामगढ़, झारखंड	**श्री अमित अग्रवाल** नोर्थ मार्केट रोड, अपर बजार, राँची, झारखंड	**श्री अमित कुमार अग्रवाल** अशोक नगर, धनबाद, झारखंड	**श्री आनंद कुमार अग्रवाल** लोहार टोला, शिवाजी रोड, रामगढ़, झारखंड	**श्रीमती ललिता देवी अग्रवाल** नेहरु रोड, चिरकुंडा, धनबाद, झारखंड
श्री आदित्य गद्यान शिव मंदिर, चिरकुंडा, धनबाद, झारखंड	**श्री अजय कुमार अग्रवाल** कार्ट सराय रोड, अपर बाजार, राँची, झारखंड	**श्री अमित कुमार अग्रवाल** आई सी आर रोड, बामन टोली, गिरिडीह, झारखंड	**श्री आनंद कुमार अग्रवाल** मेघदूत मार्केट, फुसरो बजार, बोकारो, झारखंड	**श्रीमती ललिता खंडेलवाल** मारवाड़ी मोहल्ला, मेन रोड, चतरा, झारखंड
श्री अजय अग्रवाल शरदा भवन, जोड़ाफाटक रोड, धनबाद, झारखंड	**श्री अजय कुमार गर्ग** ओजोन प्लाजा, बैंक मोड़, धनबाद, झारखंड	**श्री अमित कुमार अग्रवाल** कुटिया गली, गिरिडीह, झारखंड	**श्री कृष्ण कुमार चंडक** मेन रोड, फुसरो, बोकारो, झारखंड	**श्री लक्ष्मीचंद दीक्षित** कौशल्या भवन, हरमू रोड, राँची, झारखंड
श्री अजय अग्रवाल भुंजा पट्टी, झरिया, धनबाद, झारखंडद	**श्री अजय कुमार जैन** लक्ष्मी मोहल्ला, स्टेशन रोड, गिरिडीह, झारखंड	**श्री अमित कुमार अग्रवाल** जी टी रोड, गोविंदपुर, धनबाद, झारखंड	**श्री कृष्ण कुमार चौधरी** १८, गोला रोड, रामगढ़, झारखंड	**श्री लोकेश कुमार अग्रवाल** भुइफोर, धनबाद, झारखंड
श्री अजय बगड़िया ग्रामीण बैंक के पास, गिरिडीह, झारखंड	**श्री अजय कुमार जैन** पोस्च- पेटरवार, बोकारो, झारखंड	**श्री अमित कुमार अग्रवाल** ओजोन सेंटर, अशोक नगर, धनबाद, झारखंड	**श्री कृष्ण कुमार जालान** टुंडी रोड, गिरिडीह, झारखंड	**श्री मदन लाल लाखोटिया** लेक एवेन्यू, कांके रोड, राँची, झारखंड
श्री अजय चौधरी गणपति अपार्टमेंट, बारमसिया, गिरिडीह, झारखंड	**श्री अजय कुमार केडिया** सब्जी पट्टी रोड, झरिया, धनबाद, झारखंड	**श्री अमित कुमार अग्रवाल** पंजाबी कोठी, मकतपुर, गिरिडीह, झारखंड	**श्री कृष्ण कुमार पोडिया** राधा गोविंद स्ट्रीट, थारपखना, राँची, झारखंड	**श्री माधव झुनझुनवाला** पुराना राँची रोड, चक्रधरपुर, पश्चिम सिंहभूम, झारखंड
श्री अजय जिंदल (अग्रवाल) हरयाणा कॉलोनी, चिरकुंडा, धनबाद, झारखंड	**श्री अजय कुमार शर्मा** बरडांडा, गिरिडीह, झारखंड	**श्री अमित कुमार अग्रवाल** जीबी गैलेक्सी, पुरानी बस्ती रोड, जमशेदपुर, झारखंड	**श्री कृष्ण मुरारी** हरि सभा रोड, दुमका, झारखंड	**श्रीमती मधु अग्रवाल** चौक बाजार, ग्वाला पाड़ा रोड, जमशेदपुर, पूर्वी सिंहभूम, झारखंड
श्री अकाश गद्यान एन एच-२, हठबाड़ी, धनबाद, झारखंड	**श्री अजय शर्मा** वृंदावन कॉलोनी, नेहरु रोड , चिरकुंडा, धनबाद, झारखंड	**श्री अमित कुमार अग्रवाल** मेन रोड, घाटशिला, पूर्वी सिंहभूम, झारखंड	**डॉ. कुणाल कृष्ण केडिया** गद्दी मोहल्ला, गिरिडीह, झारखंड	**श्रीमती मधु बुधिया** सुभाष चौक, टुंगरी, चाईबासा, पश्चिम सिंहभूम, झारखंड
श्री अकाश कुमार अग्रवाल मे. कैटवॉक, स्टेशन रोड, गिरिडीह, झारखंड	**श्री अजय तुलस्यान** मे. कुमार एजेंसि टुंडी रोड, गिरिडीह, झारखंड	**श्री अमित कुमार भुवानिया** जरमुण्डी जिला, दुमका, झारखंड	**श्री कुणाल कुमार मोदी** बामनटोली रोड, गिरिडीह, झारखंड	**श्रीमती माधुरी अग्रवाल** निर्मल पथ, गम्हरिया, सरायकेला-खरसावाँ, झारखंड
श्री अक्षय राजगढ़िया बीएलआर-१, बरगंडा, गिरिडीह, झारखंड	**श्री अजीत कुमार दारुका** निरसा काटा, धनबाद, झारखंड	**श्री अमित कुमार छापड़िया** मारवाड़ी मोहल्ला, पचंबा, गिरिडीह, झारखंड	**श्री कुणाल सराफ** मधु बाजार, चाईबासा, पश्चिम सिंहभूम, झारखंड	**श्री मधुसूदन अग्रवाल** प्लॉट नं.-६, नामकुम इंडस्ट्रियल एरिया, राँची, झारखंड
श्री आलोक कुमार अग्रवाल ८, स्ट्रैट मिल रोड, साकची, जमशेदपुर, झारखंड	**श्री अजय बगड़िया** एम के स्क्वायर, ७०, स्टेशन रोड, गिरिडीह, झारखंड	**श्री अमित कुमार चौधरी** काशिडीह साकची, जमशेदपुर, पूर्वी सिंहभूम, झारखंड	**श्रीमती कुशुम चौधरी** संजय चौक, सरायकेला-खरसावाँ, झारखंड	**श्री महावीर प्रसाद बड़जात्या** आई सी आर रोड, गिरिडीह, झारखंड

सम्मेलन में नए सदस्यों का स्वागत !

आजीवन सदस्य

श्री महेन्द्र जैन १८६२, वेस्ट मार्केट रोड, अपर बाजार, राँची, झारखंड	**श्री मनीष भूनका** साकची, जमशेदपुर, पूर्वी सिंहभूम, झारखंड	**श्री मनोज कुमार केडिया** तिरंगा चौक, गिरिडीह, झारखंड	**श्री मोहित अग्रवाल** ५३ए, गोलमुरी मार्केट, जमशेदपुर, झारखंड	**श्री मुरारी प्रसाद अग्रवाल** एलिट टावर, सुनीता बुटीक के पास, आदित्यपुर, झारखंड
श्री महेन्द्र कुमार जैन मेन रोड, चतरा, झारखंड	**श्री मनीष राजगढ़िया** लोहरदगा रोड, महावीर चौक, लोहरदगा, झारखंड	**श्री मनोज कुमार केडिया** अम्बेडकर कॉलोनी, ढोरी, बोकारो, झारखंड	**श्री मोहित अग्रवाल** प्रेस्टीज अपार्टमेंट, हीरापुर, दुर्गा मंदिर रोड, धनबाद, झारखंड	**श्रीमती नमिता मित्तल** राम टेकरी रोड, नया बाजार, जुगसलाई, जमशेदपुर, झारखंड
श्री महेश अग्रवाल पो.-अमडा, पूर्वी सिंहभूम, झारखंड	**श्रीमती मनीषा अग्रवाल** रामलीला मैदान, साकची, जमशेदपुर, झारखंड	**श्री मनोज कुमार खंडेलवाल** एच. नं.-७१, न्यू सीतारामडेरा, जमशेदपुर, झारखंड	**श्री मोहित कुमार सिंघल** विद्या सागर कॉलोनी, धनबाद, झारखंड	**श्री नंद किशोर अग्रवाल** कृष्णा नगर कॉलोनी, रातु रोड, राँची, झारखंड
श्री महेश आनंद शर्मा बरगंडा, पुराना पोल, गिरिडीह, झारखंड	**श्रीमती मंजु अग्रवाल** बड़ा नीमडीह, चाईबासा, पश्चिम सिंहभूम, झारखंड	**श्री मनोज कुमार मित्तल** केंदुआ पूल, कुसुंडा, धनबाद, झारखंड	**श्री मोहित मित्तल** वेस्ट रोड, नाया बाजार, जुगसलाई, जमशेदपुर, झारखंड	**श्री नंदन दारूका** बरगंडा, गिरिडीह, झारखंड
श्री महेश कुमार अग्रवाल (सांवड़िया) डुमरीटांड़ टिकिया पाड़ा, धनबाद, झारखंड	**श्री मनोज खेमका** आदित्यपुर बाजार, मेन रोड, आदित्यपुर, झारखंड	**श्री मनोज कुमार पारीक** गाँधी टोला, चाईबासा, पश्चिम सिंहभूम, झारखंड	**श्री मोर मुकुट केडिया** आई एम एस रोड, तिरंगा चौक, गिरिडीह, झारखंड	**श्री नंदलाल अग्रवाल** पुराना सोनारी, जमशेदपुर, पूर्वी सिंहभूम, झारखंड
श्री महेश कुमार छापोलिया बेल्ले कॉम्प्लेक्स, भुइयांडीह, जमशेदपुर, पूर्वी सिंहभूम, झारखंड	**श्री मनोज कुमार अग्रवाल** सरायकेला - खरसावाँ, झारखंड	**श्री मनोज कुमार रितोलिया** सेन्ट्रल प्लाजा, बैंक मोड़, धनबाद, झारखंड	**श्री मोती लाल जैन** पुरानी बस्ती रोड, जुगसलाई, जमशेदपुर, झारखंड	**श्री नारायण मोदी** १४ए, शांती भवानी, बैंक मोड़, धनबाद, झारखंड
श्री महेश कुमार गोयल सदर बाजार, चाईबासा, पश्चिम सिंहभूम, झारखंड	**श्री मनोज कुमार अग्रवाल** पतलाबाड़ी मोड़ चिरकुंडा, धनबाद, झारखंड	**श्री मनोज कुमार सिंघल** ८ सिटी प्लाजा, जोड़ाफाटक रोड, धनबाद, झारखंड	**श्री मृणाल कुमार अग्रवाल** मेन रोड, गम्हरिया, सरायकेला-खरसावाँ, झारखंड	**श्री नारायण प्रसाद अग्रवाल** नवरंग मोहल्ला, सोनारी जमशेदपुर, पूर्वी सिंहभूम, झारखंड
श्रीमती ममता अग्रवाल सीताराम डेरा, एग्रिको, जमशेदपुर, पूर्वी सिंहभूम, झारखंड	**श्री मनोज कुमार अग्रवाल** बेहर साई, सरायकेला - खरसावाँ, झारखंड	**श्री मनोज कुमार तुलस्यान** मे. मनोज भण्डार, चतरा, झारखंड	**श्री मुकेश अग्रवाल** राधा भवन, गुरुद्वारा बस्ती, बिस्टुपुर, जमशेदपुर, झारखंड	**श्री नरेश कुमार अग्रवाल** रंगाटंड, धनबाद, झारखंड
श्रीमती ममता अग्रवाल बेहरा सांई, सरायकेला-खरसावाँ, झारखंड	**श्री मनोज कुमार अग्रवाल** जिला स्कूल रोड, दुमका, झारखंड	**श्री मयंक अग्रवाल** टैगोर हिल पार्क रोड, मोराबादी, राँची, झारखंड	**श्री मुकेश अग्रवाल (केजरीवाल)** मेन रोड, चास, बोकारो, झारखंड	**श्री नरेश कुमार भालोटिया** भागलपुर रोड, दुमका, झारखंड
श्री माणिक चंद भुड़ोलिया बदड़ा चौक, गिरिडीह, झारखंड	**श्री मनोज कुमार अग्रवाल** जी एम ऑफिस (ढोरी) बोकारो, झारखंड	**श्री मयंक राजगढ़िया** जे. सी. बोस रोड, न्यू बरगंडा, गिरिडीह, झारखंड	**श्री मुकेश कुमार भुवानिया** मे. सृष्टि स्टोर, सराय रोड, दुमका, झारखंड	**श्री नरेश कुमार डालमिया** पचंबा, गिरिडीह, झारखंड
श्री मनीष अग्रवाल ब्लॉक चौक, कांके, राँची, झारखंड	**श्री मनोज कुमार अग्रवाल** मेन रोड, जैना मोड़, बोकारो, झारखंड	**श्री मिंटू अग्रवाल** कशिदा रोड, घाटशिला, पूर्वी सिंहभूम, झारखंड	**श्री मुकेश कुमार जालान** अकादमी स्कूल के पीछे, गिरिडीह, झारखंड	**श्री नरेश कुमार मिश्रा (पंडित)** अपर राजबाड़ी रोड, झरिया, धनबाद, झारखंड
श्री मनीष अग्रवाल सोनारी जमशेदपुर, पूर्वी सिंहभूम, झारखंड	**श्री मनोज कुमार भगेरिया** मेन रोड, चक्रधरपुर, पश्चिम सिंहभूम, झारखंड	**श्रीमती मीनू अग्रवाल** नेहरसाह, सरायकेला - खरसावाँ, झारखंड	**श्री मुकेश कुमार राजगढ़िया** आई.एम.एस. रोड, गिरिडीह, झारखंड	**श्री नरेश पाडिया** पी बी रोड, जी बी गैलक्सी, जुगसलाई, जमशेदपुर, झारखंड
श्री मनीष अग्रवाल पुरानी बस्ती रोड, जुगसलाई, जमशेदपुर, झारखंड	**श्री मनोज कुमार बूबना** मेन रोड, फुसरो, बोकारो, झारखंड	**श्रीमती मीरा अग्रवाल** सिनी बाजार, सरायकेला - खरसावाँ, पश्चिम सिंहभूम, झारखंड	**श्री मुकेश कुमार शर्मा** करगली बाजार, बेरमो, बोकारो, झारखंड	**श्री नवदीप खेतान** गोविंदपुर, धनबाद, झारखंड
श्री मनीष खन्ना मिल एरिया, साकची, जमशेदपुर, झारखंड	**श्री मनोज कुमार बुधिया** बाजारटंड़, पेतरबार, बोकारो, झारखंड	**श्री मिठू गोपाल अग्रवाल** कोर्ट सराय रोड, अपर बाजार, राँची, झारखंड	**श्री मुकेश कुमार सिंघानिया** जिला स्कूल रोड, दुमका, झारखंड	**श्री नवीन कौंतिया** १६१, साक्ची बाजार, डालडा लाइन, जमशेदपुर, झारखंड
श्री मनीष कुमार अग्रवाल राँची पटना रोड, झुमरीतलैया, कोडरमा, झारखंड	**श्री मनोज कुमार छपड़िया** आर सी शर्मा पथ, अपर बाजार, राँची, झारखंड	**श्री मोहन कानोड़िया** बस्ताकोला, धनसर, धनबाद, झारखंड	**श्री मुकेश सोमानी** बी.एम. अग्रवाला कॉलोनी, धनसर, धनबाद, झारखंड	**श्री नवीन कुमार केजरीवाल** मेन रोड, चास, बोकारो, झारखंड
श्री मनीष कुमार चौधरी दीनबंधु लेन, अपर बाजार, राँची, झारखंड	**श्री मनोज कुमार चौधरी** जेल रोड, सरायकेला - खरसावाँ, झारखंड	**श्री मोहन कुमार अग्रवाल** होटल वीआईपी कॉम्प्लेक्स, बैंक मोड़, धनबाद, झारखंड	**श्री मुकुंद केडिया (सीए)** डोमना रोड मैंगो, जमशेदपुर, पूर्वी सिंहभूम, झारखंड	**श्री नवीन पांडया** ३८, डॉक्टर स्ट्रीट, झुमरीतलैया, कोडरमा, झारखंड
श्री मनीष कुमार जैन डाक बंगला रोड, खुंटी, झारखंड	**श्री मनोज कुमार चौधरी** ३२१, न्यू कालीमाटी रोड, साकची, पूर्वी सिंहभूम, झारखंड	**श्री मोहन कुमार सेक्सेरिया** लहरी टोला, सरायकेला - खरसावाँ, झारखंड	**श्री मुन्ना अग्रवाल** पोस्ट-दुगनी, सरायकेला, पश्चिम सिंहभूम, झारखंड	**श्री नवीन कुमार जैन** निखार स्टेशन रोड, झुमरीतलैया, कोडरमा, झारखंड
श्री मनीष कुमार केडिया शिव मोहल्ला, मेन रोड, गिरिडीह, झारखंड	**श्री मनोज कुमार गोयल** जैना, बोकारो, झारखंड	**श्री मोहन लाल बगेड़िया** पचंबा, पोस्ट ऑफिस के पास, गिरिडीह, झारखंड	**श्री मुरारी लाल अग्रवाल** श्री गोपाल काम्प्लेक्स, कचहरी रोड, राँची, झारखंड	**श्री नील रतन खेतान** न्यू बरगंडा, गिरिडीह, झारखंड

सम्मेलन में नए सदस्यों का स्वागत!

आजीवन सदस्य				
श्रीमती नीरा बथवाल डेम साइड रोड, कांके रोड, राँची, झारखंड	**श्री नीरज जालान** आईसीआर रोड, श्याम पथ, बामन टोली, गिरिडीह, झारखंड	**श्री नितेश अग्रवाल** बड़ाबाजार, चाईबासा, पश्चिम सिंहभूम, झारखंड	**श्री पार्थ केडिया** मैथन रोड, कुमारधुबी, धनबाद, झारखंड	**श्री पवन कुमार पसारी** मेन रोड, चाँडिल, सरायकेला - खरसावाँ, झारखंड
डॉ. नीरज डोकानिया श्री विश्वनाथ नर्सिंग होम, ५६ए, बरमसिया, गिरिडीह, झारखंड	**श्री नीरज केजरीवाल** बाड़ा गुरूद्वारा के पास, बैंक मोड़, मटकुरिया रोड, धनबाद, झारखंड	**श्री नितेश लोहिया** बिनोद भंडार, हरमू रोड, गौशाला के पास, राँची, झारखंड	**श्री पवन अग्रवाल** ब्लॉक कॉलोनी, कुसरो, बोकारो, झारखंड	**श्री पवन कुमार पिलानिया** श्याम मंदिर पथ, गिरिडीह, झारखंड
श्रीमती नेहा अग्रवाल चट्टी बाजार, गोला रोड, रामगढ़, झारखंड	**श्री नीरज पोद्दार** मोदी हाइट्स, रतु रोड, राँची, झारखंड	**श्री ओम प्रकाश अग्रवाल** वार्ड नं.-३, सरायकेला – खरसावाँ, झारखंड	**श्री पवन अग्रवाल** बाजार साही टोला, सरायकेला - खरसावाँ, झारखंड	**श्री पवन कुमार शर्मा** चिरकुंडा, रेलवे क्रॉसिंग, धनबाद, झारखंड
श्रीमती नेहा शर्मा डिस्पेंसरी रोड, सोनारी, जमशेदपुर, पूर्वी सिंहभूम, झारखंड	**श्री नीरज विजय** मिस्त्री मोहल्ला, डोरंडा, राँची, झारखंड	**श्री ओम प्रकाश अग्रवाल** गोल बिल्डिंग के पास, मनाइटँड, धनबाद, झारखंड	**श्री पवन बाजाज** गोलमुरी मार्केट, बैंक ऑफ इंडिया के पास, जमशेदपुर, झारखंड	**श्री पवन कुमार शर्मा** छोटा निमडीह, चाईबासा, पश्चिम सिंहभूम, झारखंड
श्रीमती निधि चौधरी जीआर-१८ गोला रोड, बेरिक स्कूल के पास, रामगढ़, झारखंड	**श्री निरंजन अग्रवाल** चौक बाजार, जुगसलाई, जमशेदपुर, झारखंड	**श्री ओम प्रकाश बजाज** जीटी रोड, लाल बजार, गोविंदपुर, धनबाद, झारखंड	**श्री पवन गुप्ता** ६ए, राजेश्वरी एन्क्लेव, चाईबासा, पश्चिम सिंहभूम, झारखंड	**श्री पवन मुरारका** ईस्ट मार्केट रोड, अपर बाजार, राँची, झारखंड
श्रीमती निधि मोदी नॉर्थ वेस्ट, रोड नं.-१५, सोनारी, जमशेदपुर, झारखंड	**श्री निर्मल अग्रवाल (पटवारी)** न्यू कालीमाटी रोड, साकची, पूर्वी सिंहभूम, झारखंड	**श्री ओम प्रकाश गोयल** बीडीओ ऑफिस, फुसरो, बोकारो, झारखंड	**श्री पवन कुमार अग्रवाल** कुमारधुबी बाजार, धनबाद, झारखंड	**श्री पवन पारीक** पी बी रोड, जुगसलाई, जमशेदपुर, झारखंड
श्री निकेत राजगड़िया गौशाला के विपरित, हरमू, राँची, झारखंड	**श्री निर्मल कुमार अग्रवाल** जीबी जैलेक्सी, पुरानी बस्ती रोड, जुगसलाई, जमशेदपुर, झारखंड	**श्री ओम प्रकाश राजगड़िया** गौशाला के विपरीत, हरमू, राँची, झारखंड	**श्री पवन कुमार अग्रवाल** धर्मशाला रोड, सरायकेला - खरसावाँ, झारखंड	**श्री पवन शर्मा** चौक बाजार, मेन रोड, चांडिल, सरायकेला-खरसावाँ, झारखंड
श्री निखिल अग्रवाल टैगोर हिल पार्क रोड, मोराबादी, राँची, झारखंड	**श्री निर्मल कुमार जैन** श्री सदन, पुराना चौधरी बागान, गरिखाना, राँची, झारखंड	**श्री ओम प्रकाश टिबरेवाल** श्याम पथ, गिरिडीह, झारखंड	**श्री पवन कुमार अग्रवाल** सोनारी, जमशेदपुर, पूर्वी सिंहभूम, झारखंड	**श्रीमती पिंकी पारीक** पदमा एन्क्लेव, सेंटोला, चाईबासा, पश्चिम सिंहभूम, झारखंड
श्री निखिल अग्रवाल गुरूद्वारा बस्ती, बिस्टुपुर, जमशेदपुर, झारखंड	**श्रीमती नीरू देवी गोयल** कॉलेज रोड, मुर्मी कला, रामगढ़, झारखंड	**श्रीमती पल्लनी जैन** मदगुल हैबिटेट, कांके रोड, राँची, झारखंड	**श्री पवन कुमार अग्रवाल** जी टी रोड, चिरकुंडा, धनबाद, झारखंड	**श्रीमती पिंकी सेक्सेरिया** मंगलम सिटी, गम्हरिया, सरायकेला-खरसावाँ, झारखंड
श्री निखिल अग्रवाल डॉक्टर लेन, भकरतपुर, गिरिडीह, झारखंड	**श्रीमती निशा केडिया** टुंगरी चाईबासा, पश्चिम सिंहभूम, झारखंड	**श्री पंकज चौधरी** १०, स्टेट माइल रोड, साकची, जमशेदपुर, झारखंड	**श्री पवन कुमार अग्रवाल** काशीटा घाटशिला, पूर्वी सिंहभूम, झारखंड	**श्रीमती पिंकी अग्रवाल** गोपी होटल के पास, सरायकेला-खरसावाँ, झारखंड
श्री निखिल डोकानिया टुंडी रोड, बरवाडीह, गिरिडीह, झारखंड	**श्रीमती निशा सिंघल** ४१, श्रीकुंज, राजेन्द्र नगर साकची, पूर्वी सिंहभूम, झारखंड	**श्री पंकज जालान** श्याम पथ, गिरिडीह, झारखंड	**श्री पवन कुमार अग्रवाल** कतरास रोड, मटकुरिया, धनबाद, झारखंड	**श्रीमती पिंकी कुमारी अग्रवाल** सोनारी, जमशेदपुर, पूर्वी सिंहभूम, झारखंड
श्री निखिल जैन सत्यनारायण गली, बड़ा चौक, गिरिडीह, झारखंड	**श्री निशंक अग्रवाल** बरगंडा, गिरिडीह, झारखंड	**श्री पंकज कुमार अग्रवाल** आस्था ट्रेड सेंटर, बिस्टुपुर, जमशेदपुर, झारखंड	**श्री पवन कुमार अग्रवाल** पोः-केसरगाड़िया, राजनगर, पश्चिम सिंहभूम, झारखंड	**श्रीमती पिंकी रिंगसिया** ९, बागान ऐरिया, साकची, पूर्वी सिंहभूम, झारखंड
श्री निखिल झुनझुनवाला बामन टोली, गिरिडीह, झारखंड	**श्री निशांत कुमार केडिया** टुंडी रोड, बरवाडीह, गिरिडीह, झारखंड	**श्री पंकज कुमार चिरानिया** मधु बाजार, चाईबासा, पश्चिम सिंहभूम, झारखंड	**श्री पवन कुमार भालोटिया** श्याम बाजार रोड, दुमका, झारखंड	**श्री पिंटू अग्रवाल** बड़ा नीमडीह, चाईबासा, पश्चिन सिंहभूम, झारखंड
श्री निखिल कुमार गोयल खरकिया भवन, जामताड़ा रोड, निरसा, धनबाद, झारखंड	**श्री निशांत कुमार सराफ** शास्त्री चौक, लोहरदगा, झारखंड	**श्री पंकज कुमार गोयल** मेन रोड, सरायकेला, धनबाद, झारखंड	**श्री पवन कुमार केडिया** केदार भवन, कुटिया रोड, बाड़ा चौक, गिरिडीह, झारखंड	**श्री पिंटू जालान** आईएमएस रोड, ऑर्बिट होटल के बगल में, गिरिडीह, झारखंड
श्री निखिलेश शर्मा पद्म एन्क्लेव, रूंगटा कॉलोनी, चाईबासा, पश्चिम सिंहभूम, झारखंड	**श्री निशांत मोदी** लालाजी हीराजी रोड राँची, झारखंड	**श्री पंकज कुमार जैन** शिवाजी रोड, किला मंदिर, रामगढ़, झारखंड	**श्री पवन कुमार खंडेलवाल** पुलिस लाइन रोड, बरवाडीह, गिरिडीह, झारखंड	**श्री पिंटू कुमार भुडोलिया** भंडारीडीह, गिरिडीह, झारखंड
श्री नील कुमार जालान मेन रोड चाँडिल, सरायकेला - खरसावाँ, झारखंड	**श्री निशित खंडेलवाल** गुरूद्वारा रोड, चाईबासा, पश्चिम सिंहभूम, झारखंड	**श्री पंकज कुमार माहेश्वरी** गणपति अपार्टमेंट, बरमसिया, गिरिडीह, झारखंड	**श्री पवन कुमार खिड़वाल** सदर बाजार, चाईबासा, पश्चिम सिंहभूम, झारखंड	**श्री पियूष अग्रवाल** कुमारधुबी बाजार, धनबाद, झारखंड
श्री नीलेश दोदराजका बड़ा नीमडीह, चाईबासा, पश्चिम सिंहभूम, झारखंड	**श्री निशित संगाई** बरगंडा, गिरिडीह, झारखंड	**श्री पंकज मोदी** बाजला चौक के पास, कस्तर टाउन, देवघर, झारखंड	**श्री पवन कुमार मुकीम** सराय रोड, दुमका, झारखंड	**श्री पियूष अग्रवाल** २ए, सुशीला निकेत, लेक एवेन्यू, कांके रोड, राँची, झारखंड
श्री नीलकमल भरतिया दर्जी मोहल्ला, गिरिडीह, झारखंड	**श्री नितेश अग्रवाल** जेम्को आजाद बस्ती, पूर्वी सिंहभूम, झारखंड	**श्री परमानंद पसारी** चौक बाजार, मेन रोड, चांडिल सरायकेला - खरसावाँ, झारखंड	**श्री पवन कुमार नेवटिया** अमला टोला, चाईबासा, पश्चिम सिंहभूम, झारखंड	**श्री प्रभाकर अग्रवाल** मोती बाबू लेन थड़पखना, राँची, झारखंड

सम्मेलन में नए सदस्यों का स्वागत !

आजीवन सदस्य				
श्री प्रभाकर कुमार बगड़िया कथगोला रोड, पचंबा, गिरिडीह, झारखंड	**श्री प्रदीप कुमार बुधिया** चाईबासा रोड, सरायकेला – खरसावाँ, झारखंड	**श्री प्रमोद कुमार लाठ** लाठ भवन, भगवती कॉलोनी, चास, बोकारो, झारखंड	**श्री पृथ्वीराज चौधरी** विष्णु विला, ४३, नवीन मित्रा लेन, लालपुर, रांची, झारखंड	**श्रीमती पुष्पा पारीक** सोनारी, जमशेदपुर, टाटानगर, पूर्वी सिंहभूम, झारखंड
श्री प्रभास कुमार जालान पंचिया गली, श्याम मंदिर के पास, गिरिडीह, झारखंड	**श्री प्रकाश अग्रवाल** ६५, गोलमुरी मार्केट, जमशेदपुर, झारखंड	**श्री प्रमोद कुमार सरायवाला** राम टेकरी रोड, जुगसलाई, जमशेदपुर, पूर्वी सिंहभूम, झारखंड	**श्रीमती प्रिती गोयल** श्री राम पैलेस, अशोक नगर, धनबाद, झारखंड	**श्री पुस्मल अग्रवाल** मेन रोड, सिनी, पश्चिम सिंहभूम, झारखंड
श्री प्रभास कुमार तुलस्यान दर्जी मोहल्ला, गिरिडीह, झारखंड	**श्री प्रकाश अग्रवाल** हरयाना कॉलोनी, चिरकुंडा, धनबाद, झारखंड	**श्री प्रमोद कुमार शर्मा** महावीर गली, टुंडी रोड, गिरिडीह, झारखंड	**श्रीमती प्रीति कौंटिया** १६१, साकची बाजार, डालडा लेन, जमशेदपुर, झारखंड	**श्री रवींद्र कुमार झुनझुनवाला** सृजन टावर, सोनारी, जमशेदपुर, झारखंड
श्री प्रभास मूनका मूनका मेन्शन, क्यू रोड, बिष्टुपुर, जमशेदपुर, झारखंड	**श्री प्रकाश जालान** सदर बाजार, चाईबासा, झारखंड	**श्री प्रमोद कुमार ताम्बी** गारवाड़ी मोहल्ला, चतरा, झारखंड	**श्रीमती प्रीति नरसड़िया** श्री रानी सती मार्केट, लालजी हिराजी रोड, रांची, झारखंड	**श्री राघव गोयनका** सराय रोड, दुमका, झारखंड
श्री प्रभात कुमार मोदी श्रीलोक मार्केट, ४, हजारीबाग रोड, राँची, झारखंड	**श्री प्रकाश खेतान** बस स्टैंड, पोस्ट-चांडिल, सरायकेला – खरसावां, झारखंड	**श्री प्रमोद कुमार तुलस्यान** बामन टोली, दुर्गा पुजा मंडप, गिरिडीह, झारखंड	**श्रीमती प्रीति तुलस्यान** मेन रोड, चतरा, झारखंड	**श्री राघव खीरवाल** खीरवाल मार्केट, सदर बाजार, चाईबासा, झारखंड
श्री प्रबीन कुमार खंडेलवाल सत्यनारायण गली, बड़ा चौक, गिरिडीह, झारखंड	**श्री प्रकाश खंडेलवाल** कुटिया रोड, गिरिडीह, झारखंड	**श्री प्रशांत कुमार बागड़िया** काठगोला रोड, पचंबा, गिरिडीह, झारखंड	**श्रीमती प्रियंका अग्रवाल** न्यू लेन सोनति, जमशेदपुर, पूर्वी सिंहभूम, झारखंड	**श्री राहुल अग्रवाल** चिरकुंडा, पंचेत रोड, अग्रसेन कॉलोनी, धनबाद, झारखंड
श्री प्रदीप गुप्ता १४, गजराज मेन्शन, डायगनल रोड, बिष्टुपुर, जमशेदपुर, झारखंड	**श्री प्रकाश कुमार अग्रवाल** रतनजी रोड, पुराना बाजार, धनबाद, झारखंड	**श्री प्रतीक चौधरी** अपर बाजार, चिरकुंडा, धनबाद, झारखंड	**श्रीमती प्रियंका गोयल** मे. पूनम वस्त्रालय, मेन रोड, सिनी, पश्चिम सिंहभूम, झारखंड	**श्री राहुल अग्रवाल** तुइलाडुंगरी, गोलमुरी, जमशेदपुर, झारखंड
श्री प्रदीप कुमार अग्रवाल धर्मशाला रोड, चिरकुंडा, धनबाद, झारखंड	**श्री प्रकाश कुमार अग्रवाल** ११६, नवरंग मार्केट, जादूगोड़ा, पूर्वी सिंहभूम, झारखंड	**श्री प्रतीक कुमार अग्रवाल** धर्मशाला रोड, सरायकेला - खरसावाँ, झारखंड	**श्रीमती प्रियंका खंडेलवाल** गुरूनानक मोहल्ला, रामगढ़, झारखंड	**श्री राहुल अग्रवाल** मित्रा मार्केट, अपर बाजार, रांची, झारखंड
श्री प्रदीप कुमार अग्रवाल अग्रसेन कॉलोनी, चिरकुंडा, धनबाद, झारखंड	**श्री प्रकाश कुमार पोद्दार** सुरेशबाबू स्ट्रीट, अपर बाजार, राँची, झारखंड	**श्री प्रवीण अग्रवाल** बोकारो झारखंड	**श्री पुलकित अग्रवाल** ९०४, प्रभु दर्शन, कोलाकुस्मा, धनबाद, झारखंड	**श्री राहुल कुमार बसईवाला** टुंडी रोड, गिरिडीह, झारखंड
श्री प्रदीप कुमार अग्रवाल नरेश मार्केट, फुसरो, बोकारो, झारखंड	**श्री प्रकाश सेक्सरिया** राजेश्वरी एन्क्लेव, चाईबासा, झारखंड	**श्री प्रवीण जैन** डाक बंगला, मेन रोड, खुंटी, झारखंड	**श्री पुलकित जैन** १८६२, पश्चिम मार्केट रोड, अपर बाजार, रांची, झारखंड	**श्री राहुल कुमार केडिया** पंजाबी कोठी, भकतपुर, गिरिडीह, झारखंड
श्री प्रदीप कुमार केडिया बरगंडा, गिरिडीह, झारखंड	**श्री प्रमोद अग्रवाल** मैथन रोड, धनबाद, झारखंड	**श्री प्रवीण कुमार अग्रवाल** कासिम बाजार, राजमहल, साहिबगंज, झारखंड	**श्री पुनीत माहेश्वरी** स्प्रिंग वैली फेज-I, लोअर बर्दवान कंपाउंड, रांची, झारखंड	**श्री राहुल कुमार शर्मा** स्टेशन रोड, चाईबासा, झारखंड
श्री प्रदीप कमार सिंघानिया मैकी रोड, अपर बाजार, राँची, झारखंड	**श्री प्रमोद बाउंड़िया** श्री ओम कॉम्प्लेक्स, दुर्गा मंदिर रोड, हीरापुर, धनबाद, झारखंड	**श्री प्रवीण कुमार अग्रवाल** मटकरिया के पास, रिलायबल शोरूम, धनबाद, झारखंड	**श्री पुनीत कुमार अग्रवाल** आई.सी.आर. रोड, गिरिडीह, झारखंड	**श्री राहुल कुमार तायल** भामल, जामताड़ा रोड, निरसा, धनबाद, झारखंड
श्री प्रदीप कुमार सुरेलिया एडी बंगला, पो: झुमरीतलैया, कोडरमा, झारखंड	**श्री प्रमोद गोयल** केंदुआपुल, पोस्ट- कुसुंडा, धनबाद, झारखंड	**श्री प्रवीण कुमार अग्रवाला** नेहरू रोड, तालडांगा, चिरकुंडा, धनबाद, झारखंड	**श्री पूरनमल गोयल** जामताड़ा रोड, निरसा, धनबाद, झारखंड	**श्री राहुल शर्मा** १९, नॉर्थ मार्केट रोड, अपर बाजार, रांची, झारखंड
श्री प्रदीप कुमार वर्मा हरिकुंज अपार्टमेंट, यूजी-II, सरायढेला, धनबाद, झारखंड	**श्री प्रमोद जालुका** दाल पट्टी, जालुका हाउस, झरिया, धनबाद, झारखंड	**श्री प्रवीण पसारी** चौक बाजार, मेन रोड, चांडिल, सरायकेला-खरसावाँ, झारखंड	**श्री पुरुषोत्तम दास गोयल** मेन रोड, फुसरो, बोकारो, झारखंड	**श्री राज केजरीवाल** मेन रोड, चास थाना के पास, बोकारो, झारखंड
श्री प्रदीप मिश्रा कशीडीह, साकची, जमशेदपुर, झारखंड	**श्री प्रमोद खंडेलवाल** टाउन थाना के पीछे, धरीयाडीह, गिरिडीह, झारखंड	**श्री प्रवीण कुमार अग्रवाल** मेन रोड, कांड्रा, सरायकेला - खरसावाँ, झारखंड	**श्री पुरुषोत्तम दास विजयवर्गिय** मिस्त्री मोहल्ला, डोरंडा, रांची, झारखंड	**श्री राज कुमार अग्रवाल** ३डी, गैलेक्सी अपार्टमेंट, शास्त्री नगर (पश्चिम), धनबाद, झारखंड
श्री प्रदीप अग्रवाल (पप्पू) रेलवे क्रॉसिंग के पास, चिरकुंडा, धनबाद, झारखंड	**श्री प्रमोद कुमार अग्रवाल** राजबाड़ी रोड, झरिया, धनबाद, झारखंड	**श्री प्रवीण अग्रवाल** खरसावा, सरायकेला - खरसावाँ, झारखंड	**श्री पुरूषोत्तम कुमार अग्रवाल** तालडांगा हाउसिंग कॉलोनी चिरकुंडा, धनबाद, झारखंड	**श्री राज कुमार अग्रवाल** जमुना टावर, ४, फ्लोर, टुंगरी, चाईबासा, झारखंड
श्री प्रदीप कुमार अग्रवाल शिव मोहल्ला, गिरिडीह, झारखंड	**श्री प्रमोद कुमार बगड़िया** न्यू गुप्ता मार्केट, मारवाड़ी टोला, अपर बाजार, रांची, झारखंड	**श्री प्रेम कुमार अग्रवाला** मिथिला एन्क्लेव, मेन रोड, चास, बोकारो, झारखंड	**श्री पुरूषोत्तम लाल सेक्सड़िया** मेन रोड, सरायकेला-खरसावाँ, पश्चिम सिंहभूम, झारखंड	**श्री राज कुमार अग्रवाल** एच-डी-१४, सिटी सेंटर, सेक्सन-४, बोकारो, झारखंड
श्री प्रदीप कुमार अग्रवाल डाक बंगला रोड, खूंटी, झारखंड	**श्री प्रमोद कुमार खेतान** मेन रोड, पुलिस स्टेशन के सामने, चास, बोकारो, झारखंड	**श्रीमती प्रेमलता अग्रवाल** न्यू सीताराम डेरा एग्रिको, पूर्वी सिंहभूम, झारखंड	**श्री पुरूषोत्तम सिंघानिया** बड़ा ठाकुर रोड, दुमका, झारखंड	**श्री राज कुमार अग्रवाल** गुरूद्वारा रोड, मऊभंडार, पूर्वी सिंहभूम, झारखंड

सम्मेलन में नए सदस्यों का स्वागत !

आजीवन सदस्य				
श्री राज कुमार अग्रवाल २३/ऐ-ब्लॉक, कदमा मार्केट, जमशेदपुर, पूर्वी सिंहभूम, झारखंड	**श्री राजेश डोकानिया** दांडी रोड, बखाडीह, गिरिडीह, झारखंड	**श्री राज कुमार मित्तल** श्री विष्णु टॉकीज लेन, मेन रोड, रांची, झारखंड	**श्री रमन कुमार** सोनारी, जमशेदपुर, पूर्वी सिंहभूम, झारखंड	**श्री रवि आनंद** राधा किसन कुंज, विद्या नगर, हरमू, रांची, झारखंड
श्री राज कुमार अग्रवाल शिव रेजीडेंसी, डी. कोस्टा, जुगसलाई, जमशेदपुर, झारखंड	**श्री राजेश कुमार अदुकिया** लालजी हिराजी रोड, रांची, झारखंड	**श्री राज कुमार मोदी** पराना पुलिस क्लब, रोड दुमका, झारखंड	**श्री रमन कुमार अग्रवाल** होलडींग-जे ए/२ विजयगढ़, गोलमुरी, पूर्वी सिंहभूम, झारखंड	**श्री रवि बागड़िया** मारवाड़ी मोहल्ला, पचंबा, गिरिडीह, झारखंड
श्री राज कुमार अगरवाला एस.बी.आई. के पास, चिरकुंडा बाजार, धनबाद, झारखंड	**श्री राजेश कुमार अग्रवाल** छत्राटांड बाजार, धनबाद, झारखंड	**श्रीमती रजनी बंसल** चंद्रबली उद्यान, काशीडीह, साकची, जमशेदपुर, झारखंड	**श्री रमन कुमार चौधरी** क्लोथ शॉप, मेन रोड, सरायकेला - खरसावाँ, झारखंड	**श्री रवि बागड़िया** हटिया रोड, पचंबा, गिरिडीह, झारखंड
श्री राज कुमार अग्रवाल रेजिडेंशियल कंपाउंड, सर्कुलर रोड, रांची, झारखंड	**श्री राजेश कुमार अग्रवाल** भागलपुर रोड, दुमका, झारखंड	**श्रीमती रजनी गुप्ता** १४९, डालडा लेन, साकची बाजार, जमशेदपुर, झारखंड	**श्री राम अवतार भलोटिया** बड़ी ठाकुरबाड़ी रोड, दुमका, झारखंड	**श्री रवि बास्का** बास्का निवास, राजहंस रोड, कतरासगढ़, धनबाद, झारखंड
श्री राज कुमार सारस्वत जुगसालिया पाड़ा रोड, जमशेदपुर, पूर्वी सिंहभूम, झारखंड	**श्री राजेश कुमार अग्रवाल** आदर्श नगर, हीरापुर, धनबाद, झारखंड	**श्री राकेश अग्रवाल** १०५, लक्ष्मी भवन, मिठू रोड, बैंक मोड़, धनबाद, झारखंड	**श्री रामचंदर अग्रवाल** सूर्य बिहार कॉलोनी, बारटैंड, धनबाद, झारखंड	**श्री रवि डोकानिया** गायत्री नगर, ग्वाला बस्ती, पूर्वी सिंहभूम, झारखंड
श्री राजन जैन शांति भवन रोड, भकतपुर, गिरिडीह, झारखंड	**श्री राजेश कुमार अग्रवाल** शर्मा कॉलोनी रोड, फुसरो बाजार, बोकारो, झारखंड	**श्री राकेश दुधेड़िया** गणपति अपार्टमेंट, बरमसिया, गिरिडीह, झारखंड	**श्री रमेश चंद्र शर्मा** बनहोरा रोड, टी एम वाई पंडरा, रांची, झारखंड	**श्री रवि कांत समीता** किशोरगंज, हरमू रोड, रांची, झारखंड
श्री रजत आनंद नयाटोली रिंग रोड, सिमालिया, रांची, झारखंड	**श्री राजेश कुमार अग्रवाल** मेसर्स गोयल ट्रेडिंग कंपनी दुमका, झारखंड	**श्री राकेश गर्ग** गर्ग मेंशन, जैनामोड़, बोकारो, झारखंड	**श्री रमेश कुमार काबरा** बालाजी निवास, डाकू नगर, बिहार कॉलोनी, चास, बोकारो, झारखंड	**श्री रवि कयाल** पुलिस लेन रोड, बरवाडीह, गिरिडीह, झारखंड
श्री राजीव अग्रवाल ३९, गोलपुरी मार्केट, जमशेदपुर, झारखंड	**श्री राजेश कुमार चौधरी** ४७९/२२, कांसिधि साकची, जमशेदपुर, पूर्वी सिंहभूम, झारखंड	**श्री राकेश जैन** विवेकानंद कॉलोनी, बीबीसी रोड, गिरिडीह, झारखंड	**श्री रंजती अग्रवाल** अशोक नगर, धनबाद झारखंड	**श्री रवि खेतान** शक्ति अपार्टमेंट, जोड़ाफाटक रोड, धनबाद, झारखंड
श्री राजीव जैन मारवाड़ी मोहल्ला, चतरा, झारखंड	**श्री राजेश कुमार गुटगुटिया** चंदौरी रोड, गिरिडीह, झारखंड	**श्री राकेश कुमार अग्रवाल** न्यू मार्केट, 1st फ्लोर, कुमारधुबी, धनबाद, झारखंड	**श्री रंजती अग्रवाल** बरगंडा, गिरिडीह, झारखंड	**श्री रवि कुमार अग्रवाल** मेसर्स अमित स्टोर, सरायकेला - खरसावाँ, झारखंड
श्री राजीव रंजन राणा चौक, लोहरदगा, झारखंड	**श्री राजेश कुमार जैन** बड़ा चौक, गिरिडीह, झारखंड	**श्री राकेश कुमार केडिया** रतन मीका रोड, ७जी पचंबा, गिरिडीह, झारखंड	**श्री शनू बागड़िया** मारवाड़ी मोहल्ला, गिरिडीह, झारखंड	**श्री रवि अग्रवाल** एल टी-४९ अग्रसेन पथ, रामगढ़, झारखंड
श्री राजेन्द्र अग्रवाल कृषि उत्पादन बाजार समिति, पंडरा, रांची, झारखंड	**श्री राजेश कुमार मोदी** मेन रोड, दुमका, झारखंड	**श्रीमती राखी अग्रवाल** हिन्दु लेन, रामलीला मैदान के पास, साकची, झारखंड	**श्रीमती रश्मि झाझरिया** मैंगो, जमशेदपुर, पूर्वी सिंहभूम, झारखंड	**श्री रवि कुमार जोशी** ठाकुरबाड़ी रोड, साकची, जमशेदपुर, झारखंड
श्री राजेन्द्र जालान साहू मार्केट, चास, बोकारो, झारखंड	**श्री राजेश कुमार पोद्दार** पुरूलिया रोड, चास, बोकारो, झारखंड	**श्रीमती रक्षी अग्रवाल** हिन्दु लेन, साकची, जमशेदपुर, झारखंड	**श्रीमती रश्मि केडिया** आई एम एस रोड, झुमरीतलैया, कोडरमा, झारखंड	**श्री रवि कुमार वर्मा** श्याम मंदिर के पीछे, अमला टोला, चाईबासा, झारखंड
श्री राजेन्द्र खेड़िया झारखंड	**श्री राजेश कुमार सिंघल** स्टेशन रोड, एचडीएफसी बैंक, चंद्रपुर, बोकारो, झारखंड	**श्री राम अवतार प्रसाद विजय** बुलाकमैन टोली, डोरंडा काली मंदिर रोड, रांची, झारखंड	**श्री रतन कुमार अग्रवाल** मेन रोड, सिनी, पश्चिम सिंहभूम, झारखंड	**श्री रवि महर्षि** मेसर्स महर्षि मेडिकल, भकतपुर, गिरिडीह, झारखंड
श्री राजेन्द्र प्रसाद बसईवाला सराय रोड, दुमका, झारखंड	**श्री राजेश कुमार वर्मा** सोनारी, जमशेदपुर, पूर्वी सिंहभूम, झारखंड	**श्री राम गोपाल पालीवाल** चंदन नगर, पुलिस लेन, बखाडीह, गिरिडीह, झारखंड	**श्री रतन सहाड़िया** ४१, श्री कुंज, राजेंद्र नगर, साकची, जमशेदपुर, झारखंड	**श्री रवि प्रकाश डालमिया** हटिया रोड, मारवाड़ी मोहल्ला, गिरिडीह, झारखंड
श्री राजेन्द्र प्रसाद केडिया मेन रोड, कथारा, बोकारो, झारखंड	**श्री राजीव कुमार जिंदल** कन्हैया कॉम्प्लेक्स, तिवारी गली, बैंक मोड़, धनबाद, झारखंड	**श्री राम लाल विजय** विजय वर्गीय भवन, तुलसी चौक, रांची, झारखंड	**श्री रतन तेजावत** मेन रोड, फुसरो, बोकारो, झारखंड	**श्री रवि रंजन गड्डयान** कपासारा रोड, चिरकुंडा, धनबाद, झारखंड
श्री राजेश अग्रवाल जे एन रॉय रोड, साहिबगंज, झारखंड	**डॉ. राजीव महर्षि** मेसर्स ब्रह्मानंद अस्पताल, जमशेदपुर, झारखंड	**श्री राम निवास अग्रवाल** श्री जोगी राम कॉम्प्लेक्स, टुंडी रोड, गोबिंदपुर, धनबाद, झारखंड	**श्री रतन तुलस्यान** पंजाबी कोठी, शांति भवन के पास, गिरिडीह, झारखंड	**श्री रविंदर कुमार गोयल** जामताड़ा रोड, निरसा, धनबाद, झारखंड
श्री राजेश अगरवाला कचहरी रोड, गिरिडीह, झारखंड	**श्री राज कुमार अग्रवाल** मेसर्स गणेश ऑटो, कांटा टोली चौक, रांची, झारखंड	**श्री राम प्रसाद अग्रवाल** प्रभु दर्शन, कलाकुसुमा, धनबाद, झारखंड	**श्री रवि अग्रवाल** धर्मशाला रोड, गांजा गली, चिरकुंडा, धनबाद, झारखंड	**श्री रविंद्र शर्मा** चिरकुंडा, अपर बाजार, धनबाद, झारखंड
श्री राजेश अग्रवाल २०२, शांति बसंत अपार्टमेंट, कांके रोड, रांची, झारखंड	**श्री राज कुमार गोयनका** महालक्ष्मी टावर, कार्ट सराय रोड, अपर बाजार, रांची, झारखंड	**श्री राम स्वरूप खंडेलवाल** कुटिया रोड, गिरिडीह, झारखंड	**श्री रवि अग्रवाल** कल्याणी अपार्टमेंट, गांधी चौक, गिरिडीह, झारखंड	**श्रीमती रीमा चौधरी** आविष्कार अपार्टमेंट, साकची, जमशेदपुर, झारखंड

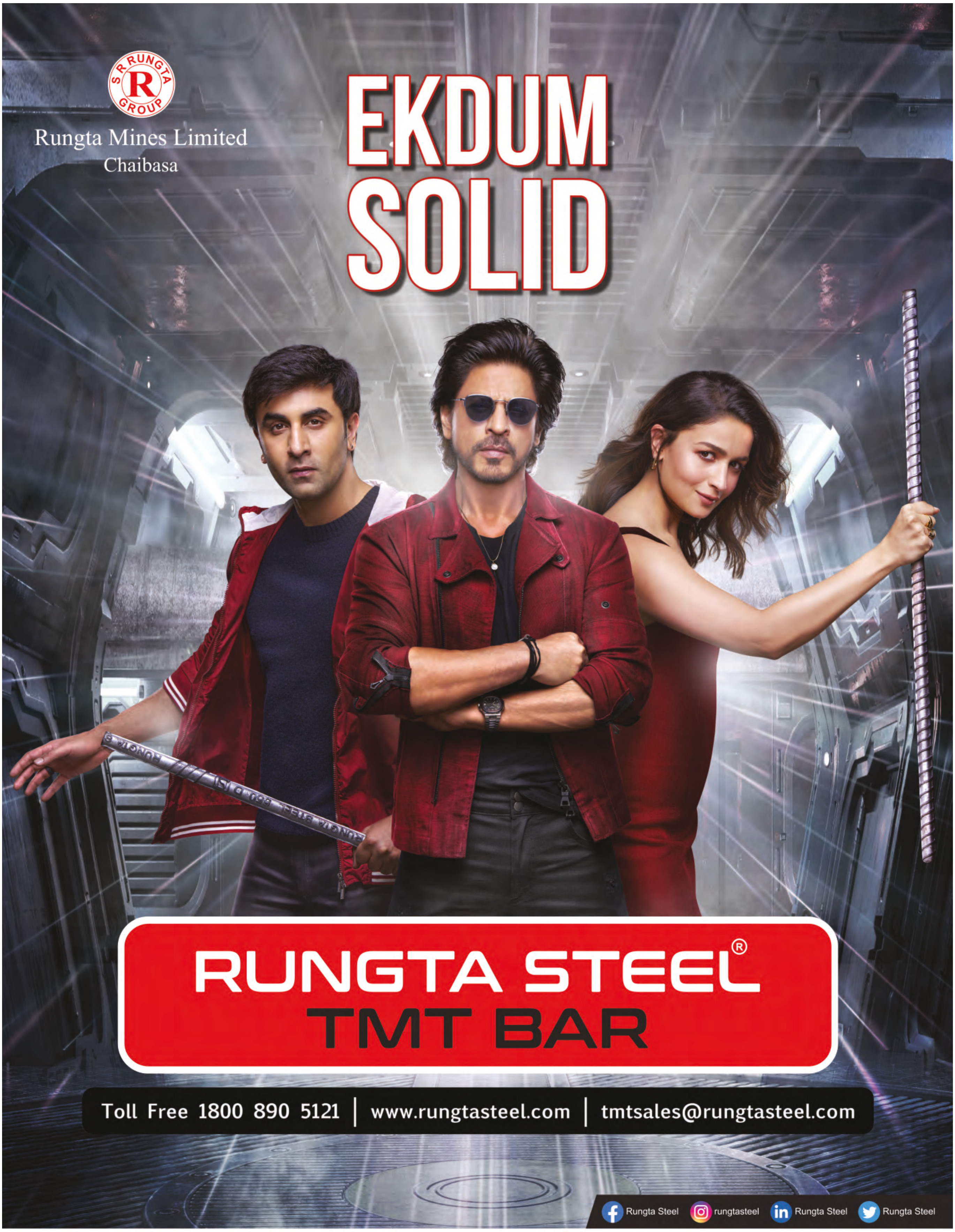

Rungta Office, Nagpur Parishad Complex, Chaibasa, Jharkhand-833201

IAC
SINCE 1959
ISO 9001:2015
ISO 14001:2015
ISO 45001:2018
NABL Accredited Lab
POWERING 47 COUNTRIES ACROSS THE WORLD
IAC Electricals Pvt Ltd is the one stop solution for providing innovative product and services to the electric power utility since 1959
PRODUCTS & SERVICES OFFERED:
INSULATOR HARDWARE FITTINGS UPTO 1200 kV HVAC & 800 kV HVDC
AB CABLE & OPGW FITTINGS
POLE / DISTRIBUTION LINE HARDWARE
EARTHING, STAY & TOWER ACCESSORIES
HTLS CONDUCTOR ACCESSORIES & SUB-ZERO HARDWARE FITTINGS
SUBSTATION CLAMPS & CONNECTORS
CONDUCTOR, INSULATOR & HARDWARE TESTING FACILITY
AB CABLES, COVERED CONDUCTORS AND ADSS CABLE ACCESSORIES
IAC ELECTRICALS PVT LTD
Chakra
BMV 60 T20
Transmission and distribution line hardwares | HTLS Conductor Testing
www.iacelectricals.com
info@iacelectricals.com
701, Central Plaza, 2/6, Sarat Bose Road, Kolkata - 700020

RUPA®
FRONTLINE
YEH STYLE KA
MAMLA HAI!
Toll-free No.: 1800 1235 001 | www.rupaonlinestore.com |
We are also available at: amazon | Flipkart | JioMart
SCAN & EXPLORE

REGISTERED Postal Registration
No. KOLRMS/93/2024-2026
Date of Publication - 27th August, 2025
RNI Regd. No. 2866/1968

From :
All India Marwari Federation
4B, Duckback House
41, Shakespeare Sarani, Kolkata-17
Phone : (033) 4004 4089
E-mail : aimf1935@gmail.com